THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 165 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.3 2082 बुधवार, 10 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

KANCHI, DHARMAVARAM, POCHAMPALLY, UPPADA BANARAS AND MORE
SHILPA KALA WORK SAREE MRP ₹999 GET SECOND SAREE @ 9* ONLY
AKSHYA PATTU SAREE MRP ₹1699 GET SECOND SAREE @ 19* ONLY
PARINAYA PATTU SAREE MRP ₹2699 GET SECOND SAREE @ 29* ONLY
HANDLOOM SAREES
BUY 2 @₹499 KERALA COTTON
BUY 2 @₹666 HANDLOOM COTTON
BUY 2 @₹799 SOMANUR HL SAREE
BUY 2 @₹899 VENKATAGIRI HL SAREE
BUY 2 @₹999 SOFT SILK SAREE
BUY 2 @₹999 VENKATAGIRI HL SAREE
BUY 2 @₹1199 ARUPUKOTTAI HL SAREE
BUY 2 @₹1699 KANCHI COTTON SAREE
BUY 2 @₹2099 KANCHI COTTON SAREE
PATTU SAREES
YAMINI PATTU BUY 2 ₹1199
MALABAR PATTU BUY 2 ₹1499
SOWBHAGYA PATTU BUY 2 ₹1599
KANJEEVARAM PATTU BUY 2 ₹1799
MEENAKSHI PATTU BUY 2 ₹1899
GANDHARVA PATTU BUY 2 ₹2499
MAHADEVA PATTU BUY 2 ₹2999
KAUSHALYA PATTU BUY 2 ₹3399
CHUDIDAR DRESS MATERIALS
DRESS MATERIAL COMBO PACK BUY 6 @₹999*
BUY 2 @₹899* COTTON PRINTED DRESS MATERIAL
BUY 2 @₹999* COTON WORK DRESS MATERIAL
BUY 2 @₹999* CHUDIDAR READY MADE
BUY 2 @₹1099* FANCY DRESS MATERIAL
BUY 2 @₹1299* READYMADE CHUDIDAR
BUY 2 @₹1499* STRAIGHT CUT CHUDIDAR
BUY 2 @₹1799* FANCY CHUDIDAR
BUY 2 @₹1999* PARTY WEAR CHUDIDAR
GAGRAS
DIGITAL PRINT GAGRA BUY 2 @₹999
FANCY GAGRA BUY 2 @₹1699
BRIDAL GAGRA BUY 2 @₹1999
MENS WEAR
BUY 4 @₹999* MENS DENIMS
BUY 2 @₹1299* COTTON TROUSER
BUY 2 @₹1299* MENS DENIMS
BUY 5 @₹999* CASUAL SHIRTS
BUY 2 @₹1499* FASHION DENIMS
BUY 2 @₹1499* FASHION TROUSERS
KIDS WEAR
GIRLS LOWER BUY 3 @₹499
GIRLS T-SHIRT BUY 4 @₹499
GIRLS COTTON FROCKS BUY 2 @₹599
GIRLS COTTON FROCKS BUY 3 @₹699
GIRLS T-SHIRT BUY 4 @₹799
BOYS FASHION T-SHIRTS BUY 4 @₹799
GIRLS NIGHT SUIT BUY 2 @₹599
GIRLS COTTON FROCKS BUY 3 @₹599
GIRLS COTTON FROCKS BUY 2 @₹699
U.S. POLO ASSN. SINCE 1890
GET A BACKPACK WORTH ₹6999 FOR ₹699 ON PURCHASE OF ₹10999
GET A TROLLEY BAG WORTH ₹7999 FOR ₹799 ON PURCHASE OF ₹16999
BUY 2 40% OFF BUY 1 30% OFF
*On Selected Items
COOL COLORS CASUALS
On purchase of 2999* GET ₹1499* BACK PACK @ ₹199*
ARROW USA-1851
GET ₹3000* OFF On purchase of 16999*
GET ₹2000* OFF On purchase of 12999*
KILLER this is us
GET ₹2000* OFF On purchase of 10995*
GET ₹1000* OFF On purchase of 6995*
OXEMBERG
On purchase of 2999* GET ₹1999* BACK PACK @ ₹199*
THINC
GET ₹2500* OFF On purchase of 9999*
GET ₹1500* OFF On purchase of 7999*
URBAN THRIVE BUY 2 @₹1999*
MODE BUY 2 @₹1499*
*Conditions Apply
A/C BLANKET BUY 2 @₹199*
COTTON TOWEL BUY 5 @₹249*
B MILL BED SHEET BUY 2 @₹399*
30% OFF ON SELECTED ITEMS ONLY
BUY 1 GET 1 FREE ON SELECTED ITEMS ONLY
UPTO 51%* OFF
CMR SHOPPING MALL
The joy of life
ANDHRA PRADESH | TELANGANA | ODISHA
Opp: BUS STATION, UPPAL 7660002086
BESIDE BHAGYALATA KAMAN, HAYATHNAGAR 8886607973
Opp: BUS STAND, MEDCHAL 7799909527
BHEL CIRCLE 8886607978
OPP: VIJAYA DAIRY, SHADNAGAR 7799918624
BESIDE: INDIAN OIL BUNK, MIYAPUR CROSS ROADS, MIYAPUR

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 165 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.3 2082 बुधवार, 10 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## कुलगाम में एनकाउंटर के दूसरे दिन आतंकी ठिकाना मिला

कुलगाम, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम स्थित गुड्डर के जंगलों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर जारी है। सुरक्षाबलों ने गुड्डर में एक आतंकी ठिकाने का भी पता लगाया है। जंगल के बीच में आतंकी दो से तीन फीट गहरे गड्ढा बनाकर छिपे थे। वहां से 2 एके-47 राइफलें, गोला-बारूद, बर्तन और खाने का सामान बरामद हुआ है। इलाके में 2-3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सुरक्षाबलों को सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकी ठिकाने का भी पता लगाया। सेना ने आतंकियों के छिपने की जगह को नष्ट कर दिया है। आतंकियों के किसी भी तरह के भागने से बचने के लिए इलाके की कड़ी घेराबंदी कर रखी है।

# सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे

## एनडीए कैंडिडेट को 452 वोट मिले, इंडिया के बी. सुदर्शन रेड्डी को 152 वोट से हराया

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले। वहीं इंडिया कैंडिडेट सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

कांग्रेस ने इंडिया के 315 सांसदों के मतदान का दावा किया था, जिससे इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को 15 वोट कम मिले। बीआरएस और बीजेडी ने चुनाव में भाग नहीं लिया, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के 4 और बीजेडी के 7 सांसद हैं। लोकसभा में इकलौते सांसद वाले शिरोमणि अकाली दल ने भी पंजाब में बाढ़ के चलते वोट डालने से इनकार कर दिया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा- उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष एकजुट रहा। हमारा प्रदर्शन सम्मानजनक रहा है। इंडिया उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 40 प्रतिशत वोट मिले। जबकि 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष को 26 प्रतिशत वोट मिले थे। अंकों में भाजपा भले जीती हो लेकिन ये उनकी नैतिक हार है। वैचारिक लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

कांग्रेस ने मंगलवार को वाईएसआरसीपी अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी पर एनडीए उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन का समर्थन करने के लिए हमला बोला और उन पर लोकतांत्रिक ताकतों के साथ खड़े न होने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि आंध्र प्रदेश के लोग आंध्र प्रदेश के हितों की बजाय सीबीआई मामलों के डर से आरएसएस उम्मीदवार का समर्थन करके उनके विश्वासघात को नहीं भूलेंगे। पूर्व सांसद श्रीकांत जेना ने दावा किया है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा न लेने का मतलब है बीजेपी का साथ देना और बीजेडी ने वही किया।

# नेपाल हिंसा- पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया, मौत

## पीएम ओली का इस्तीफा, राष्ट्रपति के भी पद छोड़ने की खबर, प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए बुलाया गया

काठमांडू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में पूर्व पीएम झालानाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार की मौत हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को उनके घर में आग लगा दी थी, जिसमें वह गंभीर रूप से जल गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

राजधानी काठमांडू में हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं और सुरक्षा बल हालात को काबू में लाने में नाकाम दिख रहे हैं। देश में हिंसक प्रदर्शनों ने हालात को और बिगाड़ दिया है। देश में जारी हिंसक घटनाओं के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया। सेना का एक हेलिकॉप्टर उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले गया है।

राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाकों में हुई झड़पों और आगजनी में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में आग लगा दी और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल और गृहमंत्री के निजी आवासों पर भी हमला कर तोड़फोड़ और आगजनी की। गुस्साए युवाओं ने पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुसकर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ाकर मारा गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारते हुए दिख रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को नेपाल की संघीय संसद को आग के हवाले कर दिया। प्रधानमंत्री ओली के घर में मंगलवार को आग लगा दी। इसके बाद धुएं का गुबार उठता नजर आया। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निवास (शीतल भवन) में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने इस्तीफा दे चुके गृहमंत्री रमेश लेखक के घर पर मंगलवार को आगजनी और तोड़-फोड़ की।

>14

# पीएम मोदी ने पंजाब-हिमाचल को 3100 करोड़ दिए

### आप सरकार बोली- ये जख्मों पर नमक छिड़का, हिमाचल को 1500 करोड़

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (9 सितंबर) को हिमाचल और पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हेलिकॉप्टर से हवाई सर्वे किया। दोनों राज्यों के लिए उन्होंने कुल 3100 करोड़ की सहायता राशि का ऐलान किया। मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

गुरदासपुर में मोदी ने 19 किसानों, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम से बातचीत की। मंत्रियों व अधिकारियों के साथ बैठक के बाद उन्होंने पंजाब को 1600 करोड़ देने का ऐलान किया। इस पर पंजाब के मंत्री बरिंदर गोयल ने कहा कि ये बहुत बड़ा मजाक है। वहीं आप प्रदेशाध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा- केंद्र ने पंजाबियों के जख्मों पर नमक छिड़का है।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने कुल्लू, मंडी और चंबा में हुए नुकसान का सर्वे किया। कांगड़ा में बैठक में अधिकारियों से प्रेजेंटेशन लिया और 1500 करोड़ की मदद का ऐलान किया। बैठक में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी मौजूद रहे। पीएम ने 18 प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मंडी की एक साल की बच्ची नितिका को टॉफी दी और फिर उसे गोद में उठाया। नितिका के माता, पिता और दादी की 30 जून को मंडी में बादल फटने से आई बाढ़ में मौत हो गई थी।

पंजाब आम आदमी पार्टी के प्रधान अमन अरोड़ा ने बताया कि शुरूआती अनुमान के मुताबिक 20 हजार करोड़ का नुकसान बाढ़ से हुआ है। प्रधानमंत्री ने पंजाबियों के जख्मों पर नमक छिड़का है। जब उनसे पूछा गया कि प्रधानमंत्री ने कहा कि 12 हजार करोड़ पहले ही पैकेज दिया है। इस पर उन्होंने कहा कि पंजाब सीएम ने दस दिन पहले ही इस फंड के प्रयोग बारे में नियम सरल करने के लिए पीएम को पत्र लिखा था।

**सरकार का पैकेज ऊंट के मुंह में जीरा :**

पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि हम सोच रहे थे कि देश के प्रधानमंत्री आ रहे हैं, पंजाब को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन ये ऊंट के मुंह में जीरे वाली बात है। उन्होंने कहा कि 1600 करोड़ अनाउंस हुआ है। पता नहीं कब मिलेगा। इस बार नुकसान बहुत ज्यादा हुआ है। उन्होंने कहा कि मीडिया में आया है कि 2.53 लाख पशु प्रभावित हुए हैं।

# कर्नाटक सरकार बोली- राष्ट्रपति और राज्यपाल सिर्फ नाममात्र के प्रमुख

### केंद्र और राज्यों में मंत्रिपरिषद की मदद और सलाह पर काम करने के लिए बाध्य

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को राष्ट्रपति के संदर्भ पर आठवें दिन सुनवाई हुई, जिसमें यह पूछा गया था कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं में पास बिलों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकता है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने इस पर अपनी दलील दी और कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल सिर्फ नाममात्र के प्रमुख हैं। दोनों, केंद्र और राज्यों में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर काम करने के लिए बाध्य हैं।

कर्नाटक सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट गोपाल सुब्रमण्यम ने चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली 5-जजों की बेंच को बताया कि विधानसभा में पारित बिलों पर कार्रवाई के लिए राज्यपाल की संतुष्टि ही मंत्रिपरिषद की संतुष्टि है।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली 5-जजों की संविधान पीठ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 14 सवालों की जांच कर रहा है। बेंच में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

**तमिलनाडु से शुरू हुआ था विवाद...**

यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे।

# भाजपा कार्यकर्ता से ईडी ने की पूछताछ

### राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर की थी याचिका

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता पर सवाल उठाने वाले कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर से मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ की। यह पूछताछ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (एफईएमए) के तहत हुई। शिशिर ने ईडी दफ्तर में प्रवेश करने से पहले बताया कि उन्हें एफईएमए की धारा 37 के तहत तलब किया गया है। उन्होंने कहा, मेरे पास ठोस सबूत, जानकारी, दस्तावेज, रिकॉर्ड और वीडियो हैं, जिन्हें मैं एजेंसी को सौंपूंगा।

**ईडी ने पूछे कई सवाल, भाजपा कार्यकर्ता अपने दावे पर अड़े :**

एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, शिशिर से कई सवाल पूछे गए और उनका बयान दर्ज किया गया। उनसे कुछ दस्तावेज और सबूत भी मांगे गए। एफईएमए के तहत ईडी विदेशी मुद्रा कानून से जुड़े उल्लंघनों की जांच करती है।

बता दें कि शिशिर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें दावा किया गया था कि उनके पास ब्रिटिश सरकार के दस्तावेज और ईमेल हैं जो साबित करते हैं कि राहुल गांधी ब्रिटिश नागरिक हैं। उनका कहना है कि अगर ऐसा है तो राहुल गांधी भारत में चुनाव लड़ने के पात्र नहीं हैं।

**9 अक्टूबर को होगी मामले की अगली सुनवाई :**

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 30 अगस्त को शिशिर की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार को 24 घंटे सुरक्षा देने का आदेश दिया था। अदालत ने कहा कि शिशिर एक प्रभावशाली व्यक्ति के खिलाफ मामले को आगे बढ़ा रहे हैं और उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं।

शिशिर का यह भी दावा है कि उनकी शिकायत पर सीबीआई पहले से जांच कर रही है और वह कई बार दिल्ली में एजेंसी के सामने पेश होकर सबूत दे चुके हैं।

# सेना प्रमुख बोले- सेना के लिए आत्मनिर्भर भारत जरूरी

### लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर को 4 दिन का टेस्ट मैच बताया, युद्ध हमेशा अनिश्चित होते हैं

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के कार्यक्रम में कहा कि सेना के लिए भी आत्मनिर्भर भारत जरूरी है। पहले संघर्ष के समय जहां 100 किमी की रेंज वाले हथियारों की जरूरत थी, आज वहां 300 किमी की रेंज वाले हथियार चाहिए।

उन्होंने आगे कहा- हमारे विरोधियों की तकनीक आगे बढ़ रही है। हम विदेशी हथियारों पर हमेशा निर्भर नहीं रह सकते। अपनी क्षमता पर भरोसा और लगातार मजबूत होना ही हमें भविष्य के युद्धों के लिए तैयार कर सकता है।

सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा- कुछ लोगों ने कहा कि ये तो चार दिन का टेस्ट मैच था। लेकिन आप युद्ध के बारे में पहले से कुछ नहीं कह सकते। हमें कोई अंदाजा नहीं था ऑपरेशन कितने दिन चलेगा। युद्ध हमेशा अनिश्चित होता है। जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि ये इतना लंबा चलेगा। ईरान-इराक युद्ध लगभग 10 साल चला।

**नई तकनीक और भविष्य की तैयारी जारी है :**

सेना प्रमुख ने आने वाले समय में नई तकनीक वाले हथियारों को सेना में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा- भारत हथियारों के मामले में राइफल से लेजर हथियारों तक जाना चाहता है। हम ऐसे टैंक सेना में शामिल कर रहे हैं जो बिना किसी व्यक्ति के संचालित हो सकें।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा- सेना के लिए नए हेलिकॉप्टरों की खरीद पर भी बात चल रही है। मैं कुछ दिन पहले ही इस सिलसिले में विदेश गया था। हम सैनिकों की जिंदगी बेहतर करने पर जोर दे रहे हैं। आधुनिक युद्ध में "डेविड एंड गोलियथ" सिस्टम अहम है। यानी कम लागत और उन्नत तकनीक वाला देश भी बड़े और ताकतवर दुश्मन को हरा सकता है। इसके लिए फोर्स एप्लीकेशन और फोर्स प्रोटेक्शन दोनों ही जरूरी हैं। यानी दुश्मन के हमले को झेलने और फिर सही समय पर कार्रवाई करने की क्षमता। यह सब तभी संभव होगा जब मजबूत संचार और साइबर सिस्टम तैयार हों।

**आर्मी चीफ ने कहा था- अगला युद्ध जल्द हो सकता है :**

इससे पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 4 अगस्त को पाकिस्तान से जल्द ही दोबारा युद्ध होने की आशंका जताई थी। उन्होंने आईआईटी मद्रास में 'अग्निशोध'- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल (आईएआरसी) के उद्घाटन समारोह में कहा- अगला युद्ध जल्द हो सकता है। हमें उसी के मुताबिक तैयारी करनी होगी और इस बार हमें यह लड़ाई मिलकर लड़नी होगी।

इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने हमें फ्री हैंड दिया था। ऑपरेशन में शतरंज की चालें चल रहे थे। हमें नहीं पता था दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं।

# इसरो प्रमुख बोले- देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स अहम

### ऑपरेशन सिंदूर में ऐसे निभाई भूमिका

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी सैटेलाइट्स ने बिना किसी रुकावट के लगातार काम किया और सेना को जरूरी मदद पहुंचाई।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सभी सैटेलाइट्स 24 घंटे बेहतरीन तरीके से काम कर रहे थे और हर जरूरत को पूरा कर रहे थे। नारायणन ने बताया कि फिलहाल भारत के पास 58 सक्रिय सैटेलाइट्स कक्षा (ऑर्बिट) में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्ष्य तय किया है कि अगले तीन साल में यह संख्या तीन गुना हो जाएगी।

**आतंक के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर :**

ऑपरेशन सिंदूर 7 मई 2025 को शुरू किया गया था। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हुई थी। यह सेना का त्रि-सेवा (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) संयुक्त अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करना था।

सरकार की तरफ से 14 मई को जारी एक आधिकारिक बयान में भी इसरो की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया गया था। इसमें कहा गया कि कम से कम 10 सैटेलाइट्स लगातार निगरानी के लिए काम कर रहे थे। इसरो प्रमुख ने कहा, देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स का होना बहुत जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा- हमें अपने 7000 किलोमीटर लंबे समुद्री तट और उत्तरी सीमाओं की लगातार निगरानी करनी होती है। सैटेलाइट और ड्रोन तकनीक के बिना यह संभव नहीं है। वी नारायणन के मुताबिक, इन सैटेलाइट्स की मदद से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

# रामदेव के एलोपैथी बयान पर छत्तीसगढ़ पुलिस ने दायर की क्लोजर रिपोर्ट

### केंद्र ने कोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को जानकारी दी गई कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने योगगुरु रामदेव के खिलाफ दर्ज उस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है, जो उनके कोविड महामारी के दौरान ऑलोपैथिक दवाओं पर दिए गए विवादित बयान से जुड़ा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस एमएम सुंद्रेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ को बताया कि रामदेव के खिलाफ दर्ज शिकायतें कुछ 'हितधारक समूहों द्वारा प्रायोजित' लगती हैं। रामदेव की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने बताया कि पिछली सुनवाई के निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ सरकार ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है, लेकिन बिहार सरकार की ओर से अभी जवाब नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई दिसंबर तक के लिए टाल दी।

**मामला कैसे शुरू हुआ था :**

2021 में कोविड महामारी के समय पटना और रायपुर की इंडियन मेडिकल

एसोसिएशन (आईएमए) इकाइयों ने शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि रामदेव के बयान से कोविड उपचार की प्रक्रिया पर नकारात्मक असर पड़ सकता है और लोग उचित इलाज लेने से बच सकते हैं। रामदेव ने तब कहा था कि उन्हें ऑलोपैथिक दवाओं पर भरोसा नहीं है। इस बयान पर कई डॉक्टरों ने आपत्ति जताई और आईपीसी व डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 के तहत कई मामले दर्ज हुए। बाद में रामदेव ने तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के पत्र के बाद अपना बयान वापस ले लिया था।

# 'देश को उनके बोलने का इंतजार'

### कांग्रेस ने धनखड़ की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के बीच कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की चुप्पी पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति ने बीते 50 दिनों से असामान्य चुप्पी साधी हुई है और देश उनके बोलने का इंतजार कर रहा है। बीती जुलाई में जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद ही आज फिर से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हो रहा है।

**देश धनखड़ के बोलने का इंतजार कर रहा :**

मंगलवार को हो रहे उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के सी.पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को स्पष्ट बढ़त हासिल है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में धनखड़ की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए लिखा, पिछले 50 दिनों से धनखड़ ने असामान्य चुप्पी साध रखी है। आज जब उनके उत्तराधिकारी के लिए चुनाव प्रक्रिया चल रही है तो देश उनके अभूतपूर्व और अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद उनके बयान का इंतजार कर रहा है। मोदी सरकार द्वारा किसानों की घोर उपेक्षा और सत्ता में बैठे लोगों के अहंकार से पैदा खतरों आदि पर अपनी चिंता व्यक्त करने के बाद धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था।

**सचिन पायलट ने पूछा- कहां हैं जगदीप धनखड़ :**

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी जगदीप धनखड़ की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, उपराष्ट्रपति चुनाव क्यों हो रहे हैं? पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कहां हैं? एनडीए को चुनावों में अपना बहुमत साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि भारतीय गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी बहुत मजबूत हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद



सुविचार: स्त्री का प्रेम परिस्थितियों पर निर्भर करता है जबकि पुरुष का प्रेम स्त्री पर

## तेलंगाना में शिक्षा क्षेत्र के लिए केंद्र से सहयोग का मुख्यमंत्री ने किया आग्रह

### वित्त मंत्री से की नई दिल्ली में मुलाकात

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से तेलंगाना के शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने के प्रयासों में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार को, मुख्यमंत्री ने नॉर्थ ब्लॉक स्थित केंद्रीय मंत्री से उनके कार्यालय में मुलाकात की और पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों को "कॉर्पोरेट शैली की शिक्षा" प्रदान करने के लिए राज्य द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताया, जो तेलंगाना की लगभग 90 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। राज्य भर में लगभग 105 यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं– प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक। चार स्कूलों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जबकि शेष संस्थानों के लिए निविदाएं अंतिम रूप दे दी गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक स्कूल में 2,560 छात्र बैठेंगे, जिससे लगभग 2.7 लाख बच्चों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि अत्याधुनिक सुविधाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं और स्टेडियमों से सुसज्जित इन स्कूलों पर लगभग 21,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा, जूनियर कॉलेजों, डिग्री कॉलेजों, तकनीकी संस्थानों और अन्य उच्च शिक्षा केंद्रों में उन्नत प्रयोगशालाओं और बुनियादी ढांचे की स्थापना में 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। केंद्रीय सहयोग की मांग करते हुए, रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि वे धन जुटाने के लिए एक 'विशेष निगम' के गठन की अनुमति दें और उसे एफआरबीएम सीमा से मुक्त करें, राज्य के शिक्षा व्यय को निवेश के रूप में देखें और पिछली बीआरएस सरकार द्वारा लिए गए उच्च-ब्याज वाले ऋणों के पुनर्गठन की अनुमति दें, जो उनके अनुसार वित्तीय बोझ बन गए थे। कहा जाता है कि केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने अनुरोधों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। बैठक में तेलंगाना के सांसद डॉ. मल्लू रवि, पोरिका बलराम नायक, सुरेश शेतकर, चमाला किरण कुमार रेड्डी, वित्त प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया और केंद्रीय परियोजना एवं योजना समन्वय सचिव गौरव उप्पल उपस्थित थे।

### रेवंत रेड्डी पर पद बेचने का आरोप

**बीआरएस नेताओं ने कहा– सिर्फ नई परीक्षा से ही होगा न्याय**

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के पुनर्मूल्यांकन या पुनर्परीक्षा के आदेश के बाद बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए। तेलंगाना भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बीआरएस विधायक पडी कौशिक रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय के जरिए ग्रुप-1 पदों की खरीद-फरोख्त हुई और भर्ती प्रक्रिया घोटाले में बदल गई। उन्होंने सवाल उठाया कि केसीआर सरकार के दौरान जैसे ही अनियमितताओं के आरोप लगे थे, परीक्षाएं तुरंत रद्द कर दी गई थीं, वैसे कदम अब क्यों नहीं उठाए गए। उन्होंने भाजपा पर भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधकर कांग्रेस से मिलीभगत का आरोप लगाया।

बीआरएस नेता ए. राकेश रेड्डी ने कहा कि अदालत का फैसला उम्मीदवारों और पार्टी दोनों की जीत है। उन्होंने दोहराया कि पुनर्मूल्यांकन पर्याप्त नहीं है और केवल नई परीक्षा ही पारदर्शिता सुनिश्चित कर सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रुप-1 की नौकरियां 'बाजार में सब्जियों की तरह बेची जा रही थीं' और ऐसी व्यवस्था में फर्जी अधिकारी समाज को ही भ्रष्ट कर देंगे। राकेश रेड्डी ने यहां तक कहा कि कांग्रेस नेताओं पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए।

## छात्रों को शैक्षणिक सामग्री और यूनिफॉर्म की कमी

**42,000 छात्र पढ़ाई के लिए पाठ्यपुस्तकों और जरूरी सामान के बिना**

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में तेलंगाना सामाजिक कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी (टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस) के छात्रों को पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म और स्टेशनरी जैसी मूलभूत सुविधाएं अभी तक नहीं मिली हैं। नए सत्र के शुरू होने के तीन महीने बाद भी इंटरमीडिएट के छात्र पढ़ाई के लिए पुरानी किताबों या उधार ली गई सामग्री पर निर्भर हैं। राज्य भर में 268 समाज कल्याण आवासीय जूनियर कॉलेजों में लगभग 42,000 इंटरमीडिएट छात्र पढ़ रहे हैं, जिनमें अधिकांश आर्थिक रूप से कमजोर और हाशिए पर पड़े वर्गों से हैं। पाठ्यपुस्तकों की कमी से न केवल शैक्षणिक और इंटरमीडिएट परीक्षाओं पर असर पड़ेगा, बल्कि छात्र जेईई, एनईईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी प्रभावित हो सकते हैं।

शिक्षकों ने बताया कि वर्दी, पीटी और नाइट ड्रेस, तौलिए, चादरें और कंबल भी अभी तक छात्रों को नहीं मिले हैं। कक्षा 5 और इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ट्रंक बॉक्स भी उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, और संस्थाएं 25,000 रुपये प्रति माह के रखरखाव अनुदान का इंतजार कर रही हैं। टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस पीआरओ और संयुक्त सचिव से प्रतिक्रिया नहीं मिली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इंटरमीडिएट छात्रों को पाठ्यपुस्तकें तेलुगु अकादमी की देरी के कारण नहीं मिल पाई हैं, जबकि यूनिफॉर्म और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति निविदा प्रक्रिया में समस्याओं के कारण बाधित हुई है।

## कांग्रेस शासन में बढ़ा भ्रष्टाचार : कोप्पुला ईश्वर

### पूर्व मंत्री बोले- 22 महीने में 110 से ज्यादा छात्रों की मौत

### गुरुकुल स्कूलों की अनदेखी पर बीआरएस का हमला

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार पर सरकारी आवासीय कल्याण संस्थानों की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गुरुकुल स्कूलों की समस्याओं को सुलझाने के बजाय मंत्री जनता को गुमराह कर रहे हैं और जिम्मेदारी पिछली बीआरएस सरकार पर डाल रहे हैं। मंगलवार को तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बात करते हुए ईश्वर ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के 22 महीने के कार्यकाल में गुरुकुलों में 110 से ज्यादा छात्रों की मौत हुई है। उन्होंने इन मौतों को 'राज्य हत्या' करार देते हुए इसके लिए मुख्यमंत्री और कल्याण मंत्री को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया।

ईश्वर ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की दुर्दशा को नजरअंदाज कर रही है और मंत्री मूल समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय हरीश राव पर हमले करने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासनकाल में गुरुकुलों की संख्या बढ़ाकर 1,024 की गई थी, जहां छह लाख छात्र पढ़ते थे और अन्य राज्यों ने भी इस मॉडल की सराहना की थी। उन्होंने वर्तमान सरकार पर कई घोटालों और अनियमितताओं का आरोप लगाया, जिनमें सरकारी आदेश संख्या 17 से जुड़ा भ्रष्टाचार, 9,000 ठेकेदारों का भुगतान रोके रखना और अंडे व चिकन की आपूर्ति में 600 करोड़ रुपये का घोटाला शामिल है। इसके अलावा ठेका कर्मचारियों को पांच महीने से वेतन न मिलने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को खुश करने के लिए झूठ फैलाने के बजाय, मंत्री को छात्रों के परिवारों से मिलना चाहिए और संस्थानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

## नगर नियोजन अधिकारी 10 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने नरसिंगी नगर निगम की नगर नियोजन अधिकारी मणि हरिका को रिश्वत लेने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारियों के अनुसार, मणि हरिका ने शिकायतकर्ता से लेआउट रेगुलराइजेशन स्कीम (एलआरएस) दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के बदले 10 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता कुछ रकम पहले ही दे चुका था। एसीबी ने बताया कि उन्हें कार्यालय में 4 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। रकम बरामद कर ली गई और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

## सरकार को शर्म से सिर झुकाना चाहिए : हरीश राव

### ग्रुप-1 परीक्षा में गड़बड़ियों पर बवाल

### उच्च न्यायालय के फैसले के बाद बीआरएस नेताओं ने की सीबीआई जांच की मांग

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ग्रुप-1 परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर उच्च न्यायालय के फैसले पर बीआरएस नेताओं ने सरकार पर जमकर हमला बोला। पूर्व मंत्री और विधायक टी. हरीश राव ने कहा कि यह फैसला कांग्रेस सरकार के मुंह पर तमाचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र आवंटन, हॉल टिकट जारी करने और परिणामों में गंभीर खामियों से सरकार की लापरवाही साफ हो गई है।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने पूछा, आप छात्रों की जिंदगी से खेल रहे हैं। अब अदालत के फैसले पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है? उन्होंने मांग की कि सरकार युवाओं से माफी मांगे। बीआरएस नेता वाई. सतीश रेड्डी ने भी अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सिर्फ पुनर्मूल्यांकन से न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने अनियमितताओं की सीबीआई जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि जिन टीएसपीएससी अधिकारियों ने पहले गलतियां की थीं, उन पर दोबारा भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि परीक्षा अधिसूचना से लेकर मूल्यांकन तक हर चरण में त्रुटियां रहीं, जिनमें आरक्षण और हॉल टिकट आवंटन में भी गड़बड़ियां शामिल थीं। उन्होंने मुख्यमंत्री पर वादा करके भी सुधार न करने का आरोप लगाया।

## माओवादी पार्टी को नया महासचिव, तिरुपति बने बसवराज के उत्तराधिकारी

### करीमनगर के दलित नेता को मिली कमान

### हिडमा को दंडकारण्य क्षेत्रीय समिति का सचिव बनाया गया

कोत्तागुडेम, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) पार्टी ने अपने नए महासचिव की घोषणा कर दी है। तेलंगाना के करीमनगर जिले के निवासी टिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवूजी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे 21 मई को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जंगलों में मुठभेड़ में मारे गए नंबाला केशव राव उर्फ बसवराज की जगह लेंगे। उस मुठभेड़ में 28 माओवादी ढेर हुए थे।

तिरुपति दलित समुदाय से आते हैं और लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने पोलित ब्यूरो सदस्य और केंद्रीय सैन्य आयोग के प्रमुख के रूप में काम किया है। छात्र जीवन में वे रेडिकल स्टूडेंट यूनियन से जुड़े और 1983 में भूमिगत हो गए थे। महासचिव पद के लिए मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू का नाम भी चर्चा में था, लेकिन उनकी पत्नी तारक्का के आत्मसमर्पण के चलते उनका नाम खारिज कर दिया गया।

संगठन में एक और बड़ा बदलाव करते हुए बस्तर क्षेत्र के कमांडर माडवी हिडमा को दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति का सचिव बनाया गया है।

इस पद के लिए अन्य नामों पर भी विचार हुआ था, लेकिन अंततः जिम्मेदारी हिडमा को दी गई। छत्तीसगढ़ पुलिस को इस नेतृत्व परिवर्तन की जानकारी माओवादी केंद्रीय समिति के सदस्य कमलेश से पूछताछ के दौरान मिली। कमलेश ने पिछले साल आंध्र प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था।

## कालोजी ने अपनी कविताओं से समाज को जागृत किया : जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर वी कर्णन ने कहा कि कालोजी एक महान लोक कवि थे जिन्होंने अपनी कविताओं से तेलंगाना समाज को जागृत किया। मंगलवार को लोकप्रिय कवि कालोजी की जयंती मनाई गई। जीएचएमसी मुख्यालय में कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयुक्त ने तेलंगाना भाषा और साहित्य में कालोजी के योगदान को याद किया।

तेलंगाना बोली और भाषा के लिए उनके प्रयासों के सम्मान में आयुक्त ने कहा कि कालोजी जयंती को तेलंगाना भाषा दिवस के रूप में भी मनाया जा रहा है। उन्होंने तेलंगाना भाषा के अस्तित्व की भावना को बढ़ाने में कालोजी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की उपलब्धि और प्रगति में कालोजी की भावना निहित है। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त गीता राधिका, सीई सहदेव रत्नाकर, सतर्कता अतिरिक्त एसपी सुदर्शन, डीएसपी नरसिम्हा रेड्डी उपस्थित थे। पीआरओ ममिन्दला दशरथम और अन्य लोग भी इसमें शामिल हुए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Prasanta Sar, Father of No.14673476H, Hav, Prasenjit Sar, R/o, Dist: Purba Medinipur, West Bengal, changed my name from Prasanta Sar to Prasanta Kumar Sar vide Affidavit dt 08.09.2025 before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, Vimla Buri, Spouse of No.14658238Y, Hav, Subhash Buri, R/o, Dist: Sikar, Rajasthan, changed my name from Vimla Buri to Vimla Kumari Jakhar vide Affidavit dt 08.09.2025 before Medchal -Malkajgiri Court Telangana.

I, No.14645173X, Hav, K Gopala Krishnan, R/o, Dist : Theni, Tamil Nadu, changed my Mother's name from K Eswari to Eswari K vide Affidavit dt 08.09.2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## एक और पेड़ को मिला नया जीवन यातायात पुलिस बनी प्रकृति प्रेमी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट पुलिस थाना क्षेत्राधिकार में, डाकघर और सेफ एक्सप्रेस के बीच सड़क पर स्थित एक बबूल का पेड़ वाहनों की सुचारू आवाजाही में बाधा डाल रहा था और यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा था। संबंधित अधिकारियों से उचित अनुमति प्राप्त करने के बाद, पेड़ को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। सी.वी. आनंद, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर के निर्देशानुसार और जोएल डेविस, संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात शाखा, हैदराबाद, राहुल हेगड़े, आईपीएस, उप पुलिस आयुक्त, यातायात-I, हैदराबाद और श्री सी. वेणु गोपाल रेड्डी, अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त के पर्यवेक्षण में। हैदराबाद के यातायात-I पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार, आज, अर्थात् 09-09-2025 को, सेना के कर्मचारियों की सहायता से, पेड़ को सेफ एक्सप्रेस से बापूजी नगर की ओर जाने वाली दाईं ओर की सड़क पर सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया गया।

इस स्थानांतरण कार्यक्रम में जी. शंकर राजू, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात-I, उत्तरी क्षेत्र, जी. जानकी राम, अतिरिक्त पुलिस निरीक्षक, टीआर पुलिस स्टेशन बेगमपेट और पी. विजयकांत, पुलिस उपनिरीक्षक, टीआर पुलिस स्टेशन बेगमपेट शामिल थे।

## आरपीएफ साइबर सेल मोबाइल रिकवरी का तेजी से कर रहा है प्रयास

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्री सेवाओं को उल्लेखनीय बढ़ावा देते हुए, आरपीएफ/दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाने और उन्हें वापस पाने के लिए डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके 'ऑपरेशन अमानत' के तहत अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। 3 अप्रैल 2025 को केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल तक पहुंच प्राप्त होने के बाद, आरपीएफ साइबर सेल ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी और तकनीक को मूर्त परिणामों में बदल दिया।

आरपीएफ को खोए हुए उपकरणों की रिकवरी की सुविधा केवल तभी प्रदान करने का अधिकार है जब घटना की सूचना रेल मदद के माध्यम से दी गई हो और उसे पंजीकृत किया गया हो, और मामले में शिकायतकर्ता द्वारा कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई हो। दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित सीईआईआर पोर्टल, खोए या चोरी हुए उपकरणों की आईएमईआई-आधारित ट्रैकिंग और ब्लॉकिंग को सक्षम बनाता है। हालांकि, आरपीएफ का समर्पित साइबर सेल ही पूरे क्षेत्र में रिकवरी अभियानों का संचालन कर रहा है। अगस्त-2025 माह के दौरान, आरपीएफ साइबर सेल ने दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ मंडलों से प्राप्त कुल 125 शिकायतों का निपटारा किया है। इन शिकायतों में से, साइबर सेल द्वारा 96 मोबाइल फोन ब्लॉक किए गए हैं, 34 उपकरणों का पता लगाया गया है और 09 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए गए हैं और उन्हें उनके असली मालिकों को वापस कर दिया गया है। बरामद किए गए 13 मोबाइल फोन वर्तमान में संबंधित आरपीएफ चौकियों के कब्जे में हैं और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंपा जाना बाकी है। ये प्रयास संरचित अनुवर्ती कार्रवाई और प्रत्यक्ष उपयोगकर्ता जुड़ाव द्वारा समर्थित हैं, जो आरपीएफ के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है।

संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, एससीआर ने यात्री कल्याण पर विशेष ध्यान देने के लिए रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण मध्य रेलवे की सराहना की। उन्होंने कहा कि आरपीएफ साइबर सेल डिजिटल इंटेलिजेंस, समय पर कार्रवाई और अंतर-एजेंसी सहयोग के माध्यम से चोरी या गुम हुई संपत्ति को वापस पाने में एक प्रमुख शक्ति बन गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा और सेवा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ की प्रतिबद्धता में जनता के विश्वास को मजबूत करती है।

## कॉलेज ने एआई प्रशिक्षण के लिए एआई लिंक टेक्नोलॉजीज से किया समझौता

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (ओयूसीई) ने छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और डेटा एनालिटिक्स में दक्ष बनाने के लिए एआई लिंक टेक्नोलॉजीज के साथ समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत उद्योग-केंद्रित प्रमाणन कार्यक्रम, कार्यशालाएं और प्रायोगिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। छात्रों को कक्षा के साथ-साथ वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों का अनुभव मिलेगा, जिससे शिक्षा और उद्योग की मांगों के बीच की खाई को पाटने में मदद होगी।

ओयू के कुलपति प्रो. मोलुगरम ने इस पहल की सराहना की। ओयूसीई प्राचार्य प्रो. चंद्रशेखर पी. ने कहा कि यह सहयोग नवाचार और उन्नत प्रौद्योगिकियों के केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय की दृष्टि को मजबूत करेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

Website - www.ner.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं. 29251029B एण्ड निविदा सूचना सं. 39 दिनांक 04.09.25 के अन्तर्गत मद सं. 6 में निम्न संशोधन जारी किया जाता है :–

मद सं. : 6, वर्तमान प्रविष्ट : डाक्यूमेंट विवरण – बिड वर्जन – 46, अब पढ़ा जाय : डाक्यूमेंट विवरण – बिड वर्जन – 45, अन्य नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी।

नोट : उपरोक्त निविदा सूचना को पूर्वोत्तर रेलवे वेबसाईट www.ner.indianrailways.gov.in एवं भारत सरकार के वेबसाईट www.tenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

मुजाधि/एस-46 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

पूर्व तट रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं. 30256494, दिनांक : 02.09.2025

कार्य का नाम: CLW विनिर्देश संख्या : CLW/ES/3/0030 ऑल्ट-D या नवीनतम के अनुसार 3 फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए बैटरी [Ni-Cd] जिसमें 3.6V 199AH के 26 बैटरी ब्लॉक के साथ ब्लॉक से ब्लॉक के बीच इंटरकनेक्टिंग केबल शामिल हैं। डवारंटी अवधि : डिलीवरी की तारीख के 30 महीने बाद।

मात्रा : 17 सेट।

द्रष्टव्य : सामग्री 90 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.10.2025 को 1500 बजे।

TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण किया जाता है।

संपूर्ण विस्तृत विवरण : www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-571/Q/25-26

# मणिपुर संकट के चलते छोड़ी बीजेपी

## कांग्रेस में शामिल हुए बीजेपी के ये तीन नेता

इंफाल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में तीन बीजेपी नेता कांग्रेस में शामिल हो गए, जिसमें दो बीजेपी के पूर्व विधायक भी शामिल हैं। यह जानकारी मंगलवार को कांग्रेस ने अपने एक बयान के जरिए दी। बयान में कहा गया है कि पूर्व बीजेपी विधायक वाई। सुरचंद्र सिंह, एल। राधाकिशोर सिंह और पार्टी नेता उत्तमकुमार निंगथौजम दिल्ली के एआईसीसी मुख्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस में शामिल हो गए। मणिपुर के एआईसीसी इन-चार्ज सप्तगिरि शंकर उलाका और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मेघचंद्र सिंह की उपस्थिति में पार्टी में तीनों बीजेपी विधायकों का स्वागत किया गया। कांग्रेस पार्टी ने अपने बयान में बताया कि नेताओं का बीजेपी छोड़ने का एकमात्र कारण था कि बीजेपी ने मणिपुर संकट को ठीक तरह से नहीं संभाला। बयान में कहा गया कि उनका मानना है कि केवल कांग्रेस पार्टी ही मणिपुर राज्य में शांति, स्थिरता और सभी के लिए एक समान कानून और शासन प्रदान कर सकती है। बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले नेताओं में पहला नाम सुरचंद्र का है।

सुरचंद्र काकचिंग विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं। कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में 2017 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने विपक्षी नेता को 630 मतों से हराकर जीत दर्ज की थी। चुनाव के बाद हाई कोर्ट ने विधायक सुरचंद्र सिंह का निर्वाचन रद्द कर दिया था, क्योंकि उन्होंने चुनावी हलफनामे में अपनी संपत्ति और देनदारियों का सही विवरण नहीं दिया था। हालांकि बाद में उन्हें विधायक के रूप में मान्यता मिली थी, जिसके बाद वह बीजेपी में शामिल हो गए थे, जबकि राधाकिशोर ओइनम विधानसभा क्षेत्र के विधायक थे।

मणिपुर के एआईसीसी इन-चार्ज सप्तगिरि शंकर उलाका ने कहा कि तीनों नेताओं के शामिल होने से मणिपुर में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। बयान में आगे कहा गया कि वे पार्टी में अपना बहुमूल्य राजनीतिक और पेशेवर अनुभव लेकर आए हैं।

# भारत के खिलाफ जिहाद छेड़ने की साजिश

## आतंकी संगठनों से मदद, पांच राज्यों में 21 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों से जुड़े एक आतंकी साजिश के मामले में पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में छापेमारी की है। यह मामला भारत के खिलाफ जिहाद छेड़ने की साजिश से जुड़ा है। आरोपियों द्वारा अपने मकसद में कामयाबी के लिए पाकिस्तान/सीरिया के आतंकी संगठनों से मदद ली जा रही थी। पांच राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के 21 ठिकानों पर की गई छापेमारी में मोबाइल फोन सहित कई डिजिटल उपकरणों के अलावा आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। एनआईए ने सोमवार को यह छापेमारी की थी। इसमें बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु सहित और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भी शामिल रहा। एनआईए, जिसने इस साल जून में तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में कयार पुलिस से यह मामला अपने हाथ में लिया था, ने पुख्ता सबूतों के आधार पर उक्त छापेमारी की है। यह मामला अखलाथुर उर्फ मोहम्मद अखलाक मुजाहिद नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी से शुरू हुआ, जिसने कथित तौर पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अन्य लोगों के साथ मिलकर साजिश रची थी।

एनआईए के मुताबिक, इस साजिश का उद्देश्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ जिहाद छेड़ने के लिए लोगों को एकत्रित करना था। इतना ही नहीं, आरोपियों ने भौतिक सहायता जुटाने की रणनीति भी बनाई। एनआईए की जांच के अनुसार, आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से इन आतंकवादी संगठनों के संपर्क में था। इसके अलावा, उसके पाकिस्तान और सीरिया में कई संस्थाओं से संबंध होने का भी पता चला है।

# इंदौर के गोल्डन स्कूल में बम की सूचना

## क्लासेस के बीच में स्कूल खाली कराया पुलिस को तीन घंटे बाद सूचना दी

इंदौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के गोल्डन स्कूल में मंगलवार को बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। स्कूल को ये सूचना ईमेल के जरिए मिली है। मेल में लिखा है- आपके स्कूल में बम प्लांट किया गया है, जो कभी भी फट सकता है। मेल चेक करने के बाद प्रबंधन ने क्लासेस के बीच में ही बच्चों को स्कूल बस से घर भिजवा दिया।

जोन 1 एडिशनल डीसीपी आलोक शर्मा के मुताबिक, नयनतारा आउटलुक नाम से रात 3 बजकर 18 मिनट पर एक मेल आया था। स्कूल प्रबंधन ने सुबह 7 बजे मेल देखा। इसके तीन घंटे बाद करीब 10 बजे बाद पुलिस को सूचना की गई। राउ पुलिस टीम डॉग स्क्वाड के साथ केंट रोड स्थित स्कूल पहुंची है। पुलिस के वरिष्ठ अफसर भी मौके पर हैं। सर्चिंग की जा रही है। फिलहाल पेरेंट्स को सूचना नहीं दी गई है। इंदौर में दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

इसके बाद दोनों स्कूलों में बच्चों की छुट्टी कर बिल्डिंग खाली करा ली गई। जानकारी के अनुसार, इंदौर के खंडवा रोड स्थित एनडीपीएस और राऊ स्थित आईपीएस स्कूल को मंगलवार सुबह 5.59 बजे बम से उड़ाने की धमकी मिली।

### कान में फूंक मार कर दिया लंगड़ा, गुजरात पुलिस की करतूत कैमरे में कैद

अहमदाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिसकर्मी हवालात से निकल रहे आरोपी के कान में कुछ कहते नज़र आ रहा है। इसके बाद आरोपी युवक लंगड़ाकर चलने लगता है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद पुलिस की इस नाटकीय हरकत पर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं, लेकिन साथ ही साथ कई लोग इस पर गंभीर सवाल भी उठा रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में एक आरोपी को कई सारे पुलिसकर्मी पकड़ कर बाहर लाते हुए नजर आ रहे है। एक पुलिसकर्मी आरोपी के पास आता है और चुपचाप उसके कान में कुछ कहता है। पुलिसकर्मी के कुछ कहने के तुरंत बाद आरोपी युवक लंगड़ाकर चलने लगता है। मानो की उसको बहुत पीटा गया है, जो वह सही से चल भी नहीं पा रहा है।

# मालेगांव ब्लास्ट केस में पीड़ितों ने किया हाईकोर्ट का रुख, प्रज्ञा ठाकुर सहित सात हुए थे बरी

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मालेगांव ब्लास्ट केस 2008 के पीड़ित परिवारों ने मंगलवार (9 सितंबर) को स्पेशल कोर्ट के फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। 31 जुलाई 2025 को स्पेशल कोर्ट ने बीजेपी नेता प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित और पांच अन्य को बरी कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ अब पीड़ित परिवारों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

निसार अहम सैय्यद बिलाल और पांच अन्य ने वकील मतीन शेख के जरिए अपील दाखिल की और हाई कोर्ट से स्पेशल कोर्ट के फैसले को रद्द करने की अपील की है। 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल में विस्फोट हो गया था। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 लोग घायल हुए थे। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि स्पेशल एनआईए कोर्ट का सातों आरोपियों को बरी करने का फैसला कानूनी दृष्टि से गलत है इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

स्पेशल कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि सिर्फ शक वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता और दोषसिद्धि के लिए कोई ठोस या विश्वसनीय सबूत नहीं है। फैसले में कहा गया था कि आरोपियों के खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है, जिससे मामले को संदेह से परे साबित किया जा सके। प्रज्ञा ठाकुर और कर्नल पुरोहित के अलावा मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय रहीरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी को कोर्ट ने बरी करने का फैसला सुनाया था। आरोपियों में शामिल रहीं प्रज्ञा ठाकुर ने यह दावा किया था कि उन्हें जांच एजेंसियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लेने के लिए मजबूर किया गया था।

साध्वी प्रज्ञा ने एक बयान में कहा था, हां, मुझे मजबूर किया गया था। मैं दबाव में नहीं आई और मैंने किसी का नाम नहीं लिया, किसी को झूठा नहीं फंसाया। इसलिए, मुझे बहुत प्रताड़ित किया गया। 17 साल तक अपमान और यातना का सामना करना पड़ा।

# फरिश्ते बनकर आए वर्दी वाले, जान पर खेल ऐसे बचाई 7 लोगों की जान

फरीदाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। फरीदाबाद में सूरजकुंड रोड स्थित ग्रीन फील्ड कॉलोनी की चार मंजिला इमारत में पहली मंजिल पर रहने वाले पड़ोसी के एसी में आग लगने से दूसरी मंजिल पर रहने वाले तीन लोगों की जान चली गई। धुएं के कारण तीनों की दम घुटने से मौत हुई। आग की सूचना पाकर अपने साथी पुलिस कर्मियों एएसआई राजीव, कॉन्स्टेबल रणधीर, प्रवीन के साथ मौके पर पहुंचे एएसआई कृपाराम सचिन के परिवार को तो नहीं बचा पाए लेकिन, उन्होंने चौथी मंजिल पर रहने वाले रजत गोयल के सात सदस्यों को छत के रास्ते बाहर निकाला। वहीं, बाद में सूरजकुंड थाना प्रभारी प्रहलाद भी मौके पर पहुंच गए।

सचिन के पड़ोस में रहने वाले विमलेश ने बताया कि चौकी की पूरी टीम छत के रास्ते बिल्डिंग में घुस गई। कहा अगर थोड़ी सी देरी होती तो जान-माल की हानि और अधिक हो सकती थी। एक और पड़ोसी केदार सिंह ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने अपने जान की परवाह नहीं की। एएसआई कृपाराम ने बताया कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि उनके बिल्डिंग में घुसने से पहले ही सचिन और उनकी बेटी व पत्नी दम तोड़ चुके थे। ग्रीन फील्ड कॉलोनी के बी ब्लॉक की चार मंजिला इमारत में शेयर मार्केट ट्रेडिंग कारोबारी सचिन कपूर (52) अपनी पत्नी रिंकू (43), बेटी सुजैन (13) और बेटे आर्यन (24) के साथ दूसरी मंजिल पर रहते थे। राकेश मलिक, पत्नी रितु मलिक, बेटा दिव्यांश और बेटी जाह्नवी इसी बिल्डिंग में पहली मंजिल पर रहते हैं।

# दिल्ली के सीएम सचिवालय और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम की धमकी भरे ईमेल भेजे जाने के बाद मंगलवार को सुरक्षा एजेंसियों ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। धमकी मिलने के बाद डॉग स्क्वायड और पुलिस कर्मियों ने सीएम सचिवालय की जांच शुरू की। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, धमकी के संबंध में एक अलग कॉल भी प्राप्त हुई थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर कई दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने बताया, धमकी भरे ईमेल में एमएएमसी और मुख्यमंत्री सचिवालय दोनों में संभावित विस्फोट का उल्लेख था। मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत तत्काल और समन्वित कार्रवाई की गई और दोनों जगहों पर बम खोज और निपटान टीमों (बीडीडीटी) को तैनात किया गया।

पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने एक बयान में कहा, अतिरिक्त डीसीपी (मध्य), एसीपी कमला मार्केट और एसएचओ आईपी एस्टेट सहित वरिष्ठ अधिकारी सचिवालय में तोड़फोड़-रोधी जांच की निगरानी के लिए मौजूद थे। एमएएमसी में, आईपी एस्टेट थाने के अतिरिक्त यातायात अधिकारी (एटीओ) इस अभ्यास की निगरानी कर रहे थे।

दोनों स्थानों पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। घबराने की कोई बात नहीं है। पुलिस ने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), यातायात पुलिस और विशेष प्रकोष्ठ को भी सूचित कर दिया गया है और वे प्रतिक्रिया में सहायता कर रहे हैं। सभी सुरक्षा अभ्यास पूरी तत्परता से किए जा रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे धमकी भरे ईमेल, भले ही बाद में फर्जी साबित हों, उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह घटना हाल के महीनों में कई स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को मिले फर्जी धमकी भरे ईमेल की बाढ़ के बाद हुई है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी है।

# ईडी ने 100 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की

## रियल एस्टेट कारोबारी अनिल मिठास पर बड़ी कार्रवाई

नोएडा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नोएडा में रियल एस्टेट क्षेत्र में सक्रिय उन्नति फॉर्च्यून ग्रुप के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल मिठास के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। मनी लांड्रिंग के मामले में ईडी ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। ईडी ने पूरी तैयारी के साथ यह कार्रवाई की है।

ईडी की जांच में सामने आया है कि इस प्रोजेक्ट में घर खरीदारों, निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से प्राप्त भारी-भरकम रकम का गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। ईडी की जांच में पता चला कि मेसर्स उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड और इसके निदेशकों पर आरोप है कि उन्होंने परियोजना में निवेश किए गए फंड्स को इधर-उधर घुमाया गया। परियोजना को अधूरा छोड़ दिया। इससे हजारों खरीदारों को भारी नुकसान हुआ। अब तक इस मामले में कुल 126 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी है। ताजा कार्रवाई में अनिल मिठास से जुड़ी एचयूएफ की संपत्तियों को भी शामिल किया गया है। बता दें कि अनिल मिठास का उन्नति फॉर्च्यून ग्रुप नोएडा और एनसीआर क्षेत्र में रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और आईटी सेक्टर में सक्रिय है। यह पहली बार नहीं है

जब अनिल मिठास कानूनी शिकंजे में फंसा है। वर्ष 2018 में यूपी रेरा के आदेशों की अवहेलना के चलते भी उसको गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा ग्रुप की सहयोगी कंपनियों जैसे कि आईवीआर प्राइम आईटी सेज पर भी मनी लांड्रिंग के संकट के बादल मंडरा रहे है।

# दो पत्नियों के साथ मिलकर बेचता था हेरोइन

## घर से सवा किलो हेरोइन और सवा लाख की ड्रग मनी बरामद

खडूर साहिब, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सीआईए स्टाफ तरनतारन पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर सीमावर्ती गांव भाई लधू में छापा मारा। पुलिस को सवा दो किलो हेरोइन और एक लाख 25 हजार ड्रग मनी बरामद हुई है। मौके से दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया जिन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जिला पुलिस प्रमुख दीपक पारीक ने बताया कि एसपी (आई) रिपुतपन सिंह, डीएसपी (आई) सुखबीर सिंह, सीआईए स्टाफ प्रमुख प्रभजीत सिंह पर आधारित गठित टीम को खुफिया सूचना मिली थी कि सीमावर्ती गांव भाई लधू निवासी हरप्रीत सिंह लंबे समय से पाकिस्तान के संपर्क में है और बड़े पैमाने पर ड्रोन के जरिए हेरोइन की खेप मंगवाता आ रहा है। नशा तस्कर हरप्रीत सिंह ने दो शादियां की हैं और उसकी दोनों पत्नियां बलजिंदर कौर और मनप्रीत कौर भी इस धंधे में शामिल हैं।

नशा तस्कर हरप्रीत सिंह अपनी दोनों पत्नियों की मदद से अलग-अलग जगहों पर हेरोइन की खेप पहुंचाता था ताकि पुलिस को महिलाओं पर शक न हो। मंगलवार को खुफिया सूचना के आधार पर सीआईए स्टाफ की टीम ने हरप्रीत सिंह के घर पर छापा मारा। हालांकि वह मौके पर फरार हो गया, लेकिन उसकी दोनों पत्नियां मनप्रीत कौर और बलजिंदर कौर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

# कौन हैं यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह? जिनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह समेत 15 लोगों के खिलाफ सीजेएम कोर्ट से गिरफ्तार वारंट जारी हुआ है। इस सभी पर आरोप लगा है कि ये लोग एक 15 साल पुराने मामले में कोर्ट में पेश नहीं हो रहे थे। इन सभी के खिलाफ एक पुराने मामले में कोर्ट में पेश न होने की वजह से सभी को वारंट जारी किया है। जिस मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, वो मामला 2015 का है। साल 2015 सितंबर में एक टेंडर को लेकर विवाद हो गया था। तब तत्कालीन मंत्री नारद राय और चेयरमैन साधना गुप्ता के प्रतिनिधि आमने-सामने आ गए थे। दोनों ही जनप्रतिनिधि सपा पार्टी में ही थे। जब विवाद ज्यादा बढ़ गया था तो शहर में प्रदर्शन किया गया था। उस समय जिला प्रशासन ने सेक्शन 144 लागू कर दी थी। 9 सितंबर 2015 को उस समय के पोस्ट इंचार्ज ओक्डेनगंज सत्येंद्र राय ने बीजेपी नेता दयाशंकर सिंह (तब वे एमएलए नहीं थे), सतीश अग्रवाल, दीपक कुमार, सर्वदमन जायसवाल, राजेश गुप्ता, बंटी वर्मा, रामजी गुप्ता, नागेंद्र पांडेय, संतोष सोनी, पप्पू पांडेय, धीरज गुप्त, मनोज गुप्ता, ओमप्रकाश तुरहा समेत 17 के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

**रोड जाम होने पर लोगों को हुई थी दिक्कत**

जिसमें आरोप लगा था कि सभी माल गोदाम चौराहा पर रोड जाम कर दी थी, लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो गई थी। इस मामले में कुछ लोगों ने जमानत करा ली, लेकिन जो लोग कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। उनपर आज इस मामले में सुनवाई हुई है। जिसमें कोर्ट ने कहा है कि पुलिस सभी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करे। इस मामले पर मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं थी।

### हॉस्पिटल की आड़ में बच्चा चोरी का धंधा, डॉक्टर भी शामिल

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के सराय काले खां स्थित आईएसबीटी से लापता हुए 6 महीने के बच्चे को दिल्ली पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के भीतर बचा लिया है। इस दौरान एसआईटी ने बच्चा चोर के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एसआईटी ने लापता हुए 6 महीने के बच्चे को आगरा से बरामद किया। इसके अलावा पांच अन्य बच्चों को अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया। मामले में गिरफ्तार किये गये गिरोह के सदस्यों से पूछताछ में पता चला है कि इस रैकेट का नेटवर्क कई अन्य राज्यों से भी जुड़ा हुआ है। मामले में 22 अगस्त को शिकायतकर्ता सुरेश ने बताया कि वो यूपी के बांदा के रहने वाला है।

# शिप्रा में बही लेडी कॉन्स्टेबल 4 दिन से लापता

## उज्जैन में 130 जवान 40 फीट गहराई तक तलाश रहे; उनकी कार का भी पता नहीं चला

उज्जैन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उज्जैन में शिप्रा नदी में बही कॉन्स्टेबल आरती पाल और उनकी कार का अब तक पता नहीं चला है। एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ, होमगार्ड, पुलिस और मां शिप्रा तैराक दल के 130 सदस्य पिछले 60 घंटे से उन्हें तलाश रहे हैं। सुबह 8 बजे शुरू हुआ सर्चिंग ऑपरेशन अंधेरा होने के कारण शाम 7 बजे रोक दिया गया। मंगलवार सुबह 8 बजे बचाव दल फिर पानी में उतरा। उन्हें तलाशने में सोनार डिटेक्शन उपकरण की भी मदद ली जा रही है। उन्हेल थाने में पदस्थ आरती पाल अपनी कार से शनिवार रात इसी थाने के टीआई अशोक शर्मा और एसआई मदनलाल निनामा के साथ एक नाबालिग के अपहरण केस में जांच के लिए उज्जैन के चिंतामन थाना क्षेत्र जा रही थीं। इस दौरान उनकी तेज रफ्तार कार शिप्रा नदी में गिर गई थी। रविवार को टीआई शर्मा का शव मिला और उनका उसी दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया। जबकि घटना के दो दिन बाद सोमवार शाम एसआई निनामा का शव भैरवगढ़ क्षेत्र में मिला।

### जोगेश्वरी वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर 60- 70 बाइक राइडर्स ने मचाया उत्पात

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर जोगेश्वरी से लेकर महिम तक बाइक राइडर्स ने उत्पात मचाया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में जोगेश्वरी वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर बिना हेलमेट, ट्रिपलिंग, साइलेंसर से तेज आवाज के साथ 60-70 बाइकर्स की यह टोली रेस करते हुए देखी जा सकती है। बाइक रेसिंग के कारण वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर ट्रैफिक जाम भी लग गया, जिससे अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बीएसटी बस के एक यात्री ने बाइक राइडर्स का वीडियो बना लिया और ट्रैफिक पुलिस से ये मांग की है कि पुलिस सीसीटीवी की जांच करके इन बाइकर्स पर कार्रवाई करे। हाईवे पर बाइक रेसिंग करना भारत में मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 (संशोधन 2019) के तहत एक गंभीर अपराध माना जाता है।

# पुलिस अफसरों के सामने हेड कांस्टेबल पर चढ़ा दी स्कूटर

## इंदौर में कई फीट तक घसीटते ले गए युवक; घायल आईसीयू में भर्ती

इंदौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के फूटी कोठी चौराहे पर मंगलवार दरमियानी रात करीब 1 बजे तीन युवकों ने तेज रफ्तार स्कूटर से द्वारकापुरी थाने के हेड कांस्टेबल को टक्कर मार दी। इस दौरान आरोपी युवक हेड कांस्टेबल को कई फीट तक घसीटते हुए ले गए। हादसे में पुलिसकर्मी को सिर में गंभीर चोट आई है और एक पैर में फ्रैक्चर हो गया है। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने जैसे-तैसे युवकों को रोका और घायल पुलिसकर्मी को उठाया।

पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के आदेश पर शहर में ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ सख्त चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। 10 बजे फूटी कोठी चौराहे पर द्वारकापुरी थाने की टीम चेकिंग कर रही थी। इस दौरान जोन-4 के डीसीपी आनंद कल्याडगी,

एडीशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल और एसीपी अन्नपूर्णा शिवेन्द्र जोशी भी मौके पर मौजूद थे। रात करीब 1 बजे तेज रफ्तार स्कूटर पर सवार तीन युवक सात्विक (पुत्र नीतेश अग्रवाल, निवासी आराधना नगर), कार्तिक (पुत्र धर्मेन्द्र कुशवाह, निवासी हुजूरगंज) और सजल (पुत्र मुकेश शाह, निवासी शिक्षक नगर) चेकिंग प्वाइंट से गुजरे। सिपाही नितेश बघेल ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने अपशब्द कहे और स्कूटर भगाने लगे।

हेड कांस्टेबल दिनदयाल उर्फ डीडी शर्मा ने स्कूटर को रोकने की कोशिश की, लेकिन युवक टक्कर मारकर उन्हें घसीटते हुए ले गए। हादसे में शर्मा सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों युवक भी स्कूटर से गिर पड़े, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत पकड़ लिया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 10 सितंबर- 2025

# नेपाल में खूनी क्रांति

नेपाल में शासकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि सोशल मीडिया पर बैन के खिलाफ जेन जी का प्रदर्शन इतना खतरनाक मोड ले लेगा कि नेपाल के ही लहुलूहान कर देगा। नेपाल ही क्या देखा जाए तो आज किसी भी देश के युवाओं में सोशल मीडिया की लत खतरनाक स्तर तक पहुंच चुकी है। नेपाल की घटना अब तो अपने देश के लिए भी एक चेतावनी है क्योंकि, 140 करोड़ के भारत में 100 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट कनेक्शन वाले स्मार्ट फोन हैं। नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन के बाद सोमवार को राजधानी काठमांडू की सड़कों से लेकर संसद तक जो उत्पात मचा, वह खतरे की घंटी से कम नहीं है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 20 युवाओं की मौत हुई और 300 से ज्यादा घायल हैं। प्रदर्शन करने वालों में बड़ी तादाद में स्कूली बच्चे भी शामिल थे। सवाल है कि आखिर बच्चों, किशोरों और युवाओं को नेपाल सरकार के फैसले ने इतना परेशान क्यों कर दिया? देखा जाए तो भारत की करीब 140 करोड़ की आबादी में 27.2 प्रतिशत 15 साल से 29 साल के युवा हैं। इनमें से अधिकांश की स्मार्ट फोन के जरिए बेलगाम सोशल मीडिया तक पहुंच है। नेपाल के किशोर-युवा आंदोलन की जिस जेनरेशन जी या जेन जी ने अगुवाई की है, वह उन्हें कहा जाता है, जो मोटे तौर पर 1997 के बाद और 2012 से पहले पैदा हुए हैं। भारत में युवाओं-किशोरों की सोशल मीडिया की वजह से ही खौफनाक मौत के कई उदाहरण हैं। इसी साल जनवरी में छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में 19 साल की एक युवती अंकुर नाथ ने इंस्टाग्राम पर लाइव रहते हुए खुदकुशी कर ली, क्योंकि 'प्यार में उसका दिल तोड़ दिया' गया था। इस हृदयविदारक घटना को उसके 21 फॉलोअर्स ने लाइव देखा। इसी साल अप्रैल में मिशा अग्रवाल नाम की एक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ने अपने 25वें जन्मदिन से दो दिन पहले इस वजह से खुदकुशी कर ली, क्योंकि इंस्टाग्राम पर उसके फॉलोअर्स घट गए थे। जब उसकी मौत हुई तब इंस्टाग्राम पर उसके 3.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। उसे 1 मिलियन फॉलोअर्स का अपना सपना टूटता दिखा तो उसने जान दे दी। उज्जैन के 16 साल के प्रांशु नाम के एक किशोर आर्टिस्ट ने नवंबर 2023 में मौत को गले लगा लिया, क्योंकि वह सोशल मीडिया पर अपने लिए अभद्र टिप्पणियों को नहीं झेल पाया। अप्रैल 2024 में चेन्नई में 8 महीने का एक मासूम बहुमंजिला इमारत परिसर में एक टिन शेड पर गिर गया। उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। विदेशियों ने भी इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर उस मासूम की मां को निशाना बनाया। भद्दी-भद्दी टिप्पणियां की गईं। कुछ दिनों बाद महिला परेशान हालत में कोयंबटूर अपने माता-पिता के घर चली गई। बच्चा तो बच गया, लेकिन वह महिला इतनी आहत हुई कि आत्महत्या कर ली। ये चंद घटनाएं मात्र एक झलक भर हैं कि सोशल मीडिया के जरिए किस तरह का पागलपन लोगों पर सवार है। सोशल मीडिया पर रोजाना ऐसे वीडियो देखने को मिलते हैं, जिसमें किशोर और युवा जान जोखिम में डालकर रील बनाते हैं। कोई ट्रेन की पटरियों के बीच में लेटकर ट्रेन गुजरने का वीडियो बनाता है तो कोई हाईवे पर खतरनाक स्टंट करता है। कई बार ये लोग दूसरों की जान के लिए भी आफत बन जाते हैं। ट्राई के मुताबिक भारत में इंटरनेट कनेक्शन के साथ स्मार्ट फोन की संख्या 100 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। शहरी इलाकों में स्मार्ट फोन का घनत्व आबादी के मुकाबले 128 फीसदी है तो ग्रामीण भारत में भी इसकी पहुंच गांव-गांव तक है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्या सोशल मीडिया की वजह से हम बारूद की ढेर पर बैठे हैं? कम उम्र की लड़कियां, बहुत ज्यादा सोशल मीडिया के इस्तेमाल की वजह से मनोवैज्ञानिक दबाव से गुजर रही हैं। जो चीज एक मनोरंजन और दोस्तों-रिश्तेदारों से जुड़ने के एक आसान माध्यम के रूप में शुरू होती है, वह धीरे-धरे लत, डिप्रेशन, आत्मघाती विचारों और गंदे बर्ताव में तब्दील होती जा रही है।

# पड़ोसी देश नेपाल से श्रीलंका तक बवाल ही बवाल

अशोक भाटिया

पिछले चार सालों में भारत के कई पड़ोसी देशों में घरेलू कारणों से उभरे आंदोलनों ने न सिर्फ सत्ता परिवर्तन को जन्म दिया बल्कि दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी सवाल खड़े कर दिए। नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार की सड़कों पर उतरी भीड़ ने यह साबित कर दिया है कि इन देशों में राजनीतिक और सामाजिक असंतोष अपने चरम पर है।

पहले बात करें नेपाल की ।वहां सोमवार को बीते कल के भारत का छोटा भाई और आज चतुर चीन व मक्कार अमेरिका की गोद में झूल रहा नेपाल सुलग उठा। गुस्साई भीड़ नेपाली संसद में घुस पड़ी। ठीक उसी स्टाइल में जैसे कुछ समय पहले बांग्लादेश में बेकाबू भीड़ ने किया था। नेपाल की संसद के भीतर पहुंची भीड़ ने जमकर तोड़फोड़, आगजनी-पथराव किया।संसद और सरकार की इज्जत बचाने की कोशिश में नेपाली पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में 21 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इन मौतों ने पहले से ही गुस्साई भीड़ के लिए आग में घी का काम कर डाला। पहले से ही उग्र भीड़ के गुस्से का 'उग्रतम' रूप और भयावह हो उठा। कुल जमा खबर लिखे जाने तक नेपाल का ससंद भवन भीड़ और पुलिस व नेपाली सुरक्षाकर्मियों की भीड़ से घिरा हुआ है। कहा जा रहा है कि गुस्साई भीड़ में लाखों की तादाद में युवा शामिल हैं। जिनकी उम्र 18 से 35 साल रही है। आखिर युवाओं की ही भीड़ इस कदर गुस्से में क्यों? इसके पीछे नेपाल प्रशासन और वहां की सरकार की दलील है कि, "कुछ समय पहले नेपाली हुकूमत ने देश में 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पाबंद कर दिए। जैसे कि यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स (पहले ट्विटर) आदि-आदि। इसी से युवाओं की भीड़ विरोध में सड़कों पर उतर आई।" चलिए नेपाल सरकार की यह दलील मान ली जाए तो सवाल पैदा होना लाजिमी है कि, आखिर इन गुस्साए युवाओं की भीड़ हाथों में "भ्रष्ट नेपाल सरकार को हटाओ, प्रधानमंत्री ओपी शर्मा ओली महाभ्रष्ट है" की तख्तियां और बैनर क्यों थे? सरकार का तो ताल ठोंककर दावेदारी कर रही है कि, नेपाल के युवाओं की भीड़ सरकार द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के पाबंद किए जाने से नाराज है। तब फिर सरकार और नेपाली प्रधानमंत्री ओपी शर्मा ओली के भ्रष्ट होने का मुद्दा कैसे इस बवाल में बुरी तरह से उछाल कर 'जलाया-झोंका-फूंका' जा रहा है जो गृह मत्री रमेश लेखक के इस्तीफे व सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स से पाबन्दी हटाने से शांत नहीं हो रहा है ।

भारतीय थलसेना के "कोर ऑफ इंजीनियर्स" से रिटायर जेएस सोढ़ी एनडीए, खड़कवासला और आईआईटी कानपुर के काबिल स्टूडेंट्स में शुमार रहे हैं। ले। कर्नल जे एस सोढ़ी कहते हैं कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है उस पर भारत को हैरान होने की नहीं, इस सब बवाल से हमें सतर्क-चौकन्ना रहने की जरूरत है। क्योंकि बीते कल में खुद को भारत का छोटा भाई कहने वाला नेपाल बीते कई साल से अपनी स्वार्थ-पूर्ति के लिए पाकिस्तान की तरह ही चतुर चीन और मक्कार अमेरिका की गोद में बैठकर झूल रहा है। अब नेपाल को अपना छोटा भाई समझने की गलती भारत न कर बैठे। हालांकि, हिंदुस्तानी हुकूमत नेपाल के इस बदले हुए रुख को काफी पहले से ताड़े-भांपे बैठा है।

कान का कच्चा और आंख के अंधे जिस नेपाल को भारत, चीन और अमेरिका की विश्वसनीयता में अंतर कर पाने का ही माद्दा बाकी न बचा हो। तब फिर नेपाल में कोई भी बवाल होने वाला है या क्या बवाल कब होने वाला है? यह जानकारी तो नेपाल अपने मतलबपरस्त मक्कार दोस्त अमेरिका और चतुर चीन से मांगे न। चीन और अमेरिका की खुफिया एजेंसियां बताएं नेपाल को, या नेपाल पूछे उनसे कि, नेपाल की संसद पर हमला होने वाला था, और चीन-अमेरिका की एजेंसियों क्यों कहां सोती रहीं? भारतीय एजेंसियां तो नेपाल की मदद तभी करेंगी न जब नेपाल, भारत के दुश्मन देश चीन, और चालबाज अमेरिका की गोद में खेलना बंद करेगा। वरना भारत को क्या पड़ी है कि नेपाल भारत के खिलाफ खेले तो चीन-अमेरिका के हाथों में। और नेपाल कब क्यों कैसे जलने वाला है? यह खबर नेपाल को भारतीय एजेंसियां दें। अंतरराष्ट्रीय वैश्विक, सामरिक, विदेश नीति और कूटनीति में ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि जो देश, किसी देश के साथ मक्कारी करे, वही पीड़ित देश उस मक्कार देश की मदद करे।"

बांग्लादेश की बात करें तो बांग्लादेश में अशांति का माहौल 2022 से ही बनने लगा था, लेकिन मई 2024 में यह गुस्सा चरम पर पहुंच गया। राजधानी ढाका और अन्य शहरों में शेख हसीना सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि अवामी लीग और उसकी छात्र इकाई पर प्रतिबंध लगाया जाए। आरोप था कि पार्टी लंबे समय से सत्ता पर काबिज रहकर विपक्ष को कमजोर कर रही है और छात्र संगठन हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। सरकार के प्रयासों के बावजूद विरोध थमा नहीं और आखिरकार अगस्त 2024 में शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा। शेख हसीना के खिलाफ जिन छात्रों ने विरोध प्रदर्शन कर सत्ता परिवर्तन किया था वही आज मौजूदा सरकार के खिलाफ भी खड़े होते दिख रहे हैं। एनसीपी ने बीते दिनों ढाका विश्वविद्यालय के परिसर में विरोध भी किया था साथ ही आरोप लगाया था कि सेना एक साजिश के तहत शेख हसीना की अवामी लीग के लिए चुनाव में फायदा पहुंचाने की कोशिश हो रही है। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार और छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक नाहिद इस्लाम ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह में शामिल कार्यकर्ताओं द्वारा एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने से पहले यह कदम उठाया था। यानि कि विद्रोह आज भी जारी है । बात करे भारत के दुश्मन और परमाणु शक्ति से लैस पाकिस्तान भी पिछले दो सालों में दो बड़े प्रदर्शनों का गवाह बना है। मई 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी ने पूरे पाकिस्तान में आग भड़का दी। लाहौर से लेकर इस्लामाबाद और रावलपिंडी तक उनके समर्थक सड़कों पर उतरे और कई जगहों पर हालात बेकाबू हो गए। सरकारी इमारतों, पुलिस चौकियों और यहां तक कि सेना के प्रतिष्ठानों पर भी हमले हुए। कई शहरों में कर्फ्यू जैसी स्थिति बनी और इंटरनेट सर्विसेज पूरी तरह से बंद कर दी गईं।विशेषज्ञों की मानें तो यह पाकिस्तान के इतिहास में उन असाधारण मौकों में से एक था जब जनता का गुस्सा सीधे सेना की ओर मुड़ा। इन प्रदर्शनों ने यह संकेत दिया कि पाकिस्तान की राजनीति और सत्ता पर कितना बड़ा संकट है। प्रदर्शन उस समय हुए जब इमरान के सत्ता से हटने के करीब एक साल बाद तोशाखान मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इमरान अभी तक जेल में बंद हैं। इस प्रदर्शन में जहां 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई तो वहीं हजारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

हॉल ही में पाकिस्तान का बलूचिस्तान बेहद अशांति है। यहां हाल के समय में पाकिस्तान विरोधी हिंसा के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है। पिछले दिनों बलूचिस्तान में दो विभिन्न मामलों में बलूच बंदूकधारियों ने करीब 40 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान में पिछला अगस्त का महीने पिछले 6 साल का सबसे घातक महीना रहा है। अगस्त महीने में सबसे ज्यादा हिंसा के मामले आए हैं।पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज के अनुसार अगस्त के महीने में पाकिस्तान में सरकार विरोधी हिंसा के मामलों में खतरनाक ढंग से बढ़ोतरी हुई है।

इस कारण यह पिछले 6 साल का सबसे ज्यादा अशांत महीना बन गया है। अगस्त में बलूचिस्तान में सबसे अधिक मौतें होने के मामले सामने आए हैं।पीआईसीएसएस की जारी रिपोर्ट के अनुसार केवल अगस्त के महीने में हिंसा की घटनाओं में पाकिस्तान में कम से कम 254 लोग मारे गए।

# संगठित होना फिर कब सीखेगी कांग्रेस ?

ऋतुपर्ण दवे

कांग्रेस में अंर्तकलह है कि खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। बावजूद इसके राहुल गांधी संगठन के लिए रात-दिन एक किए हुए हैं। इससे राहुल की छवि यकीनन बदली है। उन्हें गंभीरता से लिया जाना बताता है कि कांग्रेस के बुरे दिन जरूर हैं लेकिन पार्टी में नया जोश भरने में वो पीछे नहीं है। लेकिन, क्या संगठन में मौजूद तमाम वरिष्ठ और जिम्मेदार भी यह समझेंगे? राहुल पार्टी का सम्मानजनक आधार बनाने और समर्थक दलों से एकजुटता खातिर रात-दिन एक कर रहे हैं। उनकी तमाम यात्राएं या अभी बिहार में सक्रियता सामने है। लेकिन संगठन और कार्यकर्ता इसे क्यों नहीं समझ पा रहे?

अभी मध्यप्रदेश में पांच बरस पहले सत्ता से बेदखल हुई कांग्रेस में संगठन की हुई नई-नई सर्जरी बाद जो घमासान मचा, वह नया नहीं था, अलबत्ता टाइमिंग गलत रही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 71 जिला अध्यक्षों की सूची जारी की। 21 को फिर जिम्मेदारी और 50 नए चेहरे लिए। 3 पूर्व मंत्री, 6 मौजूदा और 11 पूर्व विधायक सहित 4 महिलाओं, 12 ओबीसी, 10 एसटी, 8 एससी और तीन अल्पसंख्यकों को जिलों की कमान सौंपी गई। इस पर तर्क-वितर्क, विरोध भी शुरू हो गया। पटवारी ने मान-मनव्वल किया। सोशल मीडिया पर लिखा कि सबके सर्वश्रेष्ठ योगदान से ही सशक्त संगठन मप्र कांग्रेस की पहचान बनेगा। वंचित रहे साथियों को जल्द नई जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं बिना देरी सभी नव नियुक्त गुरुमंत्र देने के नाम पर दिल्ली तलब किए गए। कैडर प्रबंधन के टिप्स 9-ए, कोटला रोड स्थित नए कांग्रेस दफ्तर में दिए गए। राहुल लगभग एक घण्टा बोले और साफ कर दिया कि अगले 6 महीनों तक तक कोई नहीं बदलेगा। सबका काम देखेंगे।

नव नियुक्त दिल्ली से लौटे नहीं कि मध्यप्रदेश के दो दिग्गजों की सोशल मीडिया जंग ने नया रंग ले लिया। पुराने जख्म कुरेदे जाने लगे। मार्च-2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में जाने से मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार गिरी थी। जबकि 2018 में विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल की हर रैली के दाएं-बाएं कमलनाथ और सिंधिया ही दिखते थे। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि सिंधिया को लगता था कि सरकार दिग्विजय सिंह चला रहे हैं। इसी नाराजगी से कांग्रेसी विधायकों को तोड़ सरकार गिरा दी गई। वहीं दिग्विजय सिंह, कमलनाथ-सिंधिया के बीच ग्वालियर-चंबल मुद्दों पर सहमति न बन पाना सरकार गिरने की वजह बताते हैं। सच जो भी हो वही जानें। लेकिन संदेश अच्छा नहीं गया। उधर 2020 और उसके बाद कांग्रेस सरकार गिरने के बाद हुए कई स्थानीय निकायों या ऐसे दूसरे चुनावों में साफ बहुमत के बावजूद कांग्रेस को जगह-जगह क्यों शिकस्त मिली? इसका जवाब न तो किसी कांग्रेसी के था न ही वो फॉर्मूला जिसने जीतकर भी बैकफुट पर पहुंचाये। समझकर, जानकर भी ऐसे जनप्रतिनिधि ढ़ोना मजबूरी बनीं। हालाकि कई मौका देखते ही पार्टी से दगा कर गए। आलाकमान की इस पर चिंता जरूर समझ आती है।

इंदिरा जी के कार्यकाल में और उनके बाद भी बगावत दिखती थी। लेकिन हर बार पार्टी बिखरती, उबरती, टूटती और फिर जुटती-जुड़ती रही। लेकिन ये क्या, 2014 के बाद संगठन में बिखराव और दिग्गजों का जो रूठना-टूटना शुरू हुआ, रुक नहीं रहा है। लगता नहीं कि संगठन में अनुशासन की पाठशाला के जो शिक्षक हैं वो या तो ट्रेन्ड नहीं है या वक्त बिता रहे हैं? सोचिए भला उस प्रदेश में जिसके लिए चंद घण्टे पहले अनुशासन की इबारत और संगठन की लंबी क्लास चली, वहीं पलक झपकते दिग्गज ही सब कुछ भुला दें? एक ही पार्टी के दो पूर्व मुख्यमंत्री बाहें चढ़ा मैदान में वाकयुध्द की तलवार भांजते नजर आएं! हिमाचल और कर्नाटक में भी जो खींचतान और तल्खी दिखती है वह जगजाहिर है। अन्य प्रदेशों में भी संगठन का कमोवेश यही हाल है।

पार्टी शुध्दिकरण की नीयत से राहुल का वो बयान काबिल-ए-तारीफ है जिसमें उन्होंने रेस के घोड़ों को बारात में और बारात के घोड़ों को रेस में दौड़ाने जैसी बात कहकर संगठन पर ही उंगली उठा बड़े बदलाव का संकेत दिया था। संगठन के शुध्दिकरण खातिर संदिग्धों की बर्खास्तगी की चेतावनी के भी मायने गहरे हैं। इस बीच कई राज्यों से ऐसे उदाहरण आए जहां स्थानीय निकायों में कांग्रेस ने बहुत बेहतर किया। ज्यादा पार्षद जीते फिर भी अध्यक्ष या मेयर बनाने में कांग्रेस गच्चा खा गई। कांग्रेस के चिन्ह पर चुनाव जीतकर भाजपा में शामिल होने वाले मौकापरस्तों की फेहरिस्त भी बढ़ती चली गई। दलबदल का ट्रेन्ड और भाजपा के खुले दरवाजे की चोट सबसे ज्यादा कांग्रेस को मिली है। राहुल ने शायद यही सब देखा, समझा और कहना चाहा हो?

लेकिन, जिस तरह राहुल चुनावी राज्यों में भाजपा पर आक्रामक दिखते हैं, अपनी बात कहते हैं उससे माहौल बनता तो दिखता है। लेकिन जब नतीजे आते हैं तो कांग्रेस पहले से भी बुरी स्थिति में पहुंच जाती है। शायद राहुल भितरघातियों की करतूतें समझते हों? महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली विधानसभा के नतीजों के बाद जबरदस्त बैकफुट पर होने के बावजूद पहले गुजरात दौरा और अब बिहार में पसीना बहाना बताता है कि वो पार्टी की मजबूती खातिर कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। राहुल की सक्रियता से तमाम तुरुपों, दिग्गजों की बेचैनी भी झलकती है। चाहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का समय हो या हालिया कुंभ स्नान या फिर थोड़ा पहले अनुच्छेद 370 को हटाने को लेकर कई कांग्रेसियों के अलग-अलग और तर्क-वितर्क से भरे बयानों ने संगठन खातिर कैसा काम किया, सबके सामने है।

जहां भाजपा खुलकर सनातन की बात कर खुद को दिनों दिन मजबूत करती जा रही है वहीं कांग्रेस में सनातन और धर्म पर विवादास्पद बयानबाजी करते नेता खुद ही संगठन के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। अभी मध्यप्रदेश में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार का बयान पूरे देश में चर्चाओं में है जिसमें वो कहते हैं 'गर्व से कहो हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं,...वो शबरी आदिवासी ही थी जिसने भगवान राम को जूठे बेर खिलाए।' जबकि मध्यप्रदेश क्या देश में तमाम ऐसे तीज-त्योहार हैं जो आदिवासियों के चलते ही विशेष पहचान रखते हैं। दशहरा, होली(फगुआ) जैसे कई त्योहार इसकी मिशाल हैं। हां, परंपरा के नाम पर हर जातियों की अपनी अलग पूजा पध्दति तो पुरातन से है लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि वो गैर हिन्दू हैं?

वास्तव में एक मजबूत विपक्ष, सशक्त देश की जरूरत है। भले ही विपक्ष, सत्ता में जल्द आए, न आए कम से कम खुद तो एक जुट रहे और सहयोगियों से भी यही उम्मीद करे। क्या कांग्रेस अपने पुराने दौर और ठौर में पहुंच पाएगी या फिर राहुल की बेबाकी और भारी पड़ेगी? फिलाहाल देखना होगा कि दशकों से उन्हीं घोड़ों को जोत रेस में दौड़ती कांग्रेस नए घोड़ों से अदला-बदली कर हॉर्स पॉवर का सही मैनेजमेण्ट कर सकेगी? बड़बोले नेताओं के बेतुके जुबानी तीर कब तक निकलते रहेंगे।

# नेपाल का ऑनलाइन लॉकडाउन आज़ादी पर सवाल

प्रियंका सौरभ

ॅनिपाल जैसे छोटे लोकतांत्रिक देश ने हाल ही में ऐसा बड़ा निर्णय लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। सरकार ने 26 सोशल मीडिया और संदेश मंचों पर अचानक रोक लगाने का आदेश दिया। इसमें फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे सबसे लोकप्रिय मंच शामिल हैं। यह फैसला जितना अचानक लिया गया, उतना ही गहरी बहस भी शुरू कर दी कि क्या यह कदम नागरिक अधिकारों पर हमला है या देश की डिजिटल सुरक्षा के लिए जरूरी था।

सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया कंपनियों को पहले ही चेतावनी दी गई थी कि वे नेपाल में अपना स्थानीय कार्यालय खोलें, प्रतिनिधि नियुक्त करें और शिकायत निवारण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। लेकिन कंपनियों ने इसका पालन नहीं किया। सरकार के अनुसार, इस कारण अफवाहें, भ्रामक खबरें और साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे थे। इसे रोकने के लिए ही यह बड़ा कदम उठाया गया।

लेकिन इस फैसले का विरोध भी तेजी से हो रहा है। पत्रकार संगठन, मानवाधिकार समूह और आम नागरिक इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। उनका तर्क है कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह अब नागरिकों की आवाज़ और लोकतंत्र का आधार बन चुका है। जब इतने बड़े स्तर पर मंच बंद कर दिए जाएंगे, तो जनता की संवाद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गहरा असर पड़ेगा।

नेपाल में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके सदस्य विदेशों में काम कर रहे हैं। उनके लिए व्हाट्सएप और फेसबुक ही परिवार से जुड़े रहने का सबसे आसान माध्यम हैं। इस प्रतिबंध से उनकी रोज़मर्रा की जिंदगी कठिन हो जाएगी। यही नहीं, छोटे व्यापारी और ऑनलाइन कारोबार करने वाले लोग भी सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों तक पहुँचते थे। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक पर विज्ञापन देकर वे अपने उत्पाद बेचते थे। अब यह सब प्रभावित होगा।

हजारों सामग्री निर्माता और यूट्यूबर, जो सोशल मीडिया से अपनी रोज़ी-रोटी चला रहे थे, अचानक बेरोज़गार होने की कगार पर पहुँच गए हैं। युवाओं में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि डिजिटल रोजगार पर भी बड़ा झटका है।राजनीतिक दृष्टि से भी यह निर्णय नेपाल सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। विपक्ष इसे तानाशाही कदम मान रहा है। उनका कहना है कि सरकार आलोचना और सवालों से डर रही है, इसलिए उसने सोशल मीडिया पर रोक लगा दी। लोकतंत्र की असली ताकत जनता की आवाज़ में है। जब उस आवाज़ को दबाया जाता है, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नेपाल की छवि प्रभावित होगी। निवेशक और डिजिटल कंपनियाँ यह सोचेंगी कि नेपाल का डिजिटल माहौल स्थिर और सुरक्षित नहीं है। इससे निवेश और साझेदारी पर असर पड़ेगा। पर्यटक भी नाखुश हो सकते हैं, क्योंकि आज यात्रा, संचार और जानकारी का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर आधारित है।

सरकार का तर्क बिल्कुल गलत नहीं है। सोशल मीडिया पर अफवाहें, फर्जी खबरें और साइबर अपराध तेजी से फैल रहे हैं। इससे सामाजिक तनाव और हिंसा भी भड़क सकती है। सरकार को यह हक़ है कि वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कंपनियों को जिम्मेदार बनाए। लेकिन समस्या का हल सीधे मंचों को बंद करना नहीं होना चाहिए।

दुनिया के कई देशों ने सोशल मीडिया कंपनियों पर नियम लागू किए हैं। भारत ने 2021 में नए सूचना प्रौद्योगिकी नियम बनाए, जिनमें कंपनियों को शिकायत अधिकारी नियुक्त करना और सामग्री पर तुरंत कार्रवाई करना अनिवार्य किया गया। यूरोपियन संघ ने भी डिजिटल सेवा कानून लागू किया। लेकिन कहीं भी इस तरह का पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया। नेपाल का कदम इसलिए कठोर और जल्दबाज़ी भरा लगता है।

समाधान यही है कि सरकार कंपनियों से बातचीत करे, उन पर जुर्माना लगाए और नियमों का पालन करने के लिए दबाव बनाए। जनता की आवाज़ को पूरी तरह रोकना सही तरीका नहीं है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है बल्कि जनता और सरकार के बीच अविश्वास भी बढ़ाएगा।

भविष्य में नेपाल को संतुलन की राह चुननी होगी। उसे समझना होगा कि सोशल मीडिया अब केवल तकनीकी साधन नहीं है, बल्कि लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। इसे बंद करना लोगों की स्वतंत्रता और संवाद दोनों पर चोट है। बेहतर होगा कि सरकार कंपनियों को सख्त नियमों के दायरे में रखे, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुरक्षित भी रहे। लोकतंत्र की असली ताकत जनता का भरोसा है। यह भरोसा तभी बनता है जब सरकार जनता से संवाद करेगी, न कि उसकी आवाज़ को दबाएगी।

नेपाल को चाहिए कि वह अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करे और ऐसा रास्ता अपनाए जिससे कानून का पालन भी हो और नागरिकों की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। यही सही लोकतांत्रिक समाधान है।

# जीवन की रक्षा में संवाद ही सबसे बड़ा हथियार

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

# जहाँ धोखा भी 'सर्टिफाइड' है !

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक लड़की को पटाना, बेटा, कोई आम खेल नहीं। यह तो जिंदगी के अखाड़े में उतरने जैसा है, जहां समझदारों की बाजी लगती है और जोश में आए हर खिलाड़ी का पसीना छूट जाता है। लड़का सोचे, दिल की बात सीधी-सादी कह दूं, लड़की सुनते ही आधा सैद्धांतिक स्कूल खोल देती है और 'क्या-क्या पूछना है' का फार्म जमा करवाती है। फूल लेकर जा, तो मानो सरकारी दस्तावेजों की लंबी सूची के बीच छांटना पड़े कि ये 'पेपर्स' सही हैं या नकली। लड़का जितना भी मशक्कत करे, लड़की की 'फिरकी' ऐसी कि दो तीन बार 'ना' बोले, ताकि लड़के की मेहनत पर हक़ जता सके, फिर चुपके से 'हाँ' भी कह दे, ताकि भ्रम बना रहे कि लड़का कामयाब हुआ। वैवाहिक प्रस्ताव के नाम पर लड़की पुरानी चालें चलती है जैसे कोई जांच अधिकारी टैक्स रिटर्न पर। सवाल यह नहीं है कि दिल चला या नहीं, बल्कि वह यह देखती है कि खर्चा कौन उठाएगा। लड़के की बड़ी-बड़ी उम्मीदें लड़की की 'परफॉर्मेंस रिव्यू' में चुपचाप गुम हो जाती हैं। लड़की के लिए इश्क कोई खेल नहीं, न ही कोई सिनेमा, एक बड़ा 'प्रोजेक्ट' है अपने आप में, जिसमें हर कदम पर रोक-टोक, डबल चेकिंग और को-ऑर्डिनेशन की ज़रूरत होती है। लड़का सोचता है कि कब खत्म होगा ये 'इम्तिहान', पर लड़की की 'पॉलिसी' कहती है, 'चक्की पीसती रहेगी।' प्यार के सुर छेड़ो, तो लड़का कविताओं में खो जाए, मगर लड़की उसे गणित की क्लास में बैठा देती है। उसकी हर मुस्कान के पीछे छिपा होता है सवाल, "अब तक क्या दिया, आगे क्या मिलेगा?" लड़के का इश्क़ कब 'फुल पैकेज' में बदलेगा, यह लड़की का सबसे बड़ा मसला है। डेटिंग ऐसा सरकारी दफ्तर है जहां काम तो करना है, लेकिन नियम और शर्तें रोज बदलती हैं। लड़की के 'ना' में भी गहरी चालाकी रहती है, वह 'पॉलिसी दस्तावेज' की तरह है, जिसे समझना जितना मुश्किल उतना जरूरी। हर दिन लड़का नए-नए आइडियाज़ लेकर आता है, लड़की की प्रतिक्रिया 'फ्लिपकार्ट रिव्यू' की तरह—जहां पाँच सितारे हों या न हों, एक भी नेगेटिव कमेंट उसे नीचे गिरा सकता है। लड़का 'मैं सोचूंगी' पर मुस्कुराता है, लेकिन वह 'सोचना' ऐसा होता है जैसे हार्ड कॉपी के लिए महीनों इंतजार करना। लड़की से दोस्ती का 'नेटवर्क' अलग ही लेवल का ऑफिशियल नेटवर्क है, जो लड़के की 'रिपोर्ट कार्ड' रोजाना अपडेट करता है। दोस्त तय करते हैं लड़का 'सीधा-सादा' है या 'फर्जी'। लड़का चाहे कितना दम दिखाए, 'फील्ड एजेंट्स' हमेशा मध्यम रेटिंग दे देते हैं। लड़की की हँसी में छुपे ताने हर बार 'सर्टिफाइड' टेस्ट जैसा लगते हैं। आख़िर में लड़का, थक-हारा, लड़खड़ाता हुए अपने सारे सपनों के दस्तावेज फाड़ देता है। लड़की आराम से कहती है, "कभी-कभी फेल होना भी ज़रूरी होता है।"

## यूपी टीईटी परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को योगी सरकार ने दी बड़ी राहत

### चयन आयोग ने जारी किया आदेश

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी टीईटी परीक्षा 2026 के लिए अहम निर्देश जारी किए हैं। अगले वर्ष 29 और 30 जनवरी को होने वाली इन परीक्षाओं के दिन के लिए निर्देश दिए गए हैं कि उस तारीख पर कोई और परीक्षा न आयोजित की जाए। उप्र। शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा यूपी टीईटी समेत तीन प्रमुख परीक्षाओं की तिथि पिछले दिनों जारी की गई थी। यूपी टीईटी का आयोजन 29-30 जनवरी 2026 को प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के बाद यह पहली टीईटी परीक्षा होगी। इस क्रम में शासन ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि इन तिथियों को कॉलेजों में कोई परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाए।

## एक्सरे टेक्नीशियन भर्ती में भ्रष्टाचारः मामले की जांच शुरू

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में एक्सरे टेक्नीशियन भर्ती में हुए भ्रष्टाचार में विभाग के सामने भी कई तरह की चुनौतियां हैं। तत्कालीन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और टेक्नीशियन द्वारा लिए गए वेतन की रिकवरी करने में कई तरह की मुश्किलें आएंगी। दूसरी तरफ अंकुर और अंकित नाम से फर्जीवाड़ा करके नौकरी करने वालों की भी जांच शुरू हो गई है। स्वास्थ्य विभाग में अर्पित के नाम से फर्जी दस्तावेज के जरिए नौकरी कर रहे छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। एक-एक एक्सरे टेक्नीशियन ने अब तक करीब साढ़े पांच करोड़ रुपया वेतन के रूप में लिया है।

अब ये सभी फर्जी टेक्नीशियन फरार हो गए हैं। आधार नंबर भी फर्जी होने की आशंका है। ऐसे में फर्जीवाड़ा करने वालों से वेतन रिकवरी करने में भी कई तरह की अड़चनें आने की आशंका है। दूसरी तरफ स्वास्थ्य महानिदेशालय ने सभी जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को यह भी आदेश दिया है कि वर्ष 2016 में चयनित 403 एक्सरे टेक्नीशियन की नए सिरे से सत्यापन कराया जाए।

## पूर्व पार्षद को चाकू मारकर सोने की चेन लूटी

गोपालगंज, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र में देर रात एक पूर्व पार्षद से लूटपाट की घटना सामने आई है। वीएम फील्ड निवासी सुदामा गिरी के बेटे अनिल गिरी थाना चौक के पास से पैदल अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोका और सोने की चेन छीनने का प्रयास किया। अनिल गिरी के विरोध करने पर बदमाशों ने उन्हें चाकू मार दिया। बदमाश चेन लूटकर मौके से फरार हो गए। घायल अनिल ने अपने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। घायल को पहले सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को देखते हुए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।घटना के बाद इलाके में लोगों में डर का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस से सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

## भाभी से परेशान सिपाही ने सुसाइड किया

बिजनौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बिजनौर में जहर खाने वाले 25 साल के सिपाही की इलाज के दौरान मौत हो गई। सिपाही अमित कुमार ने 2 सितंबर को सुसाइड नोट लिखकर सल्फास खा लिया था। हालत बिगड़ने पर उन्होंने मकान मालिक को सूचना दी। इसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिसकर्मी उन्हें निजी अस्पताल ले गए। यहां प्राथमिक इलाज के बाद मेरठ रेफर किया गया। सोमवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। एसपी सिटी संजीव बाजपेई ने बताया कि सिपाही के पास से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। उसमें अमित ने अपनी भाभी और दीप्ति नाम की एक लड़की पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। मामले की जांच की जा रही है।

## संतानहीन दंपतियों को बच्चे बेचता था गिरोह, तस्करी का पर्दाफाश

आगरा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बच्चों की तस्करी में शामिल एक बड़ा अंतरराज्यीय गिरोह आगरा में कई साल से सक्रिय था। दिल्ली पुलिस ने आगरा के फतेहाबाद में नर्सिंग होम संचालक कमलेश कुमार और चार महिलाओं समेत 10 आरोपितों को गिरफ्तार को गिरफ्तार कर इसका पर्दाफाश कर दिया। इनकी निशानदेही पर आसपास के राज्यों में छापेमारी कर छह बच्चों को बरामद किया गया है, जो एक साल से कम उम्र के हैं। यह गिरोह नैनीताल, लखनऊ और फिरोजाबाद में संतानहीन दंपतियों को बच्चे बेचने का काम कर चुका है।

पुलिस के मुताबिक, कमलेश कुमार के केके नर्सिंग होम में अवैध गर्भपात किए जाते थे। वहां आने वाले मेडिकल रिप्रजेंटेटिव (एमआर) सुंदर सिंह ने तीन वर्ष पहले नर्सिंग होम संचालक और उसके नर्सिंग स्टाफ को बच्चों की तस्करी में शामिल कर लिया। कमलेश कुमार इन बच्चों को मामूली कीमत पर खरीदकर निःसंतान दंपतियों को महंगे दाम में बेचता था। गिरोह के सदस्य बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों से बच्चों को अगवा कर मोटी रकम में बेचता था। गिरोह के सदस्य अलग-अलग भी बच्चों की खरीद-बिक्री करते थे।

# बिहार मखाना उद्योग को नई दिशा मिलने की उम्मीद

## जल्द ही कटिहार आ रहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सीमांचल का मखाना अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विदेशों में भी अपनी मजबूत पैठ बना चुका है। ऐसे में मखाना उत्पादकों और व्यापारियों को नई उम्मीद तब जगी है, जब देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कटिहार पहुंचने वाली हैं। वह चंद्रमा चौक स्थित पीयूष डोकानियां के मखाना केंद्र का दौरा करेंगी और स्थानीय मखाना व्यवसायियों व किसानों से सीधी बातचीत करेंगी।

बिहार के कटिहार जिला की धरती अपने अनोखे और स्वादिष्ट मखाने के लिए पूरे देश-विदेश में प्रसिद्ध है। इस पारंपरिक व्यवसाय ने अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पहचान बना ली है। बिहार से बड़े पैमाने पर मखाने की सप्लाई विदेशों तक जाती है, जिससे न केवल किसानों की आमदनी बढ़ी है, बल्कि सीमांचल की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिली है। इसी क्रम में देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कटिहार दौरे पर आ रही हैं।

सूत्रों के अनुसार, वह चंद्रमा चौक स्थित उद्योगपति पीयूष डोकानियां के मखाना केंद्र का दौरा करेंगी और यहां मखाना उत्पादकों व व्यापारियों से मुलाकात करेंगी। वित्त मंत्री का यह दौरा मखाना व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए काफी अहम माना जा रहा है। मखाना उत्पादक और व्यवसायी पीयूष डोकानियां का कहना है कि सीमांचल में कंटेनर डिपो की सख्त जरूरत है।

वर्तमान में तैयार माल को पहले दिल्ली भेजा जाता है और वहां से विदेशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। इस प्रक्रिया में किसानों और व्यापारियों को अतिरिक्त खर्च का सामना करना पड़ता है। अगर सीमांचल में ही कंटेनर डिपो की सुविधा उपलब्ध हो जाए, तो लागत कम होगी और मखाना किसानों को सीधा फायदा मिलेगा। साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सरकार अगर सीमांचल में मखाने के लिए सस्ती दरों पर स्टोरेज फैसिलिटी उपलब्ध कराए, तो यह कदम भी गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

बड़े पैमाने पर मखाना स्टोर कर रखने से निर्यातकों को फायदा होगा और विदेशों में मांग के हिसाब से समय पर सप्लाई सुनिश्चित हो पाएगी। इससे न केवल किसानों और व्यापारियों की आमदनी बढ़ेगी बल्कि सरकार को भी राजस्व के रूप में लाभ होगा।

## प्रशांत किशोर ने इन 6 नेताओं पर जताया भरोसा 243 विधानसभा सीटों के लिए प्लान तैयार

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी 10 से 25 सितंबर तक बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में बिहार बदलाव यात्रा का आयोजन करेगी। पार्टी के चुनाव अभियान समिति के प्रदेश संयोजक सुधीर शर्मा ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य जन सुराज की बदलाव की सोच को जनता तक पहुंचाना, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं को साथ जोड़कर पार्टी का व्यापक जनाधार तैयार करना है।

सुधीर शर्मा ने बताया कि इस आयोजन के लिए बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों को 12 प्रमंडलों में बांटा गया है। इस कार्यक्रम का कार्यभार प्रमंडल संयोजक व सह संयोजक, जिला चुनाव प्रभारी, विधानसभा प्रभारी व विधानसभाओं के संभावित उम्मीदवार अपने अपने स्तर पर संभालेंगे। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए राज्य स्तर पर जिन पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है, उनमें चुनाव अभियान समिति के प्रदेश संयोजक सुधीर शर्मा के साथ ही सह संयोजक उर्मिला कुमारी, सरवर अली, विपिन यादव, प्रीतम सिंह और नरेश मांझी शामिल हैं।

## अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ तीन आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के शाहपुर इलाके में पुलिस ने अवैध हथियार की आपूर्ति करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक हेड कांस्टेबल के नाबालिग बेटे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने मंगलवार को बताया कि शाहपुर इलाके में पुलिस से मुठभेड़ के बाद पकड़े गए आरोपियों प्रणव, अनस और एक नाबालिग लड़के से 10 पिस्टल, 19 कारतूस और एक फोन जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए नाबालिग आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। वह हरिद्वार, सहारनपुर, रुड़की और अन्य जगहों पर नौ आपराधिक मामलों में वांछित है। वह हरिद्वार में तैनात एक हेड कांस्टेबल का बेटा है।

## गठबंधन को लेकर चंद्रशेखर आजाद का बड़ा बयान, बताया- किसके साथ लड़ेंगे चुनाव?

नगीना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आगामी चुनाव को लेकर अभी से सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इन तैयारियों के बीच आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने आगामी चुनाव में गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने हम धोखेबाजों से गठबंधन नहीं करेंगे। चंद्रशेखर आजाद ने एक निजी चैनल से बातचीत के दौरान गठबंधन को लेकर अपनी पार्टी का रुख साफ किया। पत्रकार ने जब उनसे सवाल किया कि क्या आगामी चुनाव में आजाद समाज पार्टी किसी दल के साथ गठबंधन करेगी तो उन्होंने गठबंधन के संकेत दिए लेकिन साथ ही ये भी बताया कि वो किनके साथ जाएंगे। नगीना सांसद ने कहा कि आगामी चुनाव में हम उन्हीं दलों के साथ गठबंधन करेंगे जो हमारे विचारों से मेल खाता होगा लेकिन, धोखेबाजों से दूर रहेंगे। उन्होंने साफ कहा कि हम दोबारा धोखा नहीं खाएंगे। उनकी पार्टी जमीनी स्तर पर चुनाव की तैयारी करने में जुटी है। पार्टी के संगठन को भी मजबूत करने का काम किया जा रहा है।

यूपी में अगले साल पंचायत चुनाव होने हैं और 2027 में विधानसभा चुनाव होंगे। ऐसे में सभी बीजेपी, सपा, कांग्रेस समेत तमाम दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। आजाद समाज पार्टी ने भी इन चुनावों में पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरने का ऐलान किया है। आसपा पंचायत चुनाव में अकेले अपने दम पर लड़ेगी।

# नीतीश कैबिनेट की बैठक में 26 एजेंडों पर लगी मुहर

## शिक्षा, कृषि-आर्थिक विकास पर हुई चर्चा; मंत्री-अधिकारी मीटिंग में रहे मौजूद

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की अहम बैठक हुई। इसमें 26 एजेंडों पर मुहर लग गई है। इस बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आर्थिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक से कई ऐसे बड़े फैसले निकले हैं। जिनका सीधा असर आम जनता के जीवन पर पड़ेगा। मुख्यमंत्री के साथ सभी मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद रहे। पिछली कैबिनेट बैठक में सरकार ने 49 एजेंडों पर मुहर लगाई थी। उस बैठक में चुनावी साल को ध्यान में रखते हुए कई बड़े फैसले लिए गए थे। राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों में 3200 नए पदों को मंजूरी दी थी, जिन पर जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। 30 हजार होमगार्ड जवानों का डेली भत्ता 774 रुपए से बढ़ाकर 1121 रुपए कर दिया गया था। पहले जहां एक महीने में उन्हें 23,220 रुपए मिलते थे, वहीं अब बढ़कर 33,630 रुपए मिलेंगे। ग्राम कचहरी सचिवों का मानदेय भी सरकार ने 6000 रुपए से बढ़ाकर 9000 रुपए कर दिया था। शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा फैसला लेते हुए मैट्रिक के 16 लाख विद्यार्थियों में ओबीसी-ईबीसी छात्रों के लिए 231 करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप राशि मंजूर की गई। एससी-एसटी वर्ग के छात्रों के लिए पहले से ही अलग से छात्रवृत्ति योजना संचालित है। महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर भी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 2025-26 के लिए 20,000 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई। इस योजना के तहत राज्य के प्रत्येक परिवार की एक महिला को रोजगार शुरू करने के लिए 10,000 रुपए की पहली किस्त दी जाएगी। आवेदन लेने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और सितंबर से ही लाभार्थियों के बैंक खातों में राशि ट्रांसफर की जाएगी। रोजगार शुरू करने के छह महीने बाद आकलन के आधार पर जरूरत पड़ने पर 2 लाख रुपए तक की अतिरिक्त सहायता भी दी जाएगी।

## दुर्घटनाग्रस्त हुई मालगाड़ीः लखीसराय-किऊल रेलखंड पर आवागमन प्रभावित

लखीसराय, 9 सितंबर (एजेंसियां)। लखीसराय में पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर डिविजन अंतर्गत किऊल जंक्शन पर एक मालगाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। मालगाड़ी के तीन डब्बे ट्रैक से नीचे उतर गए। गनीमत है कि यह दुर्घटना रात एक बजे हुई, हालांकि कि कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार मालगाड़ी में सीमेंट लोड था। किऊल में माल खाली कराने के लिए यार्ड में गाड़ी को ले जाया जा रहा था। हादसे के बाद लखीसराय-किऊल रेलखंड के डाउन लाइन पर आवागमन प्रभावित हो गया। एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि यह घटना तकरीबन देर रात एक बजे हुई।

मालगाड़ी के तीन डिब्बे का पहिया क्षतिग्रस्त होने के चलते घटना घटी है। फिलहाल दानापुर डिविजन से घटनास्थल पर अधिकारी अधिकारी पहुंचे हैं। मरम्मती का कार्य जारी है। पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर डिविजन से डीआरएम सहित टेक्नीशियन दुर्घटना स्थल पर मौजूद हैं। रेलवे अधिकारी ने बताया कि मालगाड़ी डाउन लाइन पर आ रही थी। ट्रेन के बीच से ही तीन बोगी ट्रैक से नीचे हो गया।

हालांकि बड़ी दुर्घटना टल गई। अगर दिन होता तो जान-माल की क्षति हो सकती थी। सीमेंट अनलोड के लिए यहां पर बड़ी संख्या में मजदूर रहते हैं। दुर्घटना रेल ट्रैक प्वाइंट पर हुई है। किऊल रेलवे स्टेशन में रेलवे अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही यार्ड से क्षतिग्रस्त मालगाड़ी के डब्बा को हटाकर आवागमन को सुगम कराया जाएगा।

## डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के गढ़ में पल्लवी पटेल की हुंकार

# राष्ट्रीय अधिवेशन के जरिये होगा चुनावी शंखनाद

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव में अभी भले ही लंबा समय बाकी है लेकिन राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारी को धार देने में अभी से ही जुट गए हैं। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के गढ़ में सिराथू से विधायक पल्लवी पटेल हुंकार भरने जा रही है। पल्लवी पटेल की अपना दल कमेरवादी पार्टी का 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय अधवेशन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम के जरिये विधायक पल्लवी पटेल अपनी ताकत दिखाएंगी।

साल 2022 विधानसभा चुनाव में सपा के टिकट पर पल्लवी पटेल ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बड़े अंतर से चुनाव हरा दिया था। अपना दल कमेरावादी के दो दिवसीय इस अधिवेशन के पहले दिन पार्टी के राष्ट्रीय और प्रांतीय पदाधिकारियों के बीच राजनीतिक और सांगठनिक प्रस्तावों पर चर्चा होगी। इसमें पार्टी की आगामी रणनीति, राजनीतिक मुद्दों और दिशा पर विमर्श किया जाएगा। जबकि दूसरे दिन सिराथू के कृषि मैदान में विशाल आमसभा का आयोजन होगा। जिसमें अधिवेशन में पारित प्रस्तावों को जनता के बीच रखा जाएगा। इस संबंध में सिराथू से सपा विधायक पल्लवी पटेल ने कहा कि अपना दल (कमेरावादी) लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चलने वाला संगठन है।

जो गांव, गरीब, मजदूर, किसान और पूरे कमेरा समाज के अधिकारों तथा सामाजिक न्याय के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करता रहा है। उन्होंने कहा कि साल 1995 में डॉ. सोनेलाल पटेल ने वंचित समाज को राजनीतिक हिस्सेदारी दिलाने के लिए इस दल की नींव रखी थी और आज भी यह दल शाहू, फूले और अंबेडकर की विचारधारा पर मजबूती से खड़ा है।

वहीं विधायक पल्लवी पटेल के पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन लखनऊ या दिल्ली में ना करने की बजाए सिराथू में करने के फैसले के बाद राजनीति गरमा गई है। पल्लवी के इस निर्णय को 2027 चुनाव का चुनावी शंखनाद भी माना जा रहा है।

# 14 सितंबर तक झमाझम बारिश के आसार

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में फिर से मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने पटना, तिरहुत, दरभंगा, भागलपुर, कोसी, पूर्णिया, मुंगेर प्रमंडल के जिलों में 14 सितंबर तक झमाझम बारिश के आसार जताए हैं। वहीं भागलपुर, बांका, जमुई, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, खगड़िया, बेगूसराय, मुंगेर, लखीसराय, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, समस्तीपुर, गोपालगंज, सीवान, वैशाली, पटना, जहानाबाद, नालंदा समेत कई जिलों में बारिश और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि अगले 7 दिनों तक वज्रपात और तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है। इस दौरान 30 से 40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विज्ञान के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और उससे सटे क्षेत्र में बना गहरा दबाव क्षेत्र अब उत्तर-पश्चिम भारत की ओर सक्रिय हो गया है। इससे जुड़ा चक्रवातीय परिसंचरण 3.1 से 7.6 किमी की ऊंचाई तक फैला हुआ है। इस प्रणाली के असर से पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय हो गया है, जो आने वाले दिनों में बिहार पर असर डालेगा। इस कारण नौ से 14 सितंबर तक उत्तर पश्चिम बिहार, उत्तर मध्य बिहार और उत्तर पूर्व बिहार में अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं। वहीं दक्षिण पश्चिम बिहार, दक्षिण मध्य बिहार और दक्षिण पूर्व बिहार में बारिश के आसार हैं। पिछले 24 घंटे में पटना, पूर्णिया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई है। पटना में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी है।

## एसबी कृष्णा उर्फ आयशा की जमानत खारिज अवैध मतांतरण के मामले में जेल में है बंद

आगरा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सदर की सगी बहनों का ब्रेनवाश कर उनका धर्म बदलवा कर मतांतरण के गैंग में शामिल करने वाली महिला आरोपित एस.बी कृष्णा उर्फ आयशा की जमानत याचिका जिला जज ने निरस्त कर दी। मामले में चार अन्य की याचिका पर वादी के अधिवक्ताओं द्वारा काउंटर दाखिल करने को समय मांगा गया। अब 12 सितंबर को न्यायालय में सुनवाई होगी। थाना सदर में दो सगी बहनों के अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ था। जांच में अवैध मतांतरण एवं अन्य आरोप सामने आए थे। आरोपित एस, बी कृष्णा उर्फ आयशा निवासी गुजरा भाट, उत्तरी गोवा की सीजेएम द्वारा जमानत याचिका निरस्त की गई थी। उसके अधिवक्ता ऋषि राज चौहान, बिलाल अहमद आदि ने जिला जज के समक्ष जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। सुनवाई के दौरान अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि आयशा को गलत फंसाया गया है, वह मुकदमा में नामजद नहीं थी, उसने स्वेच्छा से इस्लाम धर्म स्वीकार किया गया था। उसके द्वारा धर्म परिवर्तन करने के कारण हिन्दू संगठन और अन्य संस्थाएं उसके खिलाफ हो गई।

## अर्पित सिंह ने 6 जिलों में ली सरकारी नौकरी 4.5 करोड़ की सैलरी हड़पी! अब एफआईआर

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2016 की एक्स-रे टेक्नीशियन भर्ती में एक चौंकाने वाला घोटाला सामने आया है। अर्पित सिंह नाम के एक शख्स ने एक ही नाम और पहचान के साथ 6 अलग-अलग जिलों में सरकारी नौकरी हासिल कर 9 साल तक 4.5 करोड़ रुपये की सैलरी और सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाया। यह घोटाला अखिलेश यादव सरकार के कार्यकाल में हुआ था। मानव संपदा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के दौरान इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ, जिसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लखनऊ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। सीबीआई पहले से ही इस मामले की जांच कर रही है।

## मुस्लिम युवक ने 16 साल की हिंदू लड़की का धर्म परिवर्तन करवाया

कुशीनगर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के कुशीनगर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मुस्लिम युवक पर आरोप है कि उसने एक नाबालिग हिंदू लड़की को प्यार के जाल में फंसाकर भगा लिया और फिर उसके साथ रेप किया। आरोप है कि मुस्लिम युवक ने नाबालिग लड़की का धर्म परिवर्तन भी करा दिया। पीड़ित लड़की के भाई ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। कुशीनगर जिले में पुलिस ने एक मुस्लिम युवक को गिरफ्तार किया है।

युवक पर नाबालिग हिंदू लड़की को भगाने, उसका रेप करने और उसका धर्म परिवर्तन कराने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अभियोग पंजीकृत किया गया है और आरोपी नसरे आलम को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी युवक के खिलाफ पाक्सो अधिनियम, उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है।

## दोस्त के साथ चल रहा था अफेयर

## नाराज भाई ने अंधाधुंध फायरिंग कर बहन को उतारा मौत के घाट

पूर्णिया, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया में अफेयर से नाराज एक भाई ने अपने ही सगी बहन पर गोलियां बरसा दीं। लड़की का अफेयर उसके भाई के ही दोस्त से चल रहा था। भाई इसी से नाराज रहता था। गुस्साए भाई ने बहन को अकेला पाकर उस पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां बरसाई, इसमें से दो गोली लड़की को जा लगी। घटना शहर के मधुबनी थाना क्षेत्र के मधुबनी बाजार इलाके की है। फायरिंग के फौरन बाद खून से लथपथ लड़की को आनन-फानन में जीएमसीएच पूर्णिया लाया गया, जहां इलाज के क्रम में लड़की ने दम तोड़ दिया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही मधुबनी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

इसके बाद पुलिस शव पोस्टमार्टम की प्रकिया में जुट गई। मृतका की पहचान मधुबनी थाना क्षेत्र इलाके में रहने वाले सुधीर केसरी की बेटी छोटी कुमारी केसरी के रूप में हुई है। उसकी उम्र 27 साल थी। घटना की जानकारी देते हुए लड़की के पिता सुधीर केसरी ने बताया कि उनकी बेटी ग्रेजुएशन की छात्रा है।

## श्री हरमंदिर साहिब को उड़ाने की धमकी

## ईमेल में लिखा- लंगर हॉल में 4 आरडीएक्स रखे है, वीवीआईपी -कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाले

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के तख्त श्री हरमंदिर साहिब को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। मेल पर लिखा है, 'गुरु लंगर कक्ष में 4 आरडीएक्स रखे हैं। विस्फोट से पहले वीवीआईपी और कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकालें।' इस धमकी के बाद गुरुद्वारा परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा को को जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत गुरुद्वारा परिसर की सघन तलाशी शुरू की। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से लंगर हॉल सहित पूरे परिसर की बारीकी से जांच की गई। हालांकि कई घंटों की तलाशी के बाद कोई भी विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला। चौक थाना प्रभारी मनजीत ठाकुर ने बताया कि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस अब धमकी भरे ईमेल का सोर्स पता लगाने में जुटी है। थाना प्रभारी ने बताया, 'सूचना मिलने के बाद पूरे गुरुद्वारा परिसर की पुलिस और बम निरोधक दस्ते की ओर से गहराई से जांच की गई। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मेल किसने और कहां से भेजा था।' प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगजीत सिंह का कहना है, 'यह किसी शरारती तत्व की ओर से भेजा गया फर्जी ईमेल लग रहा है।

# कौन हैं सुदन गुरुंग, जिन्होंने 24 घंटे में उखाड़ फेंकी केपी शर्मा ओली की सरकार

## क्या नई सरकार में मिलेगा इनाम?

काठमांडू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल की राजनीति अब उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां सरकार के 10 मंत्रियों की इस्तीफा हो चुका है और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भी इस्तीफा सौंप दिया है। लेकिन अभी भी हजारों छात्रों का आक्रोश है और सोमवार को 19 छात्रों की हत्या के बाद अब प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग की जा रही थी। नेपाल में प्रदर्शन उस वक्त शुरू हुआ जब सरकार ने 4 सितंबर को अचानक फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, यूट्यूब और एक्स समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया।

जिसके बाद काठमांडू में संसद के बाहर निकले छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन शुरू किया, जिसने जल्द ही हिंसक रूप ले लिया। पुलिस ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें 19 छात्रों की मौत हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हालात काबू से बाहर होते ही गृह मंत्री रमेश लेखक ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया और सेना को संसद और अन्य प्रमुख इलाकों में तैनात करना पड़ा। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हिंसा के पीछे घुसपैठियों को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने अपनी सरकार बचाने की काफी कोशिशें की, लेकिन अंत में उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

**नेपाल में आंदोलन के पीछे का चेहरा कौन?**

नेपाल में चल रहे इस अभूतपूर्व जनांदोलन के केंद्र में हैं 36 साल के सुदन गुरुङ। जो हामी नेपाल नाम के एक एनजीओ के अध्यक्ष हैं। ये एनजीओ युवाओं के लिए काम करता है। सुदन ने सोशल मीडिया पर प्रदर्शन की रूपरेखा शेयर करते हुए छात्रों से स्कूल यूनिफॉर्म और किताबें लेकर आने की अपील की थी, जिससे यह आंदोलन अहिंसक प्रतिरोध का प्रतीक बन सके।

गुरुङ की पहल से शुरू हुई रैलियां इतनी तेजी से फैलीं कि सोशल मीडिया ब्लैकआउट और इंटरनेट प्रतिबंधों के बावजूद युवाओं की भीड़ सड़कों पर उमड़ आई। संसद भवन की बैरिकेड तोड़कर प्रदर्शनका अंदर घुसने लगे, जिसके बाद सरकार के आदेश पर पुलिस ने छात्रों को निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी।

सुदन गुरुङ का जीवन भी इस आंदोलन जितना ही नाटकीय रहा है। कभी एक इवेंट ऑर्गेनाइजर रहे गुरुङ की जिंदगी उस वक्त पूरी तरह से बदल गई, जब 2015 के विनाशकारी भूकंप में उन्होंने अपने बच्चे को खो दिया। उसी हादसे के बाद उन्होंने समाजसेवा और नागरिक आंदोलन का रास्ता चुना और हामी नेपाल की नींव रखी। यह संगठन पहले आपदा राहत में सक्रिय रहा और बाद में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार-विरोधी अभियानों में कूद पड़ा। धरान में बीपी कोइराला इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज की अनियमितताओं के खिलाफ घोपा कैंप आंदोलन से लेकर काठमांडू तक, गुरुङ धीरे-धीरे युवाओं और आम नागरिकों के बीच विश्वास और उम्मीद का चेहरा बन गए हैं। आज गुरुङ को जनरेशन-जेड की आवाज कहा जा रहा है, लेकिन उनका आंदोलन सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं है। काठमांडू से लेकर पोखरा, बुटवल, विराटनगर और दमक तक, हर वर्ग के लोग इस संघर्ष में शामिल हुए हैं।

# एमबीबीएस एडमिशन में फर्जीवाड़ा, 3 छात्राओं का प्रवेश कैंसिल

## फर्जी ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट बनवाए, तहसीलदार के सील-सिग्नेचर फेक, वेरिफिकेशन में पकड़ाए, इनमें भाजपा नेता की भतीजी भी

बिलासपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की 3 छात्राओं ने ट्रेनी आइएएस पूजा खेड़कर की तरह ही फर्जीवाड़ा किया है। तीनों छात्राओं ने फेक ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग) प्रमाण पत्र जमाकर नीट (यूजी) परीक्षा पास की। इसके बाद मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटें भी हासिल कर लीं। अब इनका एमबीबीएस एडमिशन निरस्त कर दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक फर्जीवाड़े में शामिल तीनों छात्राएं बिलासपुर की ही रहने वाली हैं। इनमें सुहानी सिंह, पिता सुधीर कुमार सिंह, जो सीपत रोड लिंगियाडीह की रहने वाली है। सरकंडा निवासी श्रेयांशी गुप्ता बीजेपी नेता और उत्तर मंडल अध्यक्ष की सतीश गुप्ता की भतीजी है। वहीं, भाव्या मिश्रा, पिता सूरज कुमार मिश्रा, जो सरकंडा की रहनी वाली है।

बिलासपुर तहसील कार्यालय की जांच में तीन छात्राओं सुहानी सिंह, श्रेयांशी गुप्ता और भव्या मिश्रा की दस्तावेज फर्जी पाए गए हैं। तहसीलदार गरिमा ठाकुर ने पुष्टि की है कि, ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्रों में हस्ताक्षर और सील असली नहीं थे। जांच के बाद प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया के दौरान संचालक चिकित्सा शिक्षा (डीएमई) ने दस्तावेजों को वेरिफिकेशन के लिए तहसील भेजा था। तहसीलदार गरिमा ठाकुर ने जांच के बाद कहा कि तीनों प्रमाणपत्र नियमों के तहत जारी ही नहीं हुए। दस्तखत और सील फर्जी हैं। रिपोर्ट कलेक्टर संजय अग्रवाल को सौंपी गई।

डीएमई ने छात्राओं को 8 सितंबर तक सही दस्तावेज और स्पष्टीकरण देने का मौका दिया, लेकिन समय सीमा तक वे प्रमाणपत्र पेश नहीं कर सकीं। इसके बाद नियमों के तहत उनका प्रवेश रद्द कर दिया गया। अब तीनों इस साल किसी भी मेडिकल कॉलेज में दाखिला नहीं ले पाएंगी।

दरअसल, तीनों छात्राओं ने बिलासपुर तहसील से जारी बताकर नीट (यूजी) परीक्षा और मेडिकल कॉलेज एडमिशन में फर्जी ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट लगाया। इस सर्टिफिकेट की मदद से वे मेडिकल काउंसलिंग में शामिल हुईं और आरक्षित कोटे के तहत सीट हथिया ली।

बिलासपुर तहसीलदार गरिमा सिंह ने साफ किया है कि इन छात्राओं के नाम से कभी कोई आवेदन तहसील कार्यालय में दर्ज नहीं हुआ। न ही तहसील से इन छात्राओं के नाम से कभी कोई सर्टिफिकेट जारी किया गया है।

वहीं बिलासपुर एसडीएम मनीष साहू ने भी पुष्टि की कि आयुक्त चिकित्सा शिक्षा की ओर से वेरिफिकेशन के लिए जो सूची भेजी गई थी, उसमें दर्ज तीनों नामों का ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट तहसील की ओर से जारी नहीं किया गया है। तीनों ने फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर मेडिकल सीट हासिल की है।

**क्लर्क प्रभार से हटाया गया**

परिजनों का दावा है कि उन्होंने नियमानुसार ऑनलाइन आवेदन और दस्तावेज जमा किए थे, लेकिन कागज तहसील कार्यालय से गायब हो गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सील या हस्ताक्षर में बदलाव दफ्तर के अंदर हुआ होगा। इस बीच, मामले में क्लर्क प्रहलाद सिंह नेताम को नोटिस जारी कर प्रभार से हटाया जा चुका है।

# विद्रोही हमले में कम से कम 60 लोगों की मौत

## पहले एक साथ इकट्ठा फिर उतार दिया मौत के घाट

गोमा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हमले के बारे में स्थानीय प्रशासक कर्नल एलेन किवेवा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमला एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स ने किया था। उन्होंने बेहद क्रूरता से 60 लोगों की हत्या कर दी। हालांकि मरने वालों का सटीक आंकड़ा अभी तक सामने नहीं है।

वही, हमले के दौरान बचे एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि करीब 10 हमलावर थे। उनके पास लंबी धारदार चाकू थीं। हमले के दौरान पहले उन्होंने सबको एक जगह इकट्ठा होने के लिए मजबूर किया और फिर मारना शुरू कर दिया। लोग चीख रहे थे।

गौरतलब है कि पूर्वी कांगो लंबे समय से उग्रवादी हमलों से जूझ रहा है। एडीएफ इस ताजा नरसंहार ने एक बार फिर इस इलाके में सुरक्षा की गंभीर चुनौतियों को उजागर कर दिया।

# पायलट बोले-वोट चोरों को जनता माफ नहीं करेगी

## बैज ने सरकार को बताया 'वोट चोर' भूपेश बोले-जल्द फूटेगा हाइड्रोजन-बम

बिलासपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कांग्रेस की 'वोट चोर-गद्दी छोड़' सभा में सचिन पायलट ने कहा कि वोट चोरों को जनता माफ नहीं करेगी। वोट चोरी में दाल में काला नहीं, पूरी दाल ही काली है। भाजपा की डबल इंजन सरकार केवल धुआं फेक रही है। भाजपा को जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

मंच से पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि हमारे नेताओं से निवेदन है कि अब ये न कहें कि हमारी सरकार ने काम नहीं किया और हम हार गए। ये कहें कि बीजेपी ने वोट चोरी की, जिसकी वजह से हार गए। राहुल गांधी ने 7 अगस्त को वोट चोरी का प्रमाण पेश किया। जल्द फिर वोट चोरी के खिलाफ हाइड्रोजन बम फूटेगा।

वहीं दीपक बैज ने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग के गठबंधन से भाजपा सरकार बनी है। चुनाव आयोग आज कठघरे में है। छत्तीसगढ़ की जनता बेहाल हो गई है। किसान, खाद बीज, स्कूल, शिक्षक, बिजली व्यवस्था बदहाल है। 3 साल बाद सत्ता परिवर्तन के लिए तैयार रहें।

बैज ने कहा कि बस्तर में हाहाकार मचा है, लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। आगे छत्तीसगढ़ के हर कोने कोने तक हम आंदोलन को ले जाएंगे। हाट बाजार, गली मोहल्ले तक आंदोलन को लेकर जाएंगे। साथ ही मंच से कहा कि देश का सबसे बड़ा वोट चोर कौन है, आप सब जानते हैं नरेंद्र मोदी है। वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे भी लगाए।

वहीं रायपुर में सचिन पायलट ने कहा था कि भाजपा की डबल इंजन सरकार केवल धुआं फेक रही है। जनता की परेशानियों पर काम नहीं कर रही। चौबे के भूपेश के नेतृत्व में चुनाव लड़ने वाले बयान पर कहा, कि सभी मिलकर चुनाव लड़ेंगे, व्यक्ति विशेष की बात नहीं है।

वहीं महंत के चमचा और सांप बिच्छू वाले बयान पर कहा कि कांग्रेस विपक्ष की सक्रिय भूमिका निभा रही है। डिसिप्लिन पार्टी है। बिलासपुर के मुंगेली नाका ग्राउंड में आयोजित सभा में भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू, मोहन मरकाम, उमेश पटेल, अमरजीत भगत, अनिला भेड़िया, धनेंद्र साहू, अरुण वोरा भी मौजूद रहे।

# रायपुर में बल्लियों के सहारे जर्जर पुलिस-क्वार्टर

रायपुर/बिलासपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 20 पुलिस परिवार 34 साल पुराने जर्जर क्वार्टर में रहने को मजबूर है। मकानों की बदहाली ऐसी कि छत और सीढ़ियां बल्लियों के सहारे टिकी हैं। कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। हाईकोर्ट ने पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के एमडी को शपथपत्र के साथ जवाब पेश करने कहा है। केस की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। जानकारी के मुताबिक 400 करोड़ की नई योजना बनाकर भेजी गई है, लेकिन 6 साल से प्लान ठंडे बस्ते में है।

दरअसल, आमानाका में पुलिसकर्मियों के लिए बने क्वार्टर 34 साल पुराने हैं। 24 मकान पूरी तरह जर्जर हालत में हैं। यहां करीब 20 परिवार रह रहे हैं। छत जाने वाली सीढ़ियां टूटकर गिर चुकी हैं, जबकि पहली मंजिल की सीढ़ियां बल्लियों के सहारे खड़ी हैं। इस बदहाल क्वार्टर में रहने वाले पुलिसकर्मियों और उनके परिवार को जान का खतरा है। नगर निगम ने इन्हें खतरनाक घोषित किया है। लेकिन, अब तक न तो मकान खाली कराए गए और न ही इसे ध्वस्त किए गए।

एक पुलिसकर्मी की पत्नी ने कहा कि परिवार के सदस्य बीमार हैं। ऐसी हालत में दूसरी जगह कैसे जाएंगे? बाहर किराए के मकान में रहने लायक आर्थिक स्थिति नहीं है।

# सीसीएल की आउटसोर्सिंग कंपनी में वाहनों में आगजनी का मामला

## 7 आरोपी गिरफ्तार, हथियार और वाहन बरामद, लेवी वसूली के लिए की गई थी वारदात

हजारीबाग, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग के चरही थाना क्षेत्र में कोल इंडिया लिमिटेड की आउटसोर्सिंग कंपनी RKS CPL के व्यू पॉइंट परिसर में हुई आगजनी का मामला सुलझा लिया गया है। 24 मई 2025 को अपराधियों ने छह वाहनों में पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में इमदाद रजा (21), सचिन कुमार (24), अफसर वारिस (21), छोटन कुमार (22), साहिल रजा (18), गणेश यादव (20) और सुनील कुमार दास (29) शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया कि यह पूर्व नियोजित घटना थी। आरोपियों का मकसद सीसीएल के कामकाज में बाधा डालना और लेवी वसूलना था।

पुलिस ने आरोपियों से छह जिंदा गोलियां, तीन चाकू, सात टीपीसीओ पर्चे, एक बलेरो नियो वाहन और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर रात में विशेष अभियान चलाकर आरोपियों को पकड़ा गया। प्रशासन ने क्षेत्र की सभी आउटसोर्सिंग कंपनियों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की सलाह दी है।

कंपनियों को कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को देने को कहा गया है।

# रजरप्पा भुचूंडीह में जमीन से निकल रही आग

## रामगढ़ में ग्रामीणों ने सीसीएल और प्रशासन से की शिकायत, दहशत में लोग

रामगढ़, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के रजरप्पा भुचूंडीह में भूमिगत कोयले में लगी आग से स्थिति चिंताजनक हो गई है। जमीन से निकल रही आग ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है।

आग से खेत और खलिहान को नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जमीन धंसना शुरू हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया गया, तो आसपास के मकान भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। क्षेत्र में स्थित झारखंड का प्रमुख पर्यटन स्थल रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका मंदिर भी खतरे में है।

ग्रामीणों ने सीसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन को लिखित आवेदन देकर आग बुझाने की मांग की है। हालांकि, अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

# छत्तीसगढ़ के स्टील से मिजोरम में बना 114-मीटर ऊंचा रेलवे-ब्रिज

## देश में दूसरा सबसे ऊंचा, बीएसपी के मटेरियल से बन चुके चिनाब ब्रिज, स्टैच्यू-ऑफ-यूनिटी, इन्स विक्रांत

आइजोल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ का स्टील दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, इन्स विक्रांत बनाने के बाद मिजोरम की राजधानी आइजोल में नया इतिहास रचा है। भिलाई के बीएसपी से भेजा गया 30-35 हजार टन लोहे से पियर ब्रिज बना है, जो देश का दूसरा सबसे बड़ा ब्रिज है। जिसकी ऊंचाई 114 मीटर है। जबकि चिनाब रेलवे ब्रिज 359 मीटर ऊंचा है।

बइरबी-सायरंग रेल प्रोजेक्ट के तहत ट्रैक, टनल और ब्रिज निर्माण के लिए बिलासपुर जोन के इंजीनियरिंग सपोर्ट, मशीनरी और विशेषज्ञ टीमें भेजी गई थी। इसके साथ ही रेलवे ट्रैक बिछाने में इस्तेमाल होने वाला रेलपांत, गर्डर, लोहा और स्टील मटेरियल भी भेजा गया था।

आजादी के बाद पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल रेल नेटवर्क से जुड़ी है। आने वाले समय में रेल लाइन म्यांमार बॉर्डर तक जाएगी। इस रेल नेटवर्क से मिजोरम की विकास को नई दिशा मिलेगी। इस पियर ब्रिज को बनाने में 10 साल से अधिक का समय लगा। इसके बनने से अब 7 घंटे का सफर 3 घंटे में पूरा होगा।

रेलवे के मुताबिक बइरबी-सायरंग रेल प्रोजेक्ट की शुरुआत 2014 में की गई थी, तब इसकी लागत 5 हजार 20 करोड़ रुपए थी, लेकिन ब्रिज और 51.38 किलोमीटर लंबी बइरबी-सायरंग रेल लाइन बनाने में 8 हजार 71 करोड़ रुपए लगे।

बताया जा रहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी इसी महीने लोकार्पण कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में विस्तार से पढ़िए छत्तीसगढ़ के भिलाई स्टील प्लांट की क्या भूमिका रही, अब तक छत्तीसगढ़ ने किस-किस मेगा प्रोजेक्ट में क्या योगदान दिया?

भिलाई स्टील प्लांट एरिया के हिसाब से एशिया का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है। प्रोडक्शन के हिसाब से यह सेल का सबसे बड़ा प्लांट है। इसकी स्थापना सोवियत संघ के सहयोग से वर्ष 1955 में हुई थी। भिलाई को स्टील प्लांट के लिए चुनने का मुख्य कारण स्टील निर्माण के लिए आवश्यक कच्चा माल पास के क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध होना था।

भिलाई स्टील प्लांट में आयरन ओर राजहरा माइंस से मंगाया जाता है। यहां से इन माइंस की दूरी लगभग 100 किलोमीटर है। लाइम स्टोन नंदिनी माइंस से लाया जाता है। यहां से इनकी दूरी करीब 25 किलोमीटर है। डोलोमाइट बिलासपुर के हिर्री से मंगाया जाता है। यहां से इसकी दूरी लगभग 140 किलोमीटर है।

भिलाई स्टील प्लांट का लोहा देश के दूसरे सबसे बड़े ब्रिज के निर्माण में इस्तेमाल हुआ है।

ब्रिज के साथ-साथ टनल और रेलपांत सहित अन्य जरूरी संरचनाओं के लिए भी सेल की अलग-अलग इकाइयों से स्टील की आपूर्ति की गई।

# सील पैक कंटेनर, नट खोलकर भरा 3 क्विंटल 88 किलो गांजा

## नागपुर पहुंचाने पर बोरी 5-5 हजार कमीशन, दुर्ग पुलिस ने 1.53 करोड़ का माल किया जब्त

दुर्ग, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस ने कंटेनर से भरा 3 क्विंटल 88 किलो गांजा पकड़ा है। सील पैक कंटेनर का नट खोलकर अंदर गांजा भरा गया था। 60 लाख का गांजा, कंटेनर वाहन और अन्य सामान समेत कुल 1 करोड़ 53 लाख रुपए का माल जब्त किया गया है। यह गांजा ओडिसा से छत्तीसगढ़ होते हुए नागपुर भेजा रहा था।

कंटेनर ड्राइवर से पूछताछ कर पुलिस नागपुर पहुंची, जहां से 2 तस्करों को भी ट्रैप कर गिरफ्तार किया। ड्राइवर को गांजा छोड़ने के एवज में हर बोरी के 5-5 हजार रुपए देने का वादा किया गया था। पुलिस ने ड्राइवर समेत 3 आरोपियों को अरेस्ट किया है। मामला कुम्हारी थाना इलाके का है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि, 7 सितंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि, रायपुर से दुर्ग की ओर एक कंटेनर में भारी मात्रा में गांजा ले जाया जा रहा है। पुलिस ने कुम्हारी टोल प्लाजा में नाकेबंदी की। पुलिस ने कंटेनर क्रमांक एनएल01-एएच-9524 को रोककर पूछताछ की। ड्राइवर ने अपना नाम उमेश यादव (46) निवासी मधुबनी, बिहार का होना बताया।

पूछताछ में उसने बताया कि, कंटेनर कोलकाता से सामान लेकर गुजरात जा रहा था। रास्ते में देवघर, ओडिशा के पास उसका परिचित राहुल मिला। जिसने 13 बोरी गांजा नागपुर में शाहिद नामक व्यक्ति के पास छोड़ने की डील की। इसके एवज में उसे हर बोरी पर 5-5 हजार रुपए देने का वादा किया गया था। पुलिस ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कंटेनर की तलाशी ली गई। पीछे के हिस्से से 13 बोरियां बरामद हुईं। बोरियों को खोलने पर अंदर 388 पैकेट मिले। हर पैकेट 1 किलो वजनी था। इस तरह कुल 3 क्विंटल 88 किलो गांजा मिला। जिसकी अनुमानित कीमत 60 लाख रुपए है। इसके अलावा कंटेनर में भरे अन्य सामान, वाहन और 95 हजार नगद समेत कुल 1 करोड़ 53 लाख रुपए का माल जब्त किया गया।

# कनाडा में खालिस्तान समर्थक महिला को बड़ा झटका

## कोर्ट ने खारिज की शरण की अर्जी, आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के गुट से है संबंध

ओटावा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा की फेडरल कोर्ट ने भारतीय नागरिक कंवलजीत कौर की शरण की अपील खारिज कर दी है। कंवलजीत कौर ने कोर्ट में अपनी अर्जी में कहा कि खालिस्तान आंदोलन की समर्थक और सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) से जुड़ाव के कारण भारत लौटने पर उनका उत्पीड़न होगा। ऐसे में उनको कनाडा में ही रहने की इजाजत दी जाए। एसएफजे बैन संगठन है, जिसे खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू चलाता है। पन्नू लगातार भारत के खिलाफ जगर उगलता रहा है। खालिस्तान का मुद्दा हालिया महीनों में भारत-कनाडा के संबंधों में तनाव की बड़ी वजह रहा है।

जज गोय रेजिमबाल्ड ने आवेदक कंवलजीत कौर के इस दावे से असहमति जताई कि सिख्स फॉर जस्टिस से जुड़े होने के चलते उनके उत्पीड़न का खतरा है। जज ने कहा, 'तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह के लिए मतदान कार्ड होना यह स्थापित करने के लिए नाकाफी है कि कौर की भारतीय अधिकारियों के बीच कोई उच्च 'प्रोफाइल' है। पंजाब की रहने वाली कौर फरवरी 2018 में कनाडा पहुंची थीं। एक साल से भी अधिक समय बाद सितंबर 2019 में कौर ने शरणार्थी संरक्षण का दावा किया। 32 वर्षीय कंवलदीप कौर ने सुनवाई से अपने मूल आवेदन में संशोधन करते हुए कहा कि वे कनाडा में खालिस्तान समर्थक बन गए हैं। अगर उन्हें भारत वापस भेजा गया तो उनकी नई राजनीतिक गतिविधियों के चलते उन्हें सताया जाएगा। इस पर फैसला देते हुए कोर्ट ने कहा कि खालिस्तान आंदोलन में कथित रुचि और भागीदारी का घटनाक्रम वास्तविकता की कमी को दर्शाता है। कोर्ट ने इस दावे को कपटपूर्ण और सद्भावना की कमी वाला बताया। संघीय न्यायालय ने माना कि कौर के दावों में दम नहीं है, उनके बारे में ऐसा नहीं लगता कि वह अपनी गतिविधियों से भारतीय अधिकारियों की नजर में हैं।

कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियां बीते कुछ वर्षों में एक बड़ा मुद्दा बनी है। कनाडा में लगातार ऐसी रैलियां और भाषण हुए हैं, जो भारत विरोध और खालिस्तान के पक्ष में रहे हैं।

## नेपाल में जारी हिंसा पर भारत की पैनी नजर; भारतीयों के लिए जारी किया अलर्ट, कहा-सावधान रहें

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम कल से नेपाल में हो रहे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में कई युवाओं की जान जाने से बेहद दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना करते हैं। एक घनिष्ठ मित्र और पड़ोसी होने के नाते, हम आशा करते हैं कि सभी संबंधित पक्ष संयम बरतेंगे और शांतिपूर्ण तरीकों और बातचीत के जरिए किसी भी मुद्दे का समाधान करेंगे। हमने यह भी संज्ञान लिया है कि अधिकारियों ने काठमांडू और नेपाल के कई अन्य शहरों में कर्फ्यू लगा दिया है। नेपाल में भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी बरतें और नेपाली अधिकारियों द्वारा जारी किए गए कदमों और दिशानिर्देशों का पालन करें।

## हादसे में हाथ गंवाने वाले एएसआई को 50 लाख, शहीद आरक्षक के परिजनों को मिले एक करोड़

दमोह, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दमोह एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने सड़क हादसे में जान गंवाने वाले आरक्षक प्रसून खेहुरिया के पिता और पत्नी को एक करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। इसी तरह, रेलवे ट्रैक पर पड़े दो घायल युवकों को बचाने के प्रयास में अपना एक हाथ गंवाने वाले एएसआई राजेंद्र मिश्रा को 50 लाख रुपये की राशि एसबीआई बैंक के माध्यम से प्रदान की गई। सोमवार एसपी कार्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत दुर्घटनाओं में शहीद और घायल पुलिसकर्मियों व उनके परिजनों को यह आर्थिक सहायता राशि दी गई।

## सड़क पर गिरी लड़की; पीछे से आ रही बस ने कुचला; मौत

बेंगलूरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के शिवमोग्गा में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक युवती की जान चली गई। मृतक युवती की पहचान कविता (26) के रूप में की गई है। कविता की शादी इसी महीने होने वाली थी। ये सड़क हादसा शिवमोग्गा के बाहरी इलाके डुमल्ली क्रॉस में चीनी के कारखाने के पास हुआ। कविता अपने भाई के साथ पल्सर बाइक पर सवार होकर एक निजी सर्जिकल अस्पताल से काम करके आ रही थी। डुमल्ली क्रॉस में चीनी कारखाने के पास एक व्यक्ति दूसरी टीवीएस बाइक पर बहुत अधिक सामान ले आ रहा था। टीवीएस बाइक कविता की बाइक को छू गई। इससे बाइक चला रहे कविता के भाई संतोष का संतुलन बिगड़ गया। फिर वो बाइक लेकर फुटपाथ पर गिर पड़ा। कविता सड़क पर गिर गई। उसी समय एक सिटी बस पीछे से आ रही थी। वो कविता कुचलती हुई निकल गई। नतीजतन, कविता की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

## कुल्लू में फिर भूस्खलन, दो मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

### एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

कुल्लू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में एक बार फिर से भूस्खलन हुआ है। भूस्खलन की चपेट में एक मकान आ गया। जिसमें पांच लोग दब गए। पांचों के शव बरामद हो चुके हैं। जानकारी के अनुसार, कुल्लू के निरमण्ड खंड की घाटू पंचायत के शमानी गांव में देर रात भूस्खलन से बड़ा हादसा हुआ। मकान मलबे की चपेट में आ गया। मकान में एक ही परिवार के आठ लोग सो रहे थे। इनमें से तीन को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि पांच लोग दब गए थे। जिनमें कोई भी जिंदा नहीं मिल पाया। सभी के शव बरामद हो चुके हैं। एसडीएम मनमोहन सिंह ने घटना की पुष्टि की और राहत-बचाव कार्य के लिए प्रशासनिक टीमें मौके पर भेजी गई हैं।

## पार्षद अनवर डकैत पर एक और केस दर्ज

### महिला का प्लॉट हड़पकर दूसरे को बेचा था

इंदौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी उर्फ अनवर डकैत पर एक प्रकरण और दर्ज हुआ है। खजराना पुलिस ने महिला को शिकायत पर दर्ज किया धोखाधड़ी मामला दर्ज किया है। अनवर ने महिला के प्लॉट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर दूसरे को बेच दिए थे। अब पुलिस इस मामले में भी अनवर से पूछताछ करेगी। फिलहाल अनवर पुलिस रिमांड पर है और पुलिस ने उसे लव जिहाद की फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया है। अनवर ने खजराना में रहने वाली जौहरा बी से उसका प्लॉट विकवाने की बात कही थी। बाद में अनवर ने खुद महिला के प्लॉट के फर्जी दस्तावेज तैयार किए और उसे दूसरे व्यक्ति को बेच दिया। महिला ने पहले भी इस मामले में पुलिस को शिकायत की थी, लेकिन प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। अब पुलिस ने अनवर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

## जज क्वार्टर पर गिरा स्लैब इंजीनियरों पर मामला दर्ज

ठाणे, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ठाणे में औद्योगिक न्यायालय की न्यायाधीश के सरकारी आवास की छत का हिस्सा गिरने के मामले में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंताओं पर आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। घटना रविवार शाम को हुई, हालांकि सौभाग्य से कोई घायल नहीं हुआ। न्यायाधीश और अन्य अधिकारियों ने बार-बार मरम्मत की मांग की थी, लेकिन विभाग की लापरवाही से समय पर कार्य नहीं हुआ। शिकायतकर्ता, जो न्यायाधीश के पति हैं, ने कहा कि यह लापरवाही परिवार के जीवन के लिए खतरा बनी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

# ऐश्वर्या राय ने खटखटाया दिल्ली एचसी का दरवाजा

## प्रोडक्ट्स पर एआई जेनरेटेड फेक तस्वीरों पर बिफरीं बॉलीवुड स्टार

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं। बच्चन परिवार की बहू अपनी बेटी की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रही हैं। हालांकि किसी न किसी वजह के चलते वह हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं। इसी बीच ऐश्वर्या ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से अपने पर्सनालिटी राइट्स की रक्षा करने और कुछ लोगों द्वारा उनके नाम, इमेज और एआई जेनरेटेड अश्लील कंटेंट का इस्तेमाल करने पर रोक लगाने की अपील की। ऐश्वर्या का कहना है कि बिना उनकी इजाजत के उनकी तस्वीरों को व्यवसायिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। एक्ट्रेस ने अदालत से अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है।

ऐश्वर्या ने अपनी याचिका में कहा 'फेक इंटीमेट तस्वीरों का इस्तेमाल

कॉपी, मग और अन्य सामान बेचने के लिए किया गया है। वहीं स्क्रीनशॉट्स में तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई है, ये सभी एआई जेनरेटेड हैं।'

**पैसों के लिए बनाई एआई जेनरेटेड तस्वीरें**

जस्टिस तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह डिफेंडेंट्स को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे। ऐश्वर्या राय की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट संदीप सेठी ने कहा कि एक्ट्रेस अपने प्रचार और व्यक्तित्व के अधिकारों की लागू करना चाहती हैं और उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अनरियल इंटीमेट तस्वीरें इंटरनेट पर सर्कुलेटेड की जा रही हैं। संदीप सेठी ने कहा, "उनके पक्ष में किसी को भी उनकी छवि, समानता या व्यक्तित्व का उपयोग करने का कोई अधिकार नहीं हो सकता। लोग केवल उनका नाम और उनका चेहरा लगाकर पैसा इकट्ठा कर रहे हैं।"

**अश्लील प्लेटफार्म पर तस्वीरों का इस्तेमाल**

उन्होंने कहा, "उनके नाम और उनकी छवि का इस्तेमाल किसी की यौन इच्छाओं को संतुष्ट करने के लिए किया जा रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।" वकील ने दलील दी कि कुछ अश्लील प्लेटफार्म पर तो उनकी मोरफेड तस्वीरों का इस्तेमाल हो रहा है। उनके नाम, तस्वीरों को सेक्सुअल सीन में गलत इस्तेमाल करके ये प्लेटफार्म पैसा काम कर रहे हैं। ऐश्वर्या राय का प्रतिनिधित्व एडवोकेट प्रवीण आनंद और ध्रुव आनंद ने भी किया। हाई कोर्ट ने मामले को आगे की कार्यवाही के लिए 7 नवंबर को संयुक्त रजिस्ट्रार के समक्ष तथा 15 जनवरी, 2026 को अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किया।

## बाढ़ में मृतकों के आंकड़े 50 पार, डूबी फसलें

चंडीगढ़, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में बाढ़ की स्थिति अब भी भयावह बनी हुई है। हालांकि राज्य में फिलहाल बारिश नहीं हो रही है और कुछ दिनों के अनुमान से बारिश के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ दिनों में बाढ़ के कहर का असर अब भी डराने वाला है। पिछले 24 घंटे में मानसा, मोगा और पटियाला जिलों में 3 और लोगों की मौत के बाद कुल मृतकों की संख्या 51 तक पहुंच गई है। इस बाढ़ ने अब तक 15 जिलों में 3.87 लाख से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है और करीब 1.84 लाख हेक्टेयर में फैली फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। सरकार ने राहत के लिए कई अहम फैसले किए हैं। पंजाब मंत्रिमंडल ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए बाढ़ प्रभावित खेतों के लिए 20,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा देने की घोषणा की है। साथ ही 'जिसदा खेत, उसकी रेत' योजना को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत किसान बाढ़ के बाद खेतों में जमा रेत को निकालकर बेच सकेंगे।

इससे उन्हें नुकसान की भरपाई में मदद मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि कई प्रभावित गांवों में जलस्तर घटने से स्थिति में सुधार दिखने लगा है। अधिकारियों ने बताया कि ब्यास नदी पर बने पोंग बांध का जल स्तर घटकर 1,390.74 फुट रह गया है, जबकि एक दिन पहले यह 1,392.20 फुट था। बांध में जल का प्रवाह रविवार के 36,968 क्यूसेक से घटकर 34,580 क्यूसेक रह गया, वहीं बहिर्वाह भी 90,000 क्यूसेक से घटकर 76,008 क्यूसेक दर्ज किया गया। भाखड़ा बांध में भी जलस्तर घटकर 1,677.2 फुट रहा। लगातार निगरानी और जलस्तर में कमी से बाढ़ग्रस्त इलाकों में थोड़ी राहत की उम्मीद जताई जा रही है।

## कटड़ा में सन्नाटा: मां वैष्णो देवी मार्ग हुआ वीरान, श्रद्धालुओं को यात्रा खुलने का इंतजार

जम्मू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मां वैष्णो देवी मार्ग पिछले 15 दिनों से वीरान है। श्रद्धालुओं को यात्रा खुलने का इंतजार है। प्रशासन की टीम मार्ग से मलबा हटाने सहित साफ-सफाई का कार्य कर रही है। 26 अगस्त को भारी बारिश से अर्धकुंवारी के पास भूस्खलन हादसे में 34 श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि कई गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद प्रशासन ने यात्रा को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया था। इस सप्ताह श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए अनुमति मिलने के आसार हैं। बाजार, होटल, धर्मशालाएं और यात्रा मार्ग पर स्थित दुकानें वीरान हैं। घोड़े, पिट्ठू और पालकी मजदूर बेरोजगारी और कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। प्रशासन और एनडीआरएफ भूस्खलन के मलबे को हटाने का कार्य लगातार जारी रखे हुए हैं। मार्ग के कई हिस्सों पर अब भी खतरा बरकरार है जिसके चलते यात्रा खोलने को लेकर कोई निश्चित तिथि घोषित नहीं की गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन पूरी सावधानी बरत रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की लंबी अवधि के लिए यात्रा बंद होना बेहद दुर्लभ है। इससे न सिर्फ धार्मिक वातावरण पर असर पड़ा है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था भी पूरी तरह चरमरा गई है। होटल व्यवसायी, रेहड़ी-फड़ी वाले और छोटे व्यापारी आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या कटड़ा में यात्रा खुलने का इंतजार कर रही है। कई लोग दर्शनी ड्योढ़ी पर जाकर ही माथा टेककर लौटने को मजबूर हैं। देशभर से श्रद्धालु से दर्शनों के लिए कम संख्या में पहुंच रहे हैं जिन्हें होटल एसोसिएशन की तरफ से फ्री सुविधा दी जा रही है और उनका कहना है कि इतनी दूर से मां के बुलावे पर आए हैं।

## 10 मिनट तक बाघ से लड़ा युवक लहूलुहान!, गर्दन, हाथ और पीठ पर गहरे घाव

छिंदवाड़ा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा जिले के पेंच नेशनल पार्क के बफर जोन के अंतर्गत कुमड़ीघाट गांव में एक बाघ ने युवक पर हमला कर दिया। करीब दस मिनट तक युवक और बाघ के बीच संघर्ष होता रहा। इसमें वह बुरी तरह घायल होकर लहूलुहान हो गया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, छिंदवाड़ा के खमारपानी इलाके के अंबाड़ी में रहने वाला संजीव अपने साथी मुकेश धुर्वे के साथ कुमड़ीघाट गांव में स्थित मक्के के खेत में काम कर रहे थे। इस दौरान खेत में छिपे बाघ ने अचानक संजीव पर हमला कर दिया। करीब 10 मिनट तक दोनों के बीच संघर्ष चलता रहा। इस बीच मुकेश ने शोर मचाया, जिससे डरकर बाघ वहां से भगाया और संजीव की जान बच गई। बाघ के हमले में संजीव को गर्दन, हाथ और पीठ पर गहरी चोट आई है। रविवार को इस घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और संजीव को तुरंत जिला अस्पताल भेजा।

# केरल में मस्जिद को पोलिंग बूथ बनाने पर बवाल हाई कोर्ट पहुंचा विवाद, क्या है पूरा मामला

कोच्चि, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केरल की राजनीतिक पार्टी ट्वेंटी 20 ने एक वार्ड सदस्य के साथ केरल हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में किझाक्कम्बलम पंचायत निकाय के उस प्रस्ताव को चुनौती दी गई है जिसमें आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कुम्मानोड़ु वार्ड का पोलिंग बूथ मद्रासतुल इस्लामिया की मस्जिद में बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस सी.एस. डायस कर रहे हैं। जस्टिस ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते समय राज्य चुनाव आयोग से इस मामले में जवाब मांगा है। इस मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। केरल हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा धार्मिक स्थलों के अंदर पोलिंग बूथ बनाना धारा 9 का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस धारा का उद्देश्य इस तरह की सोच और धारणा से बचना था, जिससे ऐसा न लगे कि चुनाव प्रक्रिया किसी धर्म से प्रभावित हो रही है। याचिका में यह भी कहा गया है कि धार्मिक स्थलों पर पोलिंग बूथ बनने की वजह से मतदाताओं पर उस धर्म से जुड़ी राजनीतिक पार्टियों का थोड़ा-बहुत तो असर पड़ना स्वाभाविक है। याचिका में कहा गया कि इसके अलावा, जैसे कि हम सबको पता है कि चुनाव एक संवेदनशील मुद्दा है और चुनाव के समय में सांप्रदायिक हिंसा होने की संभावना भी अधिक रहती है, इसलिए इसके लिए स्कूल या सरकारी इमारतों जैसी जगहों पर पोलिंग बूथ बनाना बेहतर रहेगा।

याचिकाकर्ताओं ने किझाक्कम्बलम पंचायत के सचिव द्वारा बुलाई गई बैठक के फैसले की एक कॉपी अदालत में प्रस्तुत की और आरोप लगाया कि मस्जिद को पोलिंग बूथ बनाने के फैसले पर उनकी द्वारा कि गई आपत्तियों पर ध्यान ही नहीं दिया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि एक महीने बाद हुई दूसरी बैठक में कई राजनीतिक पार्टी के नेताओं ने यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि बैठक के दौरान की गई सभी सिफारिशों और चर्चाओं को कार्यवृत्त में ठीक से दर्ज नहीं किया गया था।

# हर बाढ़ पीड़ित परिवार को 18 हजार और किसानों को मिले 20 हजार, आतिशी ने रेखा गुप्ता सरकार से की मांग

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बाढ़ से बिगड़े हालात पर दिल्ली विधानसभा की नेता विपक्ष आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बाढ़ ने हजारों परिवारों की जिंदगी उजाड़ दी है। जिसके चलते बाढ़ से प्रभावित परिवार अब भी मदद का इंतजार कर रहे हैं। घरों में रखा सामान, फर्नीचर, बर्तन, बच्चों की किताबें, यहां तक कि लोगों के ज़रूरी कागज तक पानी में बह गए। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में अब भी लोग उधार लेकर गुजारा कर रहे हैं, लेकिन सरकार की तरफ़ से राहत का इंतज़ार लंबा होता जा रहा है।

जिन परिवारों को आज तुरंत मदद चाहिए थी, उन्हें सरकार के दफ़्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। नेता विपक्ष ने कहा कि सरकार की लापरवाही ने बाढ़ पीड़ितों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। हालात को देखते हुए आतिशी ने हर प्रभावित परिवार के सभी बड़े सदस्यों को कम से कम 18,000 रुपये की आर्थिक मदद देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों

की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई, उन्हें 20,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा मिले। आतिशी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब लोग अपने घर बचाने के लिए पानी में डूबते-उतराते रहे, उस समय सरकार सिर्फ़ बयानबाजी करती रही। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि आज की सरकार जनता को उनके हाल पर छोड़कर चुप बैठी है।

**आम आदमी पार्टी की सरकार की याद दिलाई**

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब हालात अलग थे। चाहे प्रदूषण का संकट आया हो, बारिश और पानी भराव की समस्या रही हो या फिर महामारी जैसी आपदा- आप सरकार ने हमेशा तुरंत राहत पैकेज और मदद पहुंचाई। लोगों को भरोसा था कि संकट की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी मिलेगी। लेकिन आज वही दिल्लीवासी खुद को बेसहारा महसूस कर रहे हैं। जनता अब साफ़-साफ़ देख रही है कि पहले की सरकार और आज की सरकार में कितना बड़ा फर्क है। पहले जहां उन्हें भरोसा और राहत मिलती थी, वहीं अब सिर्फ़ इंतजार और निराशा है। रेखा गुप्ता सरकार की चुप्पी और नाकामी ने यह साबित कर दिया है कि दिल्ली की जनता की चिंता अब बीजेपी सरकार की प्राथमिकता में नहीं है।

## क्लास में पढ़ाने की जगह नींद का डोज पूरा करते दिखे गुरुजी

सतना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक की लापरवाही का मामला सामने आया है। मझगवां विकासखंड के पगारखुर्द गांव में शासकीय प्राथमिक शाला के शिक्षक अशोक माली को स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के बजाय कुर्सी पर सोते हुए पाया गया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शिक्षक स्कूल पहुंचें और क्लास रूम में जाकर कुर्सी पर सो गए। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि क्लासरूम में बच्चे नीचे दरी पर पढ़ रहे हैं और मास्टर साहब कुर्सी पर खर्राटे ले रहे हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि शिक्षक कक्षा में एक कुर्सी पर बैठे हैं और बगल की कुर्सी पर टेबल फैन चल रहा है। क्लास में मास्टर साहब आराम से सो रहे हैं। इस दौरान बच्चे उनके जागने का इंतजार कर रहे हैं। इस घटना का वीडियो किसी ग्रामीण ने बनाया था, जिसने बाद में इसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। ग्रामीणों ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

# निकाय चुनाव से पहले

## उद्धव ठाकरे के 2 विधायकों को छोड़कर सब छोड़ देंगे साथ, एकनाथ शिंदे गुट का दावा

नागपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक कृपाल तुमाने ने सनसनीखेज दावा किया है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) के सिर्फ दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी विधायक एकनाथ शिंदे गुट के संपर्क में हैं और जल्द ही उनकी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने दशहरा मेला के अवसर पर बड़े खुलासे और पार्टी प्रवेश समारोह की संभावना का भी जिक्र किया। कृपाल तुमाने ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यूबीटी के लोग संजय राउत के रवैये से तंग आ चुके हैं। यही वजह है कि उनके दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी हमारे संपर्क में हैं। इसके अलावा, मुंबई के 80 प्रतिशत पूर्व नगरसेवक भी शिंदे गुट के साथ जुड़ने को तैयार हैं। 2022 में महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय भूचाल आया था, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ एकनाथ शिंदे ने बगावत का झंडा बुलंद किया।

इस बगावत के परिणामस्वरूप शिवसेना में फूट पड़ गई और शिंदे के साथ 39 अन्य विधायकों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन कर लिया था। इस घटना ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन सरकार, जिसमें शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरद गुट) और कांग्रेस शामिल थे, को सत्ता से बाहर कर दिया था। एकनाथ शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के बीच तनातनी अब भी जारी है। फिलहाल, बीएमसी चुनाव से पहले शिंदे गुट का यह दावा महाराष्ट्र की सियासत में बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है।

## पति-पत्नी दोनों बने कलेक्टर, 158 किमी की दूरी पर मिली पोस्टिंग

# आईएएस अफसर जयति के नाम से 'थर्राते' हैं माफिया

भोपाल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर आईएएस और आईपीएस अफसरों के तबादले हुए हैं। इसमें कई जिलों के कलेक्टर भी बदल गए हैं। तबादले की सूची आने के बाद आईएएस कपल की चर्चा खूब है। पति-पत्नी एक साथ पहली बार कलेक्टर बने हैं। हालांकि पति पहले भी एक जिले के कलेक्टर रह चुके हैं। इस बार बड़े और अहम जिले की जिम्मेदारी मिली है। हम बात कर रहे हैं आईएएस अफसर शिवम वर्मा और जयति सिंह की है। दरअसल, रात आए तबादले की सूची में आईएएस अफसर शिवम वर्मा को इंदौर का कलेक्टर बनाया गया है। अभी वह इंदौर नगर निगम के कमिश्नर थे। शिवम वर्मा 2013 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वहीं, उनकी पत्नी जयति सिंह 2016 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। जयति सिंह अभी उज्जैन जिला पंचायत की सीईओ थीं। अब उन्हें बड़वानी का कलेक्टर बनाया गया है। आईएएस शिवम वर्मा अपनी पत्नी जयति सिंह से सीनियर हैं। वह 2013 बैच के आईएएस अफसर हैं। इंदौर कलेक्टर बनने से पहले वह श्योपुर के कलेक्टर रह चुके हैं। अब वह दूसरी बार कलेक्टर बने हैं।

वहीं, जयति सिंह का बैच 2016 है। वह मध्य प्रदेश के कई जिलों में तैनात रही हैं। पहली बार वह अपने करियर में कलेक्टर बनी हैं। उन्हें बड़वानी कलेक्टर बनाया गया है। इंदौर से बड़वानी की दूरी लगभग 158 किलोमीटर है। हालांकि शिवम वर्मा पर मोहन सरकार ने बड़ा भरोसा जताया है। उन्हें श्योपुर कलेक्टर के पद से इंदौर लाकर नगर निगम का कमिश्नर बनाया गया था। इंदौर मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी है। इस जिले का प्रभार खुद सीएम मोहन यादव के पास है। हाल की घटित घटनाओं से सरकार की फजीहत हो रही थी। इसके बाद शिवम वर्मा को इंदौर की कमान सौंपी गई है। इससे साफ है कि शिवम वर्मा सीएम मोहन यादव के गुड बुक में हैं।

# पति की हत्या के लिए पत्नी ने बनाया प्लान

## नींद में प्रेमी ने की हत्या की कोशिश, तभी खुल गई नींद; बच गई जान

बेंगलूरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की गला घोंटकर हत्या की कोशिश की। हालांकि पति बच गया। महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को इसलिए मारने की कोशिश की क्योंकि वो अवैध संबंधों में बाधा बन रहा था। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला का नाम सुनंदा है। उसके पति का नाम भीरप्पा पुजारी है। महिला के प्रेमी का नाम सिद्धप्पा क्याथाकेरी है। ये घटना इंडी शहर के अक्कमहादेवी नगर की है। भीरप्पा मयप्पा पुजारी अपनी पत्नी सुनंदा और दो बच्चों के साथ इंडी शहर के अक्कमहादेवी नगर में एक किराए के मकान में रहता था।

सुनंदा पर आरोप है कि उसके सिद्धप्पा क्याथाकेरी के साथ अवैध संबंध थे। इस रिश्ते को जारी रखने के लिए सुनंदा ने भीरप्पा की हत्या की योजना बनाई थी। एक सितंबर की रात, जब भीरप्पा घर में सो रहा था, तब सुनंदा ने अपने प्रेमी के साथ एक अन्य व्यक्ति को बुलाया और उसे मारने की कोशिश की। सुनंदा का प्रेमी और उसका दोस्त घर में आए। फिर सो रहे बिरप्पा की छाती पर बैठकर और उसकी गला घोंटकर उसकी हत्या करने की कोशिश की। उस समय, सुनंदा ने अपने प्रेमी को यह कहकर प्रोत्साहित किया, "सिद्दू मत छोड़ो उसे।"

तभी भीरप्पा जाग गया। इसके बाद भीरप्पा ने लात मारी और शोर मचाया, जिससे मकान मालिक जाग गया। फिर दरवाजा खटखटाया गया, तो भीरप्पा का 8 वर्षीय बेटा उठा और दरवाजा खोला। बाद में, पूरा मामला पता चला। सिद्दप्पा और उसका दोस्त घर से भाग गए। भीरप्पा का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। भीरप्पा द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर इंडी टाउन पुलिस ने उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया।

# मुकेश अंबानी का 2 लाख करोड़ का मेगा प्लान

## तेल नहीं अब एआई और एफएमसीजी से चमकेगी किस्मत?

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन, अब तेल के बिजनेस से हटकर दो नए बड़े क्षेत्रों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एफएमसीजी में धमाल मचाने की तैयारी में हैं. रिलायंस अगले साल जियो इन्फोकॉम को अलग से आईपीओ लाने की प्लानिंग कर रही है, और इसके साथ ही अंबानी इन दो नए सेक्टर्स में इतना बड़ा गेम खेल रहे हैं कि मौजूदा बिजनेस भी छोटे लगने लगें हैं. सवाल ये है कि क्या अंबानी एक साथ एआई और एफएमसीजी जैसे दो बिलियन-डॉलर के नए बिजनेस खड़े कर पाएंगे, वो भी बाकी बिजनेस की रफ्तार बरकरार रखते हुए?रिलायंस की एफएमसीजी कंपनी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड अगले 5 साल में 1 लाख करोड़ रुपये के रेवेन्यू का लक्ष्य लेकर चल रही है. अभी ये कंपनी सालाना 11,500 करोड़ रुपये कमा रही है, लेकिन इसका प्लान है कि इसे 9 गुना बढ़ाकर भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी बन जाए. कैम्पा कोला ने कई राज्यों में कोक और पेप्सी जैसी कंपनियों को टक्कर दे दी है और डबल-डिजिट मार्केट शेयर हासिल किया है. इंडिपेंडेंस ब्रांड, जो रोजमर्रा की चीजें बनाता है, पहले ही 1,000 करोड़ रुपये का रेवेन्यू पार कर चुका है. ये अब भारत से बाहर मिडिल ईस्ट, श्रीलंका, नेपाल और वेस्ट अफ्रीका तक पहुंच रहा है. अगले 12 महीनों में ये 25 देशों में अपने प्रोडक्ट्स बेचने की तैयारी में है. आरसीपीएल अब 10 लाख से ज्यादा दुकानों तक पहुंच चुकी है, जिसमें ज्यादातर छोटे-मोटे स्टोर्स हैं. कंपनी अगले 3 साल में 4.7 बिलियन डॉलर खर्च करके मेगा फूड पार्क्स बनाएगी, जो बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन बढ़ाएंगे. गोल्डमैन सैक्स और एमके ग्लोबल जैसे एक्सपर्ट्स का कहना है कि आरसीपीएल रिलायंस के लिए नया वैल्यू क्रिएशन इंजन बनेगा, जो रिटेल बिजनेस जितना बड़ा और प्रॉफिटेबल हो सकता है.

**एआई में रिलायंस का बड़ा दांव**

रिलायंस अब रिलायंस इंटेलिजेंस के जरिए भारत की सबसे महत्वाकांक्षी एआई कंपनी बनने की राह पर है इसके लिए कंपनी ने दो दिग्गजों के साथ हाथ मिलाया है. मेटा के साथ 70:30 का जॉइंट वेंचर, जिसमें शुरुआती 10 करोड़ डॉलर का निवेश होगा. ये डील दिसंबर 2025 तक पूरी हो सकती है. गूगल क्लाउड के साथ पार्टनरशिप करके जामनगर, गुजरात में एक हाई-टेक एआई-केंद्रित क्लाउड जोन बनाया जा रहा है. ये एआई प्रोजेक्ट भारत का सबसे बड़ा एआई टैलेंट पूल और वर्ल्ड-क्लास एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करेगा. जामनगर की सुविधा रिलायंस के न्यू एनर्जी बिजनेस से पावर लेगी और जियो की फाइबर कनेक्टिविटी से मुंबई-दिल्ली जैसे शहरों से जुड़ेगी.

# पूरी तरह बड़ी कंपनियों के कब्जे में है ट्रंप का अमेरिका!

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में बड़ी कंपनियों का मार्केट कैप तेजी से बढ़ रहा है जबकि कई छोटी कंपनियां दिवालिया हो चुकी हैं। देश के स्टॉक मार्केट में ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट और एनवीडिया की हिस्सेदारी अब 17.5 फीसदी पहुंच गई है। पिछले पांच साल में यह हिस्सेदारी दोगुना पहुंच चुकी है। साल 2010 में देश के स्टॉक मार्केट में इन कंपनियों की सामूहिक हिस्सेदारी महज 3.1 फीसदी और 2015 में 4.2 फीसदी थी। लेकिन अब यह 17.5% पहुंच चुकी है। इन तीनों कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप 11.8 ट्रिलियन डॉलर है। आईफोन बनाने वाली एपल, माइक्रोसॉफ्ट और एनवीडिया का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है। इस लिस्ट में एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया पहले नंबर पर है। हाल के वर्षों में इस कंपनी के शेयरों में काफी तेजी आई है। फिलहाल यह 4.097 ट्रिलियन डॉलर के साथ पहले नंबर पर है। माइक्रोसॉफ्ट 3.703 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे और ऐपल 3.530 ट्रिलियन डॉलर तीसरे नंबर पर है। दुनिया की 10 टॉप कंपनियों में से 8 अमेरिका की हैं।

**दिवालिया होती कंपनियां**

साल के पहले छह महीनों में अमेरिका में 371 बड़ी कंपनियां दिवालिया हो चुकी हैं। यह पिछले 15 साल में सबसे बड़ी संख्या है। इससे पहले साल 2010 में साल की पहली छमाही में अमेरिका में 468 कंपनियां दिवालिया हुई थीं। पिछले साल पहली छमाही में अमेरिका में 335 कंपनियां दिवालिया हुई थी। 2023 में यह संख्या 324 थी जबकि 2022 में 176 कंपनियां दिवालिया हुई थी। इस साल जून में 63 कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया जबकि मई में यह संख्या 64 थी। इस बीच खबर आई है कि अमेरिका का कर्ज 2055 तक 150 ट्रिलियन डॉलर पहुंच सकता है। इससे देश का डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 169 फीसदी पहुंच जाएगा जो अभी 123 फीसदी है। अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज अभी 37 ट्रिलियन डॉलर है। काफी कोशिशों के बाद भी देश कर्ज के जाल में धंसता जा रहा है। उसे इसके ब्याज के भुगतान में भारी रकम देनी पड़ रही है जो देश के रक्षा बजट से भी ज्यादा है।

# 2012 से लगे प्रतिबंध में ढील

## दुर्गा पूजा पर बांग्लादेश से भारत को 1200 टन हिल्सा निर्यात की मंजूरी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने दुर्गा पूजा से पहले भारत को 1,200 टन हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति देने का फैसला किया है। इस मछली को स्थानीय तौर पर इलिश के रूप में जाना जाता है।बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार देर रात एक अधिसूचना में यह जानकारी दी। जुलाई 2012 से बांग्लादेश ने हिल्सा के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन 2019 से दुर्गा पूजा के दौरान भारत को निर्यात के लिए विशेष अनुमति दे दी है ।

**प्रति किलोग्राम हिल्सा का न्यूनतम निर्यात मूल्य 12.50 डॉलर**

अधिसूचना में कहा गया है कि इच्छुक निर्यातकों से कार्यालय समय के दौरान 11 सितंबर, 2025 को शाम 5 बजे तक हार्ड कॉपी में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन के साथ निर्यातक कंपनी का अद्यतन व्यापार लाइसेंस, ईआरसी, आयकर प्रमाण पत्र, वैट प्रमाण पत्र, बिक्री अनुबंध, मत्स्य पालन विभाग से लाइसेंस सहित प्रासंगिक दस्तावेज संलग्न होने चाहिए। इसमें कहा गया है कि सरकार ने प्रति किलोग्राम हिल्सा का न्यूनतम निर्यात मूल्य 12.50 डॉलर निर्धारित किया है।

**बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत को कुल 2420 टन हिल्सा का निर्यात किया**

इससे पहले 27 सितंबर, 2024 को बांग्लादेश से लगभग 45-50 टन वजन वाली पद्मा हिल्सा' की पहली खेप शुक्रवार सुबह पश्चिम बंगाल पहुंची। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत को कुल 2,420 टन हिल्सा मछली का निर्यात किया। हावड़ा के थोक मछली बाजार में हिल्सा मछली का थोक भाव फिलहाल 1,400 से 1,600 रुपये प्रति किलोग्राम है। अपने बेहतरीन स्वाद के लिए मशहूर यह मछली पेट्रापोल-बेनापोल सीमा पार करके हावड़ा बाजार पहुंचती है।

यहां से इसे कोलकाता और उसके आसपास के विभिन्न खुदरा बाजारों में बेचा जाता है।

# सेबी ने 90% सरकारी हिस्सेदारी वाले सार्वजनिक उपक्रमों की आसान डीलिस्टिंग के लिए नियम बनाए

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)।बाजार नियामक सेबी ने ऐसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) की स्वैच्छिक डीलिस्टिंग के लिए विशेष नियम बनाए हैं, जिनमें सरकार की 90 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी है। सेबी की ओर से किए गए उपायों में सार्वजनिक शेयरधारकों की ओर से डीलिस्टिंग को मंजूरी देने के लिए दो-तिहाई सीमा की आवश्यकता में ढील और न्यूनतम मूल्य की गणना के तरीके में ढील शामिल है। इसके अलावा, ऐसी डीलिस्टिंग एक निश्चित मूल्य पर हो सकती है। यह न्यूनतम मूल्य फ्लोर प्राइस से कम से कम 15 प्रतिशत प्रीमियम के साथ होनी चाहिए, चाहे ट्रेडिंग कितने ही अंतराल पर क्यों न हो रहा हो। सेबी ने 1 सितंबर की अपनी अधिसूचना में कहा कि यह नियम सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और बीमा कंपनियों को छोड़कर) पर लागू होगा, जहां राज्य के पास 90 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी है।

# गरीब या अमीर किस लिस्ट में शामिल है नेपाल, ऐसे चलती है देश की अर्थव्यवस्था

काठमांडू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हिमालय की गोद में बसा नेपाल कभी एक रजवाड़ा था. फिर वहां राजशाही खत्म हुई और लोकतंत्र आया. लोगों को उम्मीद थी कि अब देश तरक्की करेगा, लेकिन हकीकत इससे काफी अलग निकली. देश में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता ने लोगों की उम्मीदें तोड़ दीं. हाल ही में जब सरकार ने सोशल मीडिया बैन करने की बात की, तो हजारों युवा सड़कों पर उतर आए. ये साफ दिखाता है कि जनता सरकार से नाराज़ है और बदलाव चाहती है. अब बात करें नेपाल की आर्थिक स्थिति की, तो नेपाल न तो सबसे गरीब देशों में आता है और न ही अमीर देशों में. विश्व बैंक की रिपोर्ट (2025) के मुताबिक, नेपाल की प्रति व्यक्ति जीडीपी लगभग 1,400 डॉलर है. इसका मतलब ये है कि नेपाल उन देशों से बेहतर स्थिति में है जिनकी प्रति व्यक्ति आमदनी 1,000 डॉलर से भी कम है — जैसे कि दक्षिण सूडान या बुरुंडी. लेकिन वहीं लक्ज़मबर्ग और सिंगापुर जैसे अमीर देशों की प्रति व्यक्ति जीडीपी 50,000 डॉलर से ज्यादा है, तो उनसे नेपाल बहुत पीछे है. इसलिए नेपाल को "निम्न-मध्यम आय वाला देश" माना जाता है. जहां आमदनी कम है, वहीं नेपाल की आर्थिक वृद्धि यानी जीडीपी में हाल के वर्षों में थोड़ा सुधार दिख रहा है. वर्ल्ड बैंक के मुताबिक 2025 में नेपाल की जीडीपी 43.42 अरब डॉलर रहने का अनुमान है. जबकि साल 2024 में नेपाल की जीडीपी 42.91 अरब डॉलर थी. साल 2023 की बात करे तो उस वक्त नेपाल की जीडीपी 41.05 अरब डॉलर थी. हालांकि 2023 में 2022 के मुकाबले थोड़ी गिरावट आई थी, लेकिन अब फिर से आर्थिक बढ़त हो रही है.

**आधी अर्थव्यवस्था कर्ज में डूबी**

नेपाल की सबसे बड़ी चुनौती उसका कर्ज है. जुलाई 2023 में सार्वजनिक कर्ज 24 लाख करोड़ रुपये था, जो फरवरी 2024 तक बढ़कर 26 लाख करोड़ हो गया. अब यह कर्ज जीडीपी का 45.77 प्रतिशत है. एक दशक पहले यह आंकड़ा केवल 22 प्रतिशत था. कुल कर्ज में विदेशी हिस्सा 50.87 प्रतिशत और घरेलू हिस्सा 49.13 प्रतिशत है. यानी नेपाल अपनी कमाई से ज्यादा उधारी पर टिक गया ह

**प्रवासी मजदूरों से चल रही है अर्थव्यवस्था**

नेपाल की आर्थिक रीढ़ प्रवासी मजदूर हैं. लाखों नेपाली खाड़ी देशों, मलेशिया, भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया में काम करते हैं और घर पैसा भेजते हैं. यही रकम रेमिटेंस कहलाती है और इसी पर नेपाल की अर्थव्यवस्था टिकी है.विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि 2022 में नेपाल की जीडीपी का लगभग 21.8 प्रतिशत हिस्सा रेमिटेंस से आया. कई रिपोर्टों में यह हिस्सा 25 से 30 प्रतिशत तक बताया गया है. नेपाल राष्ट्र बैंक के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में 1.723 ट्रिलियन नेपाली रुपये का रेमिटेंस आया, जो पिछले साल से 19.2 प्रतिशत ज्यादा है.डॉलर में देखें तो यह 12.64 अरब डॉलर बैठता है.

# क्या बढ़ने वाली है रिटर्न फाइलिंग की डेडलाइन? 15 सितंबर है लास्ट डेट

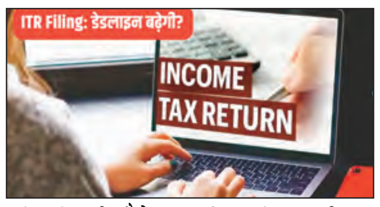


नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)।आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर 2025, अब नजदीक है लेकिन अभी तक इस वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रिटर्न दाखिल करने की रफ्तार काफी धीमी है. बता दें कि 7 सितंबर तक 13.35 करोड़ रजिस्टर्ड करदाताओं में से केवल 4.89 करोड़ ने ही अपना रिटर्न फाइल किया है. इनमें से भी 4.63 करोड़ रिटर्न वेरिफाई हुए हैं और सिर्फ 3.35 करोड़ रिटर्न ही प्रोसेस किए गए हैं. यह स्थिति करदाताओं के बीच चिंता बढ़ा रही है और कई लोगों का मानना है कि आयकर विभाग समय सीमा बढ़ा सकता है. इस बार कई कारणों से आईटीआर फाइलिंग की अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग जोर पकड़ रही है. सबसे बड़ी समस्या आयकर विभाग के ऑनलाइन पोर्टल से जुड़ी है. कई करदाताओं और प्रोफेशनल्स ने लॉगिन और ई-फाइलिंग के दौरान बार-बार तकनीकी गड़बड़ियों की शिकायत की है. इसके अलावा वार्षिक सूचना विवरण और फॉर्म 26एएस में वित्तीय आंकड़ों में तालमेल नहीं होने के कारण करदाताओं को समझने और फाइल करने में दिक्कत हो रही है. बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन, सूरत और फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जैसे व्यापारिक संगठन भी इन समस्याओं को लेकर चिंतित हैं. उन्होंने कहा है कि इस साल रिटर्न फाइल करने का काम सामान्य से कहीं ज्यादा मुश्किल और समय लेने वाला हो गया है.इस बार आईटीआर फॉर्म और यूटिलिटीज में कई बदलाव किए गए हैं, जिससे करदाताओं के लिए रिटर्न फाइल करना थोड़ा जटिल हो गया है. इसके अलावा, नए ऑडिट रिपोर्ट फॉर्मेट ने भी अकाउंटेंट्स और प्रोफेशनल्स पर अलग से दबाव डाला है. ऐसे में समय की कमी के कारण ज्यादातर टैक्सपेयर्स और प्रोफेशनल्स रिपोर्टिंग पूरा नहीं कर पा रहे हैं. इसी वजह से वे केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड से रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने की अपील कर रहे हैं. फाइनेंशियल एक्सप्रेस की खबर के अनुसार, टैक्स एक्सपर्ट्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को उम्मीद है कि सरकार आईटीआर फाइलिंग की समय सीमा को बढ़ा सकती है. खासकर उन करदाताओं के लिए जिनका ऑडिट नहीं होता, 15 सितंबर की डेडलाइन थोड़ी मुश्किल लग रही है.

# नेपाल जाने वाली एयर इंडिया की कई उड़ानें कैंसिल

## इंडिगो के विमानों ने लखनऊ में की लैंडिंग

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में जारी राजनीतिक संकट के बीच एयर इंडिया ने काठमांडू जाने वाली तीन उड़ानों को रद्द कर दिया है। एयरलाइन ने बताया कि दिल्ली और काठमांडू के बीच तीन फ्लाइट्स कैंसिल कर दी है। इसी तरह इंडिगो की काठमांडू जाने वाली दो फ्लाइट्स को लखनऊ में उतारना पड़ा। दिल्ली और मुंबई से उड़ी इन फ्लाइट्स को काठमांडू में उतरने के लिए क्लीयरेंस नहीं मिली। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि काठमांडू में जारी स्थिति को देखते हुए नई दिल्ली और काठमांडू के बीच फ्लाइट नंबर एआई2231/2232, एआई2219/2220 और एआई217/218 को आज कैंसिल कर दिया गया है। हम स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं और इस बारे में अपडेट साझा किए जाएंगे। खबरों के मुताबिक नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है।

**इंडिगो की फ्लाइट्स**

इस बीच देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की नेपाल जा रही दो उड़ानों को वहां उतरने की अनुमति नहीं मिली और उन्हें लखनऊ में उतरना पड़ा। फ्लाइट संख्या 6ई1157 ने दिल्ली से और 6ई1157 ने मुंबई से काठमांडू के लिए उड़ान भरी थी। कंपनी का कहना है कि लखनऊ में रिफ्यूलिंग के बाद दोनों विमान उन्हीं शहरों की तरफ रवाना होंगी जहां से वे चली थीं।

# सोना ऑलटाइम हाई पर, 1106 बढ़कर 1.09 लाख/10 ग्राम पहुंचा

## इस साल कीमत 33,000 बढ़ी; चांदी 1.25 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 9 सितंबर को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार आज सोना 1,106 रुपए बढ़कर 1,09,143 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले सोना 1,08,037 रुपए पर था। वहीं, चांदी 276 रुपए बढ़कर 1,24,689 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,24,413 रुपए थी। वहीं, इस महीने यानी सितंबर में ही सोना 6,755 रुपए महंगा हो चुका है। 31 अगस्त को ये 1,02,388 रुपए पर था। वहीं चांदी की कीमत इस दौरान 7,117 रुपए बढ़ी है। 31 अगस्त को ये 1,17,572 रुपए पर थी।

**इस साल अब तक सोने की कीमत** 32,981 रुपए (40%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,09,143 रुपए का हो गया है।चांदी का भाव भी इस दौरान 38,672 रुपए (43%) बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,24,689 रुपए प्रति किलो हो गई है।

**देश के बड़े शहरों में सोने की कीमत**

| शहर | 10 ग्राम 24 कैरेट | 10 ग्राम 22 कैरेट |
|---|---|---|
| जयपुर | ₹1,10,440 | ₹1,01,250 |
| इंदौर | ₹1,10,340 | ₹1,01,150 |
| पटना | ₹1,10,730 | ₹1,01,500 |
| लखनऊ | ₹1,10,440 | ₹1,01,250 |
| कानपुर | ₹1,10,440 | ₹1,01,250 |
| रायपुर | ₹1,10,730 | ₹1,01,500 |
| अहमदाबाद | ₹1,10,340 | ₹1,01,150 |
| हैदराबाद | ₹1,10,730 | ₹1,01,500 |

# हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

## सेंसेक्स 314 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी उछाल

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 314.02 अंक या 0.39 प्रतिशत उछलकर 81,101.32 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.45 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,868.60 पर आ गया। लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 314.02 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,101.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 394.07 अंक या 0.48 प्रतिशत बढ़कर 81,181.37 अंक पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.45 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,868.60 अंक पर पहुंच गया, जो लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस में 5.03 प्रतिशत की तेजी आई, क्योंकि भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि उसका बोर्ड 11 सितंबर को इक्विटी शेयरों की पुनर्खरीद के प्रस्ताव पर विचार करेगा। टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फिनसर्व भी लाभ में रहे। हालांकि, ट्रेंट, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और एनटीपीसी पिछड़ने वालों में शामिल रहे। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा, इंफोसिस की 11 सितंबर को शेयर बायबैक पर विचार करने की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में मजबूती से मंगलवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। इस खबर से सेक्टर की धारणा में सुधार हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,170.35 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,014.30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.80 प्रतिशत बढ़कर 66.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सोमवार को सेंसेक्स 76.54 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 80,787.30 पर बंद हुआ और निफ्टी 32.15 अंक या 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,773.15 पर बंद हुआ।

## दैनिक पंचांग

**ग्रह गोचर**

संवत् 2082 · शक संवत् 1947 · 2551

| | |
|---|---|
| सिंह | 04-28 बजे |
| मीन | 06-34 बजे |
| कन्या | 08-40 बजे |
| सिंह | 10-49 बजे |
| | 13-03 बजे |
| कर्क | 15-10 बजे |
| | 17-00 बजे |
| | 18-42 बजे |
| | 20-18 बजे |
| | 22-03 बजे |
| | 00-04 बजे |
| | 02-15 बजे |

उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले

तृतीया 15-38 तक उपरान्त चतुर्थी

आश्विन कृष्ण ,बुधवार 10 September

रेवती 16-03 तक उपरान्त अश्विनी

वृद्धि 20-31 तक ध्रुव

विष्टी (भद्रा) 15-38 तक उप बव

तृतीया, चतुर्थी श्राद्ध

चतुर्थी व्रत

**राहुकाल** 12-13 से 13-45 तक

**पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710**

| दिन का चौघडिया | रात का चौघडिया |
|---|---|
| लाभ 06-06 - 07-37 शुभ | उत्पात 18-23 - 19-49 अशुभ |
| अमृत 07-37 - 09-09 शुभ | शुभ 19-49 - 21-17 शुभ |
| काल 09-09 - 10-41 अशुभ | अमृत 21-17 - 22-45 शुभ |
| शुभ 10-41 - 12-13 शुभ | चंचल 22-45 - 00-13 शुभ |
| रोग 12-13 - 13-45 अशुभ | रोग 00-13 - 01-41 अशुभ |
| उत्पात 13-45 - 15-17 अशुभ | काल 01-41 - 03-09 अशुभ |
| चंचल 15-17 - 16-49 शुभ | लाभ 03-09 - 04-37 शुभ |
| लाभ 16-49 - 18-23 शुभ | उत्पात 04-37 - 06-06 अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो,ला,ली, लू, ले,लो,अ,) — इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं ।आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है ।

**वृष** (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आपको पानी के प्रतिधारण पर नज़र रखनी चाहिए।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा ।हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ,आपको यह भी देखना होगा कि क्या यह बदलाव आपके लिए आने वाले समय में लाभकारी साबित होंगे।

**मकर** (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं ।आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं ।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

**श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र**

# काशी में त्रिपिंडी श्राद्ध

## पितरों की मुक्ति और वंशजों का कल्याण

सुरेश गांधी


काशी, जिसे अनंत मुक्तिधाम कहा जाता है, भारतीय संस्कृति और धर्म के गहन रहस्यों का केंद्र है। यहां का पिशाचमोचन कुंड विशेष रूप से पितरों की शांति और मोक्ष के लिए प्रसिद्ध है। इसी कुंड पर संपन्न होने वाला त्रिपिंडी श्राद्ध अपने आप में अद्वितीय है, जो न केवल पितरों को प्रेतबाधा और अकाल मृत्यु की पीड़ा से मुक्त करता है, बल्कि वंशजों को भी पितृ ऋण से मुक्ति प्रदान करता है। मतलब साफ है काशी केवल भारत ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व के हिंदुओं के लिए मोक्षधाम है। यहां मृत्यु होने पर महादेव स्वयं आत्मा को मुक्त करते हैं। पिशाचमोचन कुंड में त्रिपिंडी श्राद्ध कराने से पितरों को शीघ्र मुक्ति मिलती है। विदेशी हिंदू भी अपने पितरों का श्राद्ध कराने काशी आते हैं। यह अनुष्ठान पीढ़ियों के लिए आध्यात्मिक सेतु का कार्य करता है। वैसे भी श्राद्ध केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि स्मृति और कृतज्ञता का संस्कार है। ब्राह्मण भोज और दान से सामाजिक समरसता बढ़ती है। यही वजह है महाकवियों और पुराणों में भी पितृकर्म को धर्म और नीति का अंग बताया गया है. त्रिपिंडी श्राद्ध केवल पूर्वजों की आत्मा की शांति नहीं कराता, बल्कि वंशजों को भी पितृ ऋण से मुक्ति दिलाता है। यह संस्कार जीवन और मृत्यु के बीच सांस्कृतिक सेतु का काम करता है। काशी के पिशाचमोचन कुंड में होने वाला त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों की संतुष्टि और वंशजों के जीवन में सुख-शांति सुनिश्चित करता है। यह हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है, कृतज्ञता का पाठ पढ़ाता है और भविष्य की पीढ़ियों के कल्याण का मार्ग दिखाता है. इस कर्मकांड में तीन पीढ़ियों के पिंडदान का दिव्य अनुष्ठान होता है. तीन पिंड, तीन ध्वज और तीन देवता : ब्रह्मा, विष्णु और महेश की विशेष साधना की जाती है।

भारतीय जीवनदर्शन में मनुष्य मात्र शरीर और आत्मा का संयोग नहीं, बल्कि तीन ऋणों का धारक है : देवऋण, ऋषिऋण और पितृऋण। इन ऋणों में पितृऋण सबसे सहज, किन्तु सबसे गंभीर माना गया है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं, वह अपने पूर्वजों की देन है। उनके द्वारा बोए गए संस्कार, अर्जित संपत्ति, संचित पुण्य और जीवन की परंपराएं ही हमें प्राप्त होती हैं। इसी ऋण से मुक्त होने के लिए श्राद्ध का विधान है, और जब कई पीढ़ियों का स्मरण एक साथ किया जाए तो वह कहलाता है, त्रिपिंडी श्राद्ध। त्रिपिंडी श्राद्ध यानी पिछली तीन पीढ़ियों के पूर्वजों के पिंडदान। यदि किसी परिवार में किसी पूर्वज की मृत्यु कम उम्र, अकाल या वृद्धावस्था में हुई हो, तो उनकी आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए यह अनुष्ठान अनिवार्य माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, पितर ही अपने कुल की रक्षा करते हैं। यदि उनकी तृप्ति न हो तो वंशजों का जीवन बाधाओं, रोग और असफलताओं से प्रभावित हो सकता है। त्रिपिंडी श्राद्ध के माध्यम से पितरों को संतुष्टि मिलती है और आने वाली पीढ़ियों का कल्याण सुनिश्चित होता है। मतलब साफ है त्रिपिंडी श्राद्ध केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि पितृलोक और जीवित लोक को जोड़ने वाला आध्यात्मिक सेतु है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा अस्तित्व अकेला नहीं, बल्कि शताब्दियों की परंपराओं, तप और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। जैसे वृक्ष की जड़ें सिंचित होने पर शाखाएं हरी-भरी होती हैं, वैसे ही पितरों को तृप्त करने पर संतानों का जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण होता है।

यथार्थ में यह केवल तीन पीढ़ियों का तर्पण मात्र नहीं, बल्कि संपूर्ण पितृपरंपरा के प्रति समर्पित आह्वान है। ऐसा माना जाता है कि जब पूर्वजों को भूले-भटके संतानों द्वारा स्मरण नहीं मिलता, तब वे त्रिपिंडी श्राद्ध की कामना करते हैं। 'महाभारत' में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध की महिमा समझाते हुए कहा था कि "श्राद्ध तर्पण से पितर संतुष्ट होकर वंशजों को दीर्घायु, संतति, धन और धर्म की सिद्धि प्रदान करते हैं।" पद्मपुराण में उल्लेख है कि यदि श्राद्ध विधि से न किया जाए तो पितृ आत्माएं 'प्रेत योनि' में भटकती रहती हैं और स्वप्न में संकेत देती हैं। ऐसे में त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों को स्थायी शांति और तृप्ति प्रदान करता है। कहा जा सकता है त्रिपिंडी श्राद्ध भारतीय जीवन की उस परंपरा का प्रतीक है, जहां मनुष्य अपने जीवन को केवल स्वयं तक सीमित न रखकर, अतीत और भविष्य की कड़ी के रूप में जीता है। यह संस्कार स्मरण कराता है कि पितरों को तृप्त कर हम न केवल अपने ऋण का निर्वाह करते हैं, बल्कि अपने वंश की जड़ों को भी सींचते हैं। कालिदास ने रघुवंश में पितरों को अन्न-जल अर्पित करने का उल्लेख किया है। तुलसीदास ने रामचरितमानस में श्राद्ध को धर्म और नीति का अंग बताया। लोकगीतों और कथाओं में पितृपक्ष को 'कातिके बरखा' की तरह भावुकता से जोड़ा गया है।

**त्रिपिंडी श्राद्ध की तिथियां और विधि**

पितृपक्ष, भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक, पितरों की आत्माओं के स्वागत और श्राद्ध के लिए विशेष काल माना जाता है। यही वह काल है जब माना जाता है कि पितरों की आत्माएं अपने वंशजों के पिंडदान और तर्पण की प्रतीक्षा करती हैं। इसके लिए भोर की बेला में शुद्ध स्नान के पश्चात संकल्प लिया जाता है। कुश के आसन पर बैठकर, तिल, चावल, जौ, घी और मधु से तीन पिंड बनाए जाते हैं। यह तीनों पिंड क्रमशः तमोगुणी प्रेतों के लिए, रजोगुणी प्रेतों के लिए, सात्त्विक प्रेतों के लिए। किया जाता है. इन पिंडों के साथ तीन ध्वज भी लगाए जाते हैं, काला, लाल और सफेद। ये ध्वज क्रमशः तामस, राजस और सात्त्विक योनियों की मुक्ति का प्रतीक हैं। इस विधि में ब्रह्मा, विष्णु और महेश की पूजा विशेष रूप से की जाती है। ब्रह्मा : जीवन के सृजन और मृत्यु के क्षरण का प्रतीक। विष्णु : संतुलन और करुणा के देवता, जो दुःख हरते हैं। शिव : संहारक होते हुए भी करुणामूर्ति, जो आत्मा को मोक्ष प्रदान करते हैं। मंत्रोच्चार के साथ एक-एक पिंड क्रमशः पितृ, पितामह और प्रपितामह को अर्पित किया जाता है। तर्पण के पश्चात ब्राह्मण भोजन कराया जाता है और दक्षिणा अर्पित कर यह अनुष्ठान पूर्ण होता है। त्रिपिंडी श्राद्ध किसी भी दिन किया जा सकता है, किंतु शास्त्रकारों ने विशेष तिथियां बताई हैं, पंचमी, अष्टमी, एकादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी व अमावस्या. इन दिनों में किया गया त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों को अधिक शीघ्र और स्थायी संतुष्टि प्रदान करता है। विशेष रूप से अमावस्या का दिन पितृमोक्ष का प्रधान दिन माना गया है। इसके विधि-विधान इस प्रकर है : **(जारी)**

# पितृपक्ष की पहली संकष्टी चतुर्थी

## सुबह और शाम को करें भगवान गणेश की पूजा, दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान

बुधवार, 10 सितंबर को गणेश चतुर्थी व्रत किया जाएगा। अभी पितृ पक्ष चल रहा है और इस पक्ष की चतुर्थी का महत्व काफी अधिक है। इस तिथि पर पितरों के लिए धर्म-कर्म करने और भगवान गणेश की पूजा-व्रत करने का शुभ योग बन रहा है।

10 सितंबर की शाम 6 बजे तक आश्विन कृष्ण तृतीया तिथि रहेगी, इस वजह से इस दिन तृतीया तिथि के श्राद्ध कर्म किए जाएंगे। शाम 6 बजे के बाद चतुर्थी तिथि शुरू होगी। गणेश चतुर्थी व्रत में चंद्र दर्शन करने की परंपरा है, 10 सितंबर की रात में चंद्र उदय चतुर्थी तिथि में ही होगा। अगले दिन 11 सितंबर की दोपहर में करीब 3.40 बजे के बाद पंचमी तिथि शुरू होगी और इस दिन चंद्र उदय पंचमी तिथि में ही होगा। इसलिए 10 सितंबर को चतुर्थी व्रत करना श्रेष्ठ है। बुधवार को तृतीया का श्राद्ध - पितृ पक्ष की तृतीया पर उन पूर्वजों के लिए श्राद्ध कर्म करें, जिनकी मृत्यु किसी भी महीने की तृतीया तिथि पर हुई हो।

चतुर्थी व्रत से जुड़ी खास बातें

चतुर्थी तिथि के स्वामी भगवान गणपति हैं, क्योंकि इसी तिथि पर उनका अवतार हुआ था। जो लोग गणेश जी को अपना आराध्य मानते हैं, वे लोग सालभर की सभी चतुर्थियों पर व्रत-उपवास करते हैं।

एक साल में कुल 24 चतुर्थियां आती हैं और जब किसी वर्ष में अधिकमास आता है तो इस तिथि की संख्या 26 हो जाती है।

चतुर्थी व्रत घर-परिवार की सुख-समृद्धि बनाए रखने की कामना से किया जाता है। महिला और पुरुष दोनों ये व्रत कर सकते हैं।

जो लोग चतुर्थी व्रत करना चाहते हैं, उन्हें सुबह गणेश जी की पूजा करनी चाहिए और पूजा में भगवान के सामने चतुर्थी व्रत करने का संकल्प लेना चाहिए।

व्रत करने वाले भक्त को दिनभर अन्न का त्याग करना चाहिए। जो लोग दिनभर भूखे नहीं रह पाते हैं, वे एक समय फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों के रस का सेवन कर सकते हैं। दिन में गणेश जी की कथाएं पढ़ें-सुनें। गणेश जी के मंत्रों का जप करें। ग्रंथों का पाठ करें।

चतुर्थी व्रत में चंद्र पूजा करने की परंपरा है। शाम को सूर्यास्त के बाद जब चंद्र उदय हो, तब चंद्र देव के दर्शन करें और अर्घ्य अर्पित करें। चंद्र देव की पूजा करें।

शाम को चंद्र पूजा के साथ ही घर के मंदिर में गणेश जी की पूजा करें। पूजा के बाद व्रत का पारण करें। ये व्रत करने की सामान्य विधि है। इस तरह चतुर्थी व्रत पूरा हो जाता है।

इस बार बुधवार को चतुर्थी तिथि है, इसलिए इस दिन बुध ग्रह की भी पूजा करनी चाहिए। बुध ग्रह के मंत्र ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः का जप करें। बुध ग्रह के लिए हरे मूंग का दान करें।

दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान

पितरों के श्राद्ध करने का सबसे अच्छा समय दोपहर का ही माना जाता है। दोपहर में करीब 12 बजे गाय के गोबर से बना कंडा जलाएं और जब कंडे से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें, पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को चढ़ाएं।

# उधारी से राहत का अचूक उपाय नमक और थाली से करें ये आसान टोटका

आजकल बहुत से लोग कर्ज और उधारी के बोझ से परेशान हैं। चाहे बैंक का लोन हो, दोस्तों से लिया हुआ पैसा हो या व्यापार में लगी उधारी, तनाव हमेशा सिर पर रहता है। कई बार मन करता है कि सब कुछ तुरंत खत्म हो जाए और हम चैन की सांस ले सकें। ऐसे में लोग अलग-अलग उपाय आज़माते हैं, लेकिन हर चीज़ तुरंत असर नहीं करती। जैसे फसल बोने के बाद फल आने में समय लगता है, वैसे ही उपायों को भी असर दिखाने में वक्त लगता है, अगर आप धैर्य से और सही तरीके से उपाय करेंगे, तो धीरे-धीरे कर्ज चुकाने के रास्ते खुलने लगते हैं।

**उपाय करने का तरीका**

**शुक्रवार को शुरुआत करें**

इस उपाय को केवल शुक्रवार के दिन करना है। उस दिन सुबह सबसे पहले अपने कुल देवता या घर के इष्ट देवता की पूजा करें। धूप, दीप, फूल चढ़ाकर आशीर्वाद लें।

**नमक तैयार करें**

पीतल, तांबे या मिट्टी की थाली लें। स्टील का इस्तेमाल न करें। उसमें साबुत नमक भरें और अगर चाहें तो उसे हल्का पीस भी सकते हैं। यह नमक ज्यादा महंगा नहीं होता, आधा किलो भी काफी है।

**कर्ज की रकम लिखें**

अब एक कागज पर अपना कर्ज जितना भी है – जैसे 10,000, 50,000 या 7,00,000 – वह पूरी संख्या में लिखें। ध्यान रहे, शब्दों में न लिखें, सिर्फ अंकों में ही लिखें।

**थाली को देवस्थान में रखें**

नमक से भरी थाली और उस पर लिखा हुआ कर्ज का नंबर देवस्थान में रख दें। वहां पर धूप दीप जलाकर प्रार्थना करें कि जैसे यह नमक मिट्टी में मिल जाएगा, वैसे ही आपकी उधारी भी खत्म हो जाए।

**रातभर वही रखें**

थाली को रातभर उसी जगह पर रहने दें। ध्यान रखें, उसे कोई हिलाए नहीं और न ही लिखा हुआ नंबर मिटे।

**अगले दिन चेक करें**

सुबह देखें कि लिखा हुआ नंबर सही है या मिट गया है, अगर नंबर साफ है, तो अगले चरण पर जाएं, अगर मिट गया है, तो यह संकेत है कि कोई ग्रह बाधा है। ऐसे में उसी प्रक्रिया को फिर से करें।

**मटकी में भरें और 11 दिन रखें**

अगर नंबर सही है तो उस नमक को एक नई मिट्टी की मटकी में भर दें। मटकी के ऊपर कपड़ा बांधकर उसे वापस देवस्थान में रख दें। यह मटकी वहीं 11 दिन तक रहेगी।

**नदी में विसर्जन करें**

11 दिन पूरे होने के बाद उस मटकी को किसी बहती नदी या जलधारा में ले जाकर डाल दें। इस दौरान प्रार्थना करें कि जैसे यह नमक बह रहा है, वैसे ही आपकी सारी उधारी भी बह जाए।

**क्या मिलेगा इस उपाय से ?**

इस उपाय को करने से मन में आत्मविश्वास बढ़ता है और धीरे-धीरे कर्ज चुकाने के रास्ते खुलने लगते हैं। पैसा आने के नए साधन बनने लगते हैं और उधारी चुकाने में आसानी होती है। कई लोग बताते हैं कि इस उपाय से उनके जीवन में बहुत फर्क पड़ा और उन्हें राहत मिली।

**ध्यान रखने योग्य बातें**

उपाय केवल शुक्रवार को ही करें।

थाली या मटकी में नमक भरने के बाद उसे हिलाएं नहीं।

कर्ज की राशि हमेशा अंकों में ही लिखें।

अगर नंबर मिट जाए तो उसे ग्रह बाधा मानकर दोबारा उपाय करें।

मटकी को केवल बहते पानी में ही विसर्जित करें।

**हमारी बातों में हमारे संस्कार, विचार, पूर्वज, वंश, परंपरा और संस्कृति**

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए बात करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

कुछ भी बोलने से पहले हमें सोच-विचार करना चाहिए। हमारी अभिव्यक्ति में मधुरता, सत्यता, प्रियता होनी चाहिए। हमारी बातों में हमारे संस्कार, विचार, पूर्वज, वंश, परंपरा और संस्कृति की झलक दिखाई देती है। हम किसी संस्कृति, परिवार, विचार, परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए अपने शब्दों के संबंध में बहुत सतर्क रहना चाहिए।

# पितृपक्ष में भगवान की पूजा करें या छोड़ दें? पिंडदान, तर्पण और दान का सही तरीका

पितृपक्ष जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण है। यह 16 दिनों तक चलता है। इस समय लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान, तर्पण और ब्राह्मण भोज जैसे धार्मिक अनुष्ठान करते हैं।

जिस तिथि को आपके पूर्वज का निधन हुआ था उसी दिन श्राद्ध करना चाहिए। इससे उनकी आत्मा को शांति मिलती है और परिवार में खुशहाली आती है।

तर्पण में काले तिल, जौ और जल से पितरों को अर्घ्य दिया जाता है। पिंडदान और ब्राह्मण भोज करना अनिवार्य है। यदि ब्राह्मण न मिलें तो जरूरतमंद या गाय को भोजन कराया जा सकता है। यह हर दिन नियमित करना चाहिए।

पितृपक्ष में दान करना बहुत शुभ माना जाता है। अन्न, वस्त्र, जूते और अन्य जरूरी चीजें दान करें। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और परिवार में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

इस दौरान मांस, शराब और तामसिक भोजन से परहेज करें। विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन या नए व्यवसाय की शुरुआत न करें। बाल और नाखून न काटें नए कपड़े, गहने या अन्य वस्तुएं न खरीदें।

पितृपक्ष में भोजन में लहसुन और प्याज का प्रयोग न करें। घर में साफ-सफाई रखें और शांत वातावरण बनाए रखें। किसी से बहस या झगड़ा न करें। इससे पितरों की पूजा का फल मिलता है और घर में सुख-शांति रहती है।

पितृपक्ष में पितरों की पूजा के साथ देवी-देवताओं की पूजा भी करनी चाहिए। पूजा के बिना श्राद्ध और पिंडदान का फल पूरा नहीं मिलता। भगवान की पूजा नियमित रूप से करनी चाहिए।

पितरों की तस्वीर कभी देवी-देवताओं के साथ न रखें। तस्वीर का मुख हमेशा दक्षिण दिशा की तरफ रखें और एक से अधिक तस्वीर न रखें। इससे नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती और श्राद्ध के लाभ पूर्ण रूप से मिलते हैं।

# पितृपक्ष में घर बैठे करें ये काम

आमतौर पर लोग गया जाकर पिंडदान और तर्पण करते हैं, लेकिन हर किसी के लिए वहां जाना संभव नहीं होता। ऐसे में घर पर रहते हुए भी अपने पितरों को प्रसन्न किया जा सकता है और श्रद्धांजलि दी जा सकती है। यह समय ऐसा है जब घर-परिवार में पितरों को याद करके उन्हें जलांजलि दी जाए तो माना जाता है कि उनके आशीर्वाद से संतानों का भाग्य चमक उठता है।

अन्न दान करना बड़ा पुण्यकारी माना जाता है

भद्रे पूर्णिमा से लेकर अश्विन अमावस्या तक पूरे 16 दिन पितृपक्ष कहलाते हैं। मान्यता है कि इस अवधि में पितर आकाश मार्ग से आते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनकी संतान उन्हें याद करे। ऐसे दिनों में अनावश्यक खरीदारी से बचना चाहिए और पितरों की तिथि पर दाल-चावल, नमक जैसे सरल अन्न दान करना बड़ा पुण्यकारी माना जाता है। सबसे सरल और श्रेष्ठ उपाय है गौसेवा। जिस दिन पितरों की तिथि हो उस दिन गाय को गुड़ और हरा चारा खिलाने से सभी पितर तृप्त हो जाते हैं। गरुड़ पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है।

इसके अलावा घर पर बना हुआ भोजन...चाहे पूरी हो या सब्जी...किसी गरीब, ब्राह्मण या मंदिर में अर्पित करना चाहिए। अगर किसी को अपने पितरों की तिथि का ज्ञान नहीं है तो अमावस्या के दिन सर्वपितृ विसर्जन तिथि पर अन्न-दान और गौसेवा से पितरों को तृप्त किया जा सकता है।

**क्या है तर्पण विधि**

महंत कामेश्वरानंद का कहना है कि घर बैठे रोजाना सुबह-सुबह हाथ में जल और काले तिल लेकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके पितरों का नाम स्मरण करते हुए तर्पण करना चाहिए। इसे जलांजलि कहते हैं। गमले या किसी पात्र में यह जल चढ़ाकर दक्षिण दिशा की ओर अर्पित किया जा सकता है। बस दो मिनट की यह साधना पितरों को संतुष्ट करती है।

**श्रद्धा-भाव सबसे बड़ी पूंजी**

कहते हैं...जैसा अन्न वैसा मन... इसलिए पितरों के निमित्त दिया गया हर कण हमारे लिए पुण्य का कारण बनता है। जो लोग सोचते हैं कि बिना गया गए श्राद्ध पूरा नहीं होता उनके लिए यह जानना जरूरी है कि श्रद्धा-भाव सबसे बड़ी पूंजी है। अपने घर पर ही पितरों का स्मरण कर जल और अन्न अर्पित कर गाय और गरीब को भोजन खिलाकर हम उनके आशीर्वाद के हकदार बन सकते हैं। यही सच्ची श्रद्धांजलि है जो हमारे जीवन की नैया पार लगाती है।

# नॉर्थ ईस्ट में किताबें रखने की गलती न करें

**1. सही वातावरण का महत्व**

बच्चों की पढ़ाई के लिए सबसे पहले जरूरी है सही वातावरण, अगर घर में बच्चों की किताबें बिना किसी नियम के रखी जाएँ, तो बच्चे की आदत गलत दिशा में चली जाती है. किताबें उनके लिए सिर्फ बोझ बन जाती हैं. इसलिए पढ़ाई की जगह साफ, शांत और व्यवस्थित होनी चाहिए।

**2. सिर्फ किताबें नहीं, सीखने का तरीका भी जरूरी है**

कई बार माता-पिता केवल किताबें खरीद देते हैं, लेकिन यह नहीं देखते कि बच्चे उनका सही तरीके से उपयोग कर रहे हैं या नहीं. पढ़ाई सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए. बच्चों को समझने की आदत डालनी चाहिए, सवाल पूछने दें, प्रयोग करने दें. इससे पढ़ाई में उनकी रुचि बढ़ती है।

**3. डर या दबाव से सीखना मुश्किल है**

कुछ बच्चे सिर्फ डर के कारण स्कूल जाते हैं, अगर शिक्षक या माता-पिता उनके ऊपर लगातार दबाव डालते हैं, तो बच्चे मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं. ऐसे में पढ़ाई में मन नहीं लगता और बच्चे ड्रॉपआउट तक सोचने लगते हैं. इसलिए बच्चों को प्यार और समझदारी से पढ़ाई के लिए प्रेरित करना चाहिए।

**4. रूटीन बनाना जरूरी है**

बच्चों को पढ़ाई के लिए एक निश्चित रूटीन चाहिए. सुबह उठने से लेकर पढ़ाई के समय तक का टाइमटेबल उनके लिए स्पष्ट होना चाहिए. इससे बच्चा समय का सही इस्तेमाल करता है और पढ़ाई में ध्यान लगाता है।

**5. पढ़ाई को खेल-खेल में बदलें**

पढ़ाई को कभी-कभी खेल की तरह पेश करना बच्चों के लिए फायदेमंद होता है. उदाहरण के लिए छोटे-छोटे क्विज़, इंटरैक्टिव सवाल या चित्रों के साथ पढ़ाई करने से बच्चे की रुचि बनी रहती है।

**6. व्यक्तिगत अनुभव की अहमियत**

हम सभी के अपने अनुभव हमें सिखाते हैं कि सिर्फ किताबें रखने से या डर दिखाने से बच्चे पढ़ाई नहीं करेंगे. मेरी व्यक्तिगत अनुभव से यह साफ हुआ है कि प्यार, समझ और सही दिशा में प्रेरणा से ही बच्चे पढ़ाई में अच्छा करते हैं।

# ऋतिक रोशन करेंगे 'क्रिश 4' का निर्देशन : राकेश रोशन

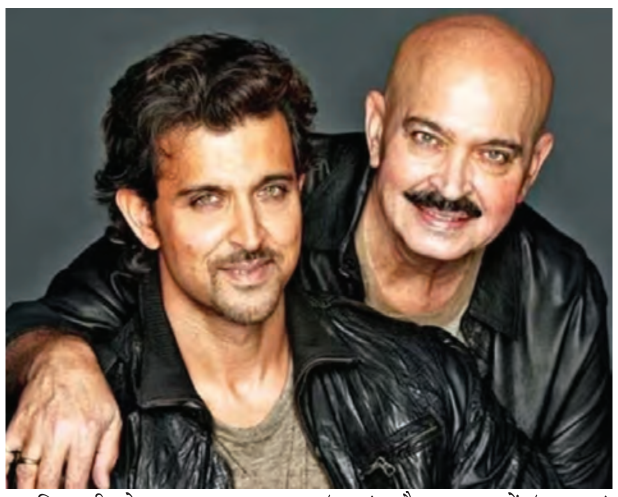

बॉलीवुड में सुपरहीरो फिल्मों की बात हो और कृष फ्रेंचाइजी का जिक्र न हो, ऐसा संभव नहीं। राकेश रोशन की इस सफल सीरीज ने दर्शकों को भारत का अपना सुपरहीरो दिया है। अब इस फ्रेंचाइजी के चौथे भाग को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस बार निर्देशक की कुर्सी खुद ऋतिक रोशन संभालेंगे और फिल्म 2027 में रिलीज होगी। जी हां, खुद राकेश रोशन ने इंटरव्यू में ये अपडेट दिया है।

**कब शुरू होगी शूटिंग?**

राकेश रोशन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि फिल्म की शूटिंग 2026 के मिड में शुरू होगी। उन्होंने बताया कि स्क्रिप्ट को ज्यादा समय नहीं लगा, लेकिन फिल्म का बजट तय करने में सबसे ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। चूंकि यह अब तक की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है, इसलिए प्री-प्रोडक्शन पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

**क्यों खास है यह फिल्म?**

कृष फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2003 में 'कोई मिल गया' से हुई थी, जिसमें जादू नाम का एलियन बच्चों और बड़ों सभी का पसंदीदा बन गया। इसके बाद 2006 में 'कृष' और 2013 में 'कृष 3' आई। अब लगभग 14 साल बाद इस सीरीज की चौथी कड़ी दर्शकों के सामने आएगी। लंबे इंतजार के बाद 'कृष 4' से लोगों की उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं।

**ऋतिक रोशन की नई जिम्मेदारी**

अब तक इस फ्रेंचाइजी का निर्देशन राकेश रोशन करते आए हैं, लेकिन पहली बार ऋतिक रोशन निर्देशक के रूप में सामने आएंगे। उन्होंने एक इवेंट में कहा था कि उनके अंदर हमेशा से एक फिल्ममेकर छिपा रहा है और अब समय आ गया है कि वह उस चुनौती को स्वीकार करें। उन्होंने यह भी माना कि उन्हें घबराहट और डर है, लेकिन यही डर उन्हें नया सीखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।

**ऋतिक के निर्देशन करने पर बोले पिता**

राकेश रोशन ने बेटे ऋतिक के निर्देशन में कदम रखने को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि जैसे 25 साल पहले उन्होंने ऋतिक को 'कहो ना प्यार है' से दुनिया के सामने पेश किया था, वैसे ही अब उन्हें दोबारा पेश करने जा रहे हैं लेकिन इस बार एक निर्देशक के रूप में।

# नानी की फिल्म के लिए हैदराबाद में बन रहा सबसे बड़ा स्लम सेट, 'बाहुबली' से क्या है कनेक्शन?

हैदराबाद में फिल्म 'द पैराडाइज' के लिए एक बड़ा सेट तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह सेट करीब 30 एकड़ में बनेगा। मेकर्स चाहते हैं कि इसमें स्लम्स जैसा माहौल दिखे, जो कहानी का अहम हिस्सा है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे लीड कैरेक्टर स्लम से निकलकर बड़ा बनता है।

**'बाहुबली' जैसा ग्रैंड होगा 'द पैराडाइज' सेट**

फिल्म से जुड़े एक सोर्स ने बताया, 'एक्टर नानी की फिल्म के सेट का आकार 'बाहुबली' फिल्म में दिखाए गए महिष्मती साम्राज्य जितना बड़ा होगा। फिल्म में नानी का किरदार स्लम में रहता है, वह धीरे-धीरे पावरफुल बनता है। उसकी इस जर्नी को दिखाने के लिए मेकर्स ने बड़ा सेट बनाया है, सेट के बीच में एक बड़ा आर्च भी होगा, जो फिल्म का एक जरूरी हिस्सा होगा।'

**रियल फील देने की कोशिश**

फिल्म से जुड़े सोर्स ने आगे बताया, 'मेकर्स चाहते हैं कि सेट जितना बड़ा हो, उतना ही रियल जैसा महसूस होगा। इसलिए स्लम्स की हर डिटेल पर काम किया जा रहा है। जैसे 'बाहुबली' में महलों को बहुत भव्य तरीके से दिखाया गया था, वैसे ही यहां स्लम्स का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। फर्क बस इतना होगा कि यहां महलों की जगह झुग्गियों और गलियों पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी वजह से इसे 'स्लम्स का बाहुबली' कहा जा रहा है।'

**फिल्म से जुड़ी है उम्दा टीम**

फिल्म 'द पैराडाइज' में लीड रोल एक्टर नानी कर रहे हैं, जिन्हें लोग नेचुरल स्टार के नाम से जानते हैं। फिल्म का निर्देशन श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं। श्रीकांत ओडेला पहले 'नन्नाकु प्रेमथो' और 'रंगस्थलम' जैसी फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर रह चुके हैं। उन्होंने बतौर डायरेक्टर 'दसरा' से शुरुआत की थी।फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर तैयार कर रहे हैं। इसमें अनिरुद्ध और अर्जुन चांडी की आवाज भी है। मेकर्स का कहना है कि म्यूजिक फिल्म के माहौल को और बेहतर बनाएगा और ऑडियंस को जोड़े रखेगा।

**कई भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म**

'द पैराडाइज' SLV सिनेमा के साथ मिलकर बनाई जा रही है। इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, इंग्लिश, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम समेत आठ भाषाओं में दिखाया जाएगा। फिल्म की टीम का कहना है कि वे इसको देश ही नहीं बल्कि विदेशी ऑडियंस तक भी पहुंचाना चाहते हैं।

# पंजाब में बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए पहुंचे सोनू सूद, यूजर्स ने बताया असली हीरो

पंजाब इन दिनों बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। कई बॉलीवुड सेलेब्स पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में अभिनेता सोनू सूद ने बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया है। उन्होंने इस दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं और लोगों की मदद करने की बात कही है।

**सोनू सूद ने बाढ़ का जायजा लिया**

सोनू सूद ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि वह नाव पर बैठे हैं। वह बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा कर रहे हैं। वह आम लोगों से मिल रहे हैं और उनसे बात कर रहे हैं। उन्होंने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा 'हमेशा पंजाब के साथ। हम जमीन पर थे। हमने नुकसान, दिल टूटने का दर्द देखा। हमने वह ताकत भी देखी जो कम नहीं हुई। गांव पानी में डूबे हुए हैं, जिंदगियां उजड़ी हुई हैं, लेकिन उम्मीद अभी भी कायम है। पंजाब को जो भी चाहिए हम मदद करने के लिए तैयार हैं। पुनर्निर्माण के लिए तैयार हैं। साथ मिलकर घाव भरने के लिए तैयार हैं। हम पंजाब के साथ हैं, हमेशा के लिए।' कई यूजर्स ने सोनू सूद की इस पहल के लिए तारीफ की है।

**किडनी की बीमारी से पीड़ित बच्चे से मुलाकात की**

सोनू सूद ने पंजाब में एक छोटे बच्चे से मुलाकात की, जो कथित तौर पर किडनी की बीमारी से पीड़ित है। उन्होंने कहा कि वह उसके ठीक होने में हर संभव मदद करेंगे। उन्होंने एक्स पर अस्पताल से तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह बच्चे और उसके परिवार से मिलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

**बाढ़ की वजह से इलाज प्रभावित नहीं होगा**

सोनू सूद ने लिखा 'आज पंजाब में नन्हे अविजोत से मुलाकात हुई। उनके आगे एक बड़ी लड़ाई है। हम उसके ठीक होने में हर संभव मदद करेंगे। इस नन्हे फरिश्ते की स्वस्थ होने की कामना करते हैं। वह अकेला नहीं है।'

5 सितंबर को सूद ने बताया कि उन्होंने लड़के के परिवार से बात की है और आश्वस्त किया है कि बाढ़ के कारण 'उसका इलाज बाधित नहीं होगा।'

**सोनू ने लोगों की मदद करने की कही बात**

सोनू सूद ने कहा 'मैं बागपुर, सुल्तानपुर लोधी, फिरोजपुर, फाजिल्का, अजनाला जा रहा हूं और मैं चारों ओर जाकर स्थिति का पता लगाने की कोशिश करूंगा। पंजाब में अभी भी बारिश हो रही है, कई घर नष्ट हो गए हैं, लोगों की आजीविका बर्बाद हो गई है, इसलिए मैं पूरी मदद करने की कोशिश करूंगा। मैं स्थानीय प्रशासन से उनकी जरूरतों की सूची लूंगा।'

# फैंस के सामने टाइगर श्रॉफ ने उतारी टी-शर्ट, वायरल हो गया वीडियो

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ अपनी फिल्म 'बागी 4' को लेकर खुश हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने विवेक अग्निहोत्री की 'द बंगाल फाइल्स' से ज्यादा कमाई की है। रविवार, 7 सितंबर को टाइगर श्रॉफ ने मुंबई के बांद्रा स्थित गेयटी गैलेक्सी में फैंस को अपने कारनामे से हैरान कर दिया। यहां उन्होंने दर्शकों को हाउसफुल का बोर्ड दिखाया।

**टाइगर ने उतारी टी-शर्ट**

टाइगर श्रॉफ ने इसी मौके पर अपनी टी-शर्ट उतार दी और अपने बेहतरीन सिक्स-पैक एब्स दिखाए। टाइगर के टी-शर्ट उतारने पर फैंस उत्साह से चीख पड़े। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि टाइगर ने चिल्लाते हुए फैंस की भीड़ में अपनी टी-शर्ट उपहार के तौर पर दे दी।

**बॉक्स ऑफिस पर कर रही कमाई**

'बागी 4' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 12 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। दूसरे दिन फिल्म की कमाई घटी। दूसरे दिन फिल्म ने 9.25 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन फिल्म ने 10 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इस तरह से इस फिल्म की तीन दिन की कमाई 31.25 करोड़ रुपये हो गई है। बॉक्स ऑफिस पर गिरावट के बावजूद, टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म दर्शकों का ध्यान खींच रही है। फिल्म में संजय दत्त, श्रेयस तलपड़े, सौरभ सचदेवा, उपेंद्र लिमये और शीबा आकाशदीप साबिर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

**फिल्म से हटाए गए कई दृश्य**

आपको बता दें कि सीबीएफसी ने 'बागी 4' के निर्माताओं से फिल्म से 23 दृश्य और श्रव्य दृश्यों को हटाने को कहा। इसमें गला काटने, हाथ काटने और तलवार से हत्या के हिंसक दृश्य थे। इसके साथ ही ईसा मसीह की मूर्ति वाले दृश्य को हटाने का निर्देश दिया गया। 'भांग', 'कंडोम' और गाली-गलौज वाले संवादों को म्यूट कर दिया गया या बदल दिया गया। 11 सेकंड का एक अत्यधिक हिंसा वाला दृश्य भी हटा दिया गया।

**कब-कब रिलीज हुई बागी सीरीज की फिल्में**

यह फिल्म 'बागी' श्रृंखला की चौथी किस्त है। 'बागी' श्रृंखला की सबसे पहली फिल्म 2016 में रिलीज हुई थी। इसका नाम 'बागी' था। इसके बाद 'बागी 2' 2018 में रिलीज हुई। 'बागी 3' 2020 में रिलीज हुई।

# 'बॉर्डर 2' से जुड़ा सोनम बाजवा का नाम बनेंगी इस एक्टर की हीरोइन

दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी की अदाकारी वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' काफी चर्चा में है। फिल्म ने पहले ही खूब सुर्खियां बटोरी हैं। फिल्म की स्टार कास्ट में एक नया नाम जुड़ गया है। इससे फिल्म और चर्चा में आ गई है। फिल्म से अब सोनम बाजवा का नाम जुड़ गया है। वह पहले दिलजीत दोसांझ के साथ काम कर चुकी हैं।

**'बॉर्डर 2' से जुड़ा दिलजीत दोसांझ का नाम**

सोनम बाजवा बहुप्रतीक्षित ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' के लिए दिलजीत दोसांझ के साथ फिर से काम करने के लिए तैयार हैं। सोनम बाजवा और दिलजीत दोसांझ ने 'पंजाब 1984', कॉमेडी फिल्म 'सरदार जी 2', एक्शन से भरपूर फिल्म 'सुपर सिंह' और पारिवारिक मनोरंजन फिल्म 'हौसला रख' में साथ में काम किया है।

फिल्म 'बॉर्डर 2' में दिलजीत दोसांझ और सोनम बाजवा के अलावा सनी देओल, वरुण धवन, मेधा राणा और मोना सिंह जैसे दमदार कलाकार भी होंगे।

**सनी देओल ने फिल्म को लेकर कही खास बात**

सनी देओल ने बॉलीवुड बबल से बातचीत में फिल्म को लेकर कहा 'हम कभी किसी चीज को लेकर निश्चित नहीं होते। बस चुनौती के साथ कुछ करने का उत्साह हमेशा दिलचस्प होता है।

शुरू करने से पहले अगर आदमी सोच लेगा तो वह काम नहीं कर पाएगा। शुरू में चर्चाएं होती रहती हैं फिर हमें बहाव के साथ चलना होता है।'

**'बॉर्डर 2' के बारे में**

फिल्म 'बॉर्डर 2' जेपी दत्ता की 1997 की क्लासिक फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है। फिल्म में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध दिखाया जाएगा। इस फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। 'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं।

# 'इतने साल से मुंबई में रहते हो, तुम्हें मराठी नहीं आती', बिग बी से किसने किया यह सवाल?

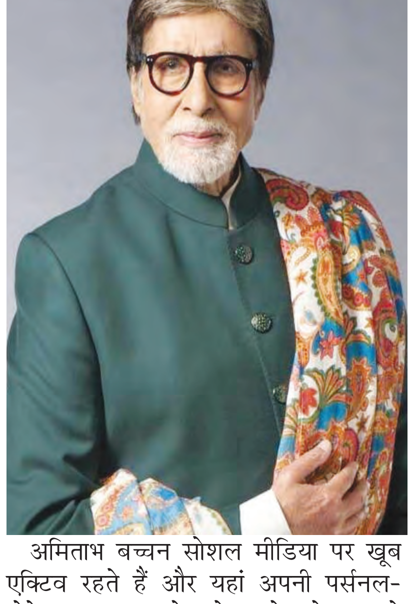

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं और यहां अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट शेयर करते रहते हैं। उन्होंने रविवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें मराठी भाषा का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वे मराठी भाषा नहीं जानते हैं। हालांकि, बिग बी ने अपने पोस्ट में बीते दिनों चले मराठी भाषा विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

**बिग बी से किया गया यह सवाल**

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा, 'किसी ने मुझसे कहा कि तुम्हें मराठी नहीं आती और तुम इतने साल मुंबई में रहते हो। यह तो सच है पर इसे सीखने की कोशिश करो, सीखना भी एक सलाम है'।

**ट्वीट करते वक्त फिर हुई बिग बी से गलती**

इसके अलावा शहंशाह ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर भी एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा है, 'जो सिखाता है वह भी सीख रहा है'। इस पर यूजर्स ने उनकी बात से सहमति जताई है। एक यूजर ने लिखा, 'यह एकदम सच है'। अमिताभ बच्चन ने अपने इस ट्वीट में वर्तनी की एक गलती कर दी है। उन्होंने वह को 'वि' लिख दिया। तमाम यूजर्स इस गलती की तरफ भी बिग बी का ध्यान आकर्षित करा रहे हैं।

**पिछले पोस्ट में हुई थी यह गलती**

बता दें कि इससे पहले गणपति विसर्जन के दिन किए गए पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने वर्तनी की एक गलती भूलवश कर दी थी। इस पर लोगों ने उन्हें टोका तो उन्होंने इसमें सुधार किया। उन्होंने बप्पा की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'गणपति बप्पा मोरया। लाल बाग च राजा'। इसके बाद एक अन्य दूसरे पोस्ट में बिग बी ने लिखा, 'हमारे एक शुभचिंतक ने कहा कि हमने कल के ट्वीट में गलत शब्द लिख दिया है तो उसे सही कर रहा हूं। मैंने लिखा था 'लालबाग 'च' राजा'। उन्होंने कहा यह होना चाहिए 'चा' सो सही कर रहा हूं। लालबाग चा राजा'।

# नींद से भरी अनन्या पांडे ने मीडिया को पोज देने से किया मना, कहा- '5 बजे उठी हूं मुझे जानें दें'

मुंबई में फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स 2025 का आयोजन किया गया। इसमें कई फिल्मी सितारे शानदार ड्रेस में पहुंचे। इन सबके बीच, अनन्या पांडे ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। अभिनेत्री की कई तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। अभिनेत्री ने फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स 2025 में फीमेल यूथ स्टाइल आइकन का पुरस्कार जीता।

**अनन्या बोलीं 5 बजे उठी हूं**

इंस्टाग्राम पर वायरल एक वीडियो में देखा जा सकता है कि अनन्या अपनी टीम के सदस्यों के साथ कार्यक्रम के बाद अपनी कार की ओर जा रही हैं। इस दौरान कई लोग उनसे रुकने और पोज देने के लिए कहते हैं।

हालांकि अनन्या नहीं रुकीं। वह अपनी टीम के साथ आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने लोगों से कहा 'मैं 5 बजे उठी हूं।' इसके बाद उन्होंने लोगों से गुजारिश की कि उन्हें जानें दें। फिर वह अपनी कार की ओर चली गईं। फोटोग्राफर उनके पीछे-पीछे चल पड़े।

**यूजर्स ने वीडियो पर किए कमेंट**

इस वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा 'बहुत दिक्कत हुई होगी।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'क्या आपको घर जाकर खाना बनाना है।' एक और यूजर ने लिखा है कि 'मैं हर रोज 4 बजे उठता हूं।' एक अन्य ने लिखा 'आप बहुत खूबसूरत हैं।'

**अनन्या का काम**

अभिनेत्री ने हाल ही में कार्तिक आर्यन के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग पूरी की है।

समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा समर्थित यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिल्म में नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिकाओं में हैं। अनन्या फिल्म 'चांद मेरा दिल' में भी काम कर रही हैं।

# उर्मिला मातोंडकर ने जमकर किया डांस

## 'रंगीला' के 30 साल पूरे होने का मनाया जश्न

जब उर्मिला मातोंडकर ने फिल्म 'रंगीला' में अभिनय किया तो यह फिल्म उनके करियर को बदलने वाली साबित हुई।

इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड की 'रंगीला गर्ल' बना दिया। इसके बाद उर्मिला का करियर ऊंचाइयों पर पहुंच गया। आज सोमवार यानी 8 सितंबर को 2025 को फिल्म 'रंगीला' ने 30 साल पूरे कर लिए हैं। अपनी इस फिल्म को लेकर ही इंस्टाग्राम पर उर्मिला ने एक पोस्ट साझा की है।

**उर्मिला ने लिखा- रंगीला सिर्फ एक फिल्म नहीं थी**

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में उर्मिला मातोंडकर लिखती हैं, 'रंगीला, सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, यह एक अहसास था और आज भी है। इसमें खुशी, उम्मीद, सपने, स्ट्रगल जैसी कई बातें शामिल थीं, यह जिंदगी का एक सेलिब्रेशन था। हर सीन हमें मासूमियत भरी दुनिया में ले जाता है। हर गाने में नवरस थे।'

**रंगीला गर्ल ने दर्शकों को कहा शुक्रिया**

आगे अपनी पोस्ट में उर्मिला लिखती हैं, 'इस फिल्म से एक मासूम लड़की बड़े पर्दे पर आती है और लोगों के दिलों पर छा जाती है। आज से तीस साल पहले 'रंगीला' से आपका परिचय हुआ था। मुझे यकीन है कि आज भी इसमें आपको पहले वाले वक्त में वापस ले जाने की ताकत है। मुझे अपने जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए। इतने प्यार से गले लगाने के लिए और उस मुकाम पर पहुंचाने के लिए शुक्रिया।'

**आमिर खान और जैकी श्रॉफ भी थे फिल्म का हिस्सा**

फिल्म 'रंगीला' 8 सितंबर 1995 को रिलीज हुई। इस फिल्म को राम गोपाल वर्मा ने निर्देशित किया। फिल्म में आमिर खान, जैकी श्रॉफ जैसे चर्चित कलाकार भी थे। आमिर खान का टपोरी लुक आज भी दर्शकों को याद है।

# किरोड़ी लाल बोले- 'वसुन्धरा और भजनलाल दोनों को आफत के समय मैं ही काम आता हूं'; फिर खूब लगे ठहाके

जयपुर, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में आपदा राहत व कृषि मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा का एक बेबाक और मजाकिया अंदाज फिर चर्चा में है। सोमवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय मसाला क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में किरोड़ी ने ऐसी बातें कहीं कि सभा में मौजूद लोग और स्वयं मुख्यमंत्री भी हंसी नहीं रोक पाए। अपने हल्के-फुल्के अंदाज में किरोड़ी ने आपदा मंत्रालय की जिम्मेदारी से लेकर मसाला विपणन तक पर जमकर चुटीले कमेंट किए।

**'आफत पड़े तो किरोड़ी को बुलाओ'**

किरोड़ी लाल मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि वसुंधरा राजे की सरकार हो या भजनलाल शर्मा की, जहां आफत पड़े, वहां मुझे ही जाना पड़ता है। बाढ़ आए, मकान गिरे, बिजली गिरे- हर मुसीबत में मुझे ही भागना पड़ता है। उन्होंने मजाकिया लहजे में बताया कि 2003 से 2008 तक वसुंधरा राजे के शासनकाल में भी वे आपदा राहत मंत्री थे और अब 22 साल बाद फिर वही जिम्मेदारी मिली है।

**रील बनाने की लत पर चेतावनी**

आपदा राहत मंत्री के तौर पर किरोड़ी ने बताया कि इस साल वर्षा जनित हादसों में 193 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 13 लोग सोशल मीडिया के लिए रील बनाते समय बह गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा क रील बनाने के चक्कर में लोग जान गंवा रहे हैं। मुआवजा तो मिलेगा, लेकिन जान की कीमत नहीं। अभी बारिश और होगी, इसलिए सावधानी बरतें। किरोड़ी ने लोगों से अपील की कि वे खतरनाक स्थानों पर रील बनाने से बचें।

'मसाला तो सीएम के पास है'

कृषि मंत्री के रूप में किरोड़ी ने मसाला कॉन्क्लेव में अपने विभाग और कृषि विपणन विभाग के बीच के अंतर को भी मजेदार तरीके से सामने रखा। उन्होंने कहा कि मेरे पास कृषि और उद्यानिकी विभाग है, लेकिन मसाला तो मुख्यमंत्री जी के पास है। 80 प्रतिशत कागजात कृषि विपणन बोर्ड के होते हैं, जो मुझे भेजे जाते हैं, लेकिन मैं उन्हें सीएम साहब को भेज देता हूं।

किरोड़ी ने मजाक में कहा कि मेरे पास मसाला नहीं, सारा मसाला तो उनके पास है। इस पर सभा में ठहाके गूंज उठे और मुख्यमंत्री भी हंस पड़े। हालांकि, किरोड़ी ने बाद में सीएम की तारीफ करते हुए कहा कि कृषि विपणन से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए सरकार कृतसंकल्पित है।

**किरोड़ी ने की वसुंधरा राजे की तारीफ**

इस दौरान किरोड़ी लाल मीणा ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने एक पुराना किस्सा सुनाया जब वे जयपुर से सवाई माधोपुर जा रहे थे और लालसोट में एक चाय की थड़ी पर रुके। वहां ग्रामीणों ने बताया कि बिजली गिरने से एक व्यक्ति और उसकी दो बकरियों की मौत हो गई, जिससे उसकी पत्नी असहाय हो गई। किरोड़ी ने तुरंत वसुंधरा राजे को फोन किया, जिन्होंने तत्काल 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का इंतजाम करवाया।

# झालावाड़ में किसान आंदोलन: ट्रैक्टर-ट्रॉली, बैलगाड़ी से पहुंचे सचिवालय, सड़क पर बनाई दाल-बाटी

झालावाड़, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। अपनी सोलह सूत्री मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ के बैनर तले जिलेभर से आए हजारों किसानों ने सोमवार को झालावाड़ में मिनी सचिवालय के बाहर महापड़ाव शुरू कर दिया। इससे पहले निजी साधनों से झालावाड़ आए सभी किसान शहर में खंडिया चौराहे पर एकत्र हुए।

यहां से वे ट्रैक्टर ट्रॉली, जीप, बस और बैलगाड़ी में बैठकर हम अपना हक मांगते, नहीं किसी से भीख मांगे, अभी तो ली अंगडाई है, आगे और लड़ाई जैसे नारों के साथ रैली के रूप में मिनी सचिवालय पहुंचे। शाम चार बजे राज्य सरकार के जनप्रतिनिधि या अधिकारी द्वारा सकारात्मक जवाब नहीं देने पर महापड़ाव शुरू कर दिया।

किसान नेताओं ने घोषणा की कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार का सकारात्मक जवाब नहीं देगी,तब तक महापड़ाव जारी रहेगा। किसानों ने सभा स्थल पर ही दाल,बाटी, पुड़ी-सब्जी बनाकर खाई। इससे पूर्व सभा को संबोधित करते हुए भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष केसाय रेड्डी ने कहा कि किसानों के पास सरकार का प्रतिनिधिमंडल आकर जब तक आश्वासन नहीं देगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मैं भी तब तक

धरना स्थल पर ही रहूंगा।

उन्होंने कहा कि किसानों की कई समस्याएं है, बारिश के कारण किसानों की पूरी फसलें बर्बाद हो गई, उसकी भरपाई होना चाहिए। फसल बीमा किसानों के साथ धोखा है,राजस्थान में बिजली की समस्या बहुत ज्यादा है, इसे कम किया जाए। आन्ध्रप्रदेश में बिजली कनेक्शन रेट कम है, किसानों को पूरे दिन बिजली मिलती है,फसल बीमा योजना ठीक से लागू करें। सरकार यह नहीं सोचे कि ये कुछ नहीं कर सकते। समस्याओं के समाधान के लिए बातचीत करें।

अखिल भारतीय जनजाति क्षेत्र प्रमुख मणीराम लबाना ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को कुछ समझती नहीं है। हम ज्ञापन देते हैं तो वह उसे कागज का टुकड़ा समझ रख लेती है, लेकिन अब हम आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। अखिल भारतीय सीमांत क्षेत्र प्रमुख कैलाश गंदोलिया ने कहा कि राजस्थान सरकार बिजली का निजीकरण कर रही है जो किसान हित में नहीं है। सरकार ने बिजली का निजीकरण और स्मार्ट मीटर बंद नहीं किया तो भारतीय किसान संघ इसका विरोध करेगा।

संघ के प्रदेश महामंत्री तुलसाराम सीवर ने कहा कि मिनी सचिवालय पर लगातार किसान नेताओं का समस्याओं को लेकर संबोधन चलता रहा लेकिन किसानों से बातचीत के लिए प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई। यह बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण है।प्रशासन यह समझ रहा है कि हर बार किसान आता है और ज्ञापन देखकर चला जाता है लेकिन अब किसान यहीं धरना देकर रोड पर दाल बाटी बना रहे है। प्रांत अध्यक्ष शंकरलाल नागर ने कहा कि किसानों की कई प्रकार की समस्याएं है। हर बार ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराते है लेकिन सरकारें किसानों के भले के लिए कोई योजना नहीं बना रही। सभा में प्रांत महामंत्री अंबालाल प्रदेश मंत्री रघुनाथ सिंह प्रगतिशील किसान हुकुमचंद पाटीदार संगठन मंत्री परमानंद प्रदेश महिला प्रमुख मूर्ति जिलाध्यक्ष राधेश्याम गुर्जर भी मौजूद रहे।

रात करीब नौ बजे जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ किसानों से वार्ता के लिए महापड़ाव स्थल पर पहुंचे, लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनसे वार्ता करने से इनकार कर दिया। वे कृषि मंत्री या सचिव स्तर के अधिकारी से वार्ता करने की बात पर अड़े रहे। ऐसे में जिला कलक्टर वापिस लौट गए। किसान संघ के जिलाध्यक्ष राधेश्याम गुर्जर ने बताया कि जब तक राज्य सरकार का सचिव स्तर का अधिकारी या मंत्री आकर वार्ता नहीं करता है, जब तक महापड़ाव जारी रहेगा।

# रिम्स मुद्दे पर अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल पर साधा निशाना, साथ ही दी बड़ी सलाह

जयपुर, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) बिल को मंजूरी दे दी गई। रिम्स बिल के पारित होने के साथ ही जयपुर में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। इस बिल के तहत रिम्स को एक स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित किया जाएगा, जिसमें राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज और स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट का विलय होगा। इस मामले पर कांग्रेस के दिग्गज नेता और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार को घेरा और कहा राज्य सरकार ने जयपुर में एम्स की तर्ज पर रिम्स अस्पताल स्थापित करने का निर्णय तो लिया है, लेकिन इस घोषणा के तहत कोई नया संस्थान बनाने की बजाय, वह पहले से स्थापित आरयूएचएस और राज्य

कैंसर संस्थान का अधिग्रहण करेगी। इससे पहले से मौजूद दोनों संस्थानों की व्यवस्थाएं गड़बड़ा जाएंगी और इसका प्रतिकूल प्रभाव डॉक्टरों और मरीजों पर पड़ना शुरू हो गया है।

**रिम्स एक नया संस्थान बनाना चाहिए था**

अशोक गहलोत ने कहाकि आरयूएचएस पहले से ही एक स्वायत्त विश्वविद्यालय है। जिसने कोविड के दौरान उत्कृष्ट उपचार के लिए दुनियाभर में ख्याति प्राप्त की। आरयूएचएस को रिम्स में बदलने से यहां की मेडिकल सीटें भी खत्म हो जाएंगी। भाजपा सरकार को एक पुराने संस्थान को बंद करने के बजाय, रिम्स एक नया संस्थान बनाना चाहिए था।

**भजनलाल सरकार के लिए होती उपलब्धि**

अशोक गहलोत ने आगे कहाकि यदि रिम्स के रूप में एक नया संस्थान बनाया जाता तो जनता को अधिक लाभ होता और भजनलाल सरकार के लिए भी यह एक नई उपलब्धि होती।

**रिम्स के लिए विशेष अनुदान लेकर नया संस्थान बनवाएं**

अशोक गहलोत ने कहाकि भाजपा नेता दावा करते थे कि डबल इंजन की सरकार बनने के बाद केंद्र से राज्य को मिलने वाले धन की कोई कमी नहीं होगी। ऐसे में अगर राज्य के पास धन की कमी है, तो रिम्स के लिए विशेष अनुदान लेकर एक नया संस्थान बनवाएं। पहले से मौजूद संस्थानों का नाम बदलना उचित परंपरा नहीं है।

# विधानसभा में जासूसी पर बवाल, कांग्रेस विधायकों ने पूछा सदन में कैमरे किसने लगवाए ?

जयपुर, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में जासूसी के मुद्दे पर बवाल मच गया है। सदन में धर्म स्वातंत्रता विधेयक पर चर्चा से पहले नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कांग्रेस विधायकों की कैमरे लगाकर जासूसी करवाए जाने के आरोप लगाकर सनसनी मचा दी। जूली ने पूछा कि विधानसभा के सदन में कैमरे लगाकर उनकी जासूसी करवाई जा रही है। जूली ने पूछा कि यह कैमरे किसके कहने पर लगवाए गए इसकी जानकारी सदन को दी जाए। उन्होंने कहा कि हां पक्ष और ना पक्ष में जो कैमरे लगवाए गए हैं उनका एंगल कांग्रेस विधायकों की तरफ ही है। जूली बोले कि सदन स्थगित होने के बाद विधायक क्या बात करते हैं उन्हें इन कैमरों से सुना जा रहा है। जूली बोले कि जब सदन की लाइव कार्यवाही यू ट्यूब पर प्रसारित हो रही है तो यह कैमरे किसलिए लगवाए गए हैं।

जूली बोले- अगर कैमरे लगाए गए हैं तो इसकी रिकॉर्डिंग भी यू ट्यूब पर जारी करो। जब सदन नहीं चल रहा हो तब भी आप हम

पर नजर रखोगे यह तो गलत है। यह हमारी विधानसभा की परंपरा कभी नहीं रही। बिलों के उपर हम लोगों को नहीं बोलने दिया जाए, प्रश्न नहीं पूछने दिया जाए और हमारे उपर कैमरे लगाए जाएं यह तो गलत है। जूली ने पूछा कि यह कैमरे क्या हम लोगों से बात करके लगाए गए हैं, यह किस फंड से लगे हैं?

संसदीय कार्यमंत्री बोले हमे जानकारी नहीं, विधानसभा सचिवालय जानें

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल बोले कि विधानसभा में कैमरे लगाए जाने की जानकारी हमे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह विधानसभा सचिवालय तय करता है। इसलिए इस बारे में कांग्रेस विधायक आपसे आपके चैंबर में जाकर बात कर सकते हैं।

**स्पीकर की जानकारी बिना कौन लगा सकता है-राजेंद्र पारी**

कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा कि यह सत्ता पक्ष या प्रतिपक्ष की बात नहीं है। आज आप उधर हैं कल इधर भी होंगे। यह निजता का हनन है। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही यू ट्यूब पर प्रसारित करने की परंपरा रही है लेकिन अलग से कैमरों की व्यवस्था करना गलत है। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्यमंत्री कह रहे हैं कि यह विधानसभा सचिवालय का काम है तो विधानसभा सचिवालय स्पीकर की अनुमति के बिना एक कील भी नहीं लगा सकता। परीक ने देवनानी से कहा कि आप तत्काल व्यवस्था देकर इन कैमरों को हटवाएं।

**जोगेश्वर गर्ग को ये बेडरूम नहीं जो निजता का हनन हो**

बीजेपी के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि सदन चल रहा है तब भी या स्थगित हो तब भी...ये इतना बड़ा हॉल है, किसी का बेडरूम या बाथरूम नहीं है, इसमें निजता कहां से आ गई। गर्ग बोले कि यह कैमरे क्यूं लगाने पड़े इस पर भी विचार कीजिए।

इस पर पारीक बोले यह बाथरूम नहीं है यह हम भी जानते हैं फिर भी हमारी निजता का हनन हो रहा है। यह घोर आपत्तिजनक है। इसके बाद कांग्रेस विधायक जोगेश्वर गर्ग से माफी मंगवाने की मांग को लेकर वेल में उतर गए। स्पीकर बोले कोई भी कुछ बोलेगा, व्यवस्था देना तो मेरा अधिकार है। लेकिन कांग्रेस विधायक जोगेश्वर गर्ग की टिप्पणी पर माफी की मांग को लेकर अड़ गए। इसके बाद स्पीकर ने हो हंगामें के बीच ही ही बिल पर बहस शुरू कर वा दी।

**बीजेपी विधायक का बड़ा आरोप, रात को धरने पर कुकृत्य करते हैं इसलिए कैमरे लगे**

बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने कांग्रेस विधायकों के हंगामें के बीच कैमरों को लेकर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक यहां रात को धरना देते हैं और कुकृत्य करते हैं। इसलिए कैमरे लगाने पड़े हैं।

## जयपुर में तीसरे स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

### छात्रों की सुरक्षा को लेकर हड़कंप; एटीएस भी पहुंची

जयपुर, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। जयपुर में लगातार दूसरे दिन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। मंगलवार सुबह शिप्रापथ थाना क्षेत्र स्थित महर्षि अरविंद स्कूल की मेल आईडी पर संदिग्ध मेल आया। इस मेल में लिखा था कि स्कूल में 14 जगह पर आरडीएक्स लगाया गया है, जो दोपहर 3:30 बजे तक फट जाएगा। जैसे ही स्कूल प्रशासन ने सुबह 8 बजे यह मेल देखा, तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही शिप्रापथ थाना पुलिस, डॉग स्क्वायड, एटीएस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गए और स्कूल परिसर की गहन जांच शुरू कर दी। स्कूल प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल कक्षाओं से छात्रों को बाहर निकालकर मुख्य ग्राउंड में एकत्रित कर दिया। अभिभावकों को आपातकालीन संदेश भेजकर बच्चों को घर बुला लिया गया। फिलहाल पूरी बिल्डिंग की तलाशी ली गई, लेकिन कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। गौरतलब है कि सोमवार को भी जयपुर के दो निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। मानसरोवर स्थित सप्रिंग फील्ड स्कूल और शिवदासपुरा क्षेत्र के एक अन्य निजी स्कूल में मेल के जरिए धमकी भेजी गई थी। दोनों ही जगह पर सुरक्षा एजेंसियों ने सर्च अभियान चलाया, लेकिन धमकी झूठी पाई गई। इससे पहले भी जयपुर एयरपोर्ट और एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। लगातार मिल रही इन धमकियों से सुरक्षा एजेंसियों में अलर्ट जारी है और साइबर सेल मेल भेजने वालों की तलाश में जुटी है।

# चुनावी हार पर भाजपा अध्यक्ष राठौड़ का तंज

## कहा- मुंगेरी लाल के हसीन सपनों में खोए कांग्रेसी नेता

जयपुर, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेसी नेता मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखकर खुश हो रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि जनता ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए नगर निकाय उपचुनावों में चार वार्डों में से कांग्रेस को केवल एक सीट पर जीत मिली, जबकि तीन वार्डों पर भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। इसके बावजूद कांग्रेस नेता ताल ठोकने में लगे हैं।

राठौड़ ने कहा कि उपचुनावों के नतीजे इस बात का प्रमाण हैं कि राजस्थान की जनता कांग्रेस के खोखले वादों और विफल नीतियों से तंग आ चुकी है। भाजपा ने

पिछले दो वर्षों में हुए 80 उपचुनावों में से 59 में जीत दर्ज कर यह साबित कर दिया है कि जनता का भरोसा भाजपा के सुशासन और पारदर्शिता पर कायम है। वहीं, कांग्रेस का जमीनी जनाधार पूरी तरह से कमजोर हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों को राठौड़ ने हताशा और बौखलाहट से भरा करार दिया। उन्होंने कहा कि लगातार हार के बावजूद गहलोत का 'मजा न आने' वाला बयान हास्यास्पद है। राठौड़ ने चेतावनी दी कि आने वाले चुनावों में कांग्रेस को चारों खाने चित कर दिया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि डोटासरा और जूली के बीच माफीनामे का विवाद तथा वरिष्ठ नेता राजेंद्र पारिक पर डोटासरा की टिप्पणी अनुशासनहीनता और नेतृत्व संकट को उजागर करती है। गहलोत का विधानसभा से अनुपस्थित रहना भी लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति कांग्रेस की संवेदनहीनता का प्रमाण है।

# चोरनी ने दर्जनों लोगों का 'चैन' चुराया

## वारदात से पहले घरों की रैकी करती थी, शिकायत के बाद 24 घंटे के भीतर पकड़ा

जयपुर, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। राजधानी में जयपुर की भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने एक महिला चोर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से तीन एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए गए हैं। पूछताछ में महिला ने डेढ़ दर्जन से अधिक मोबाइल चोरी करने की बात स्वीकार की है। आरोपित महिला मकानों की रैकी कर मौके पाकर घरों में घुसती और चोरी की वारदात को अंजाम देती थी।

डीसीपी उत्तर करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार महिला का नाम इमराना (30) है।

वह मूल रूप से अलीगढ़, उत्तर प्रदेश की रहने वाली है और इस समय जयपुर के चांदपोल क्षेत्र की चूड़ी वालों की गली में रहती थी। इमराना दिन में मकानों की स्थिति देखकर रैकी करती थी। अगर किसी घर में शक हो जाता था, तो भीख मांगने या भूखी होने का बहाना बनाकर वहां से निकल जाती थी। पूछताछ में उसने अब तक लगभग 15 मोबाइल चोरी करने का जुर्म कबूल किया है।

मामले की शुरुआत तब हुई जब नया जालूपुरा निवासी नियाज आलम ने रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके कमरे से तीन मोबाइल चोरी हो गए। इस पर भट्टा बस्ती थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

थाना प्रभारी हरिओम सिंह के नेतृत्व में एएसआई बाबूलाल, कांस्टेबल वीरेंद्र कुमार, कालूराम, महेंद्र, राकेश कुमार और महिला कांस्टेबल निशा रानी की टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जानकारी और स्थानीय सूत्रों की मदद से छानबीन शुरू की। केवल 24 घंटे के भीतर पुलिस ने इमराना को दबोच लिया और उसके पास से तीन चोरी किए गए मोबाइल बरामद कर लिए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इमराना की ओर से कबूली गई चोरी की अन्य वारदातों की भी जांच की जा रही है। संभावना है कि और भी मामले खुल सकते हैं। फिलहाल आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत अदालत में पेश किया जाएगा।

# दूसरे लड़के से बात करने की सजा देने के लिए खेतों में ले गया प्रेमी, मुंह में घास ठूंसी और फिर हत्या कर दी

झुंझुनू, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक युवती की उसके प्रेमी ने इसलिए हत्या कर दी क्योंकि वह चुपके से किसी दूसरे युवक से बात करती थी। इसका पता उसके प्रेमी को लग गया तो उसने हत्या कर दी। अब इस हत्याकांड के बाद धरने - प्रदर्शन हो रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है और अब उससे पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच गुढ़ा थानाधिकारी राम मनोहर ठोलिया कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि 19 साल की एक युवती का शव जंगल से बरामद हुआ। उसके गले पर कसने जैसे निशान भी दिखे। उससे संबंध रखने वाले युवक बंटी के बारे में जानकारी मिली तो उसे काबू किया गया। पता चला कि दोनों करीब तीन-चार साल से रिलेशन में थे। युवती की बहन ने दोनों की शादी कराने का प्रयास भी किया लेकिन बात नहीं बन सकी। उसके बाद कुछ दिन पहले बंटी पढ़ाई के लिए जयपुर चला आया और इस बीच युवती किसी दूसरे युवक के संपर्क में आ गई। इस दौरान वह बंटी के संपर्क में भी रही। उधर सोमवार को युवती का शव नजदीक के ही एक खेत में बुरी हालत में मिला। पुलिस का मानना है कि बंटी अपनी प्रेमिका युवती को खेत में ले गया। उसके बाद मुंह में घास ठूंसी और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। इस हत्याकांड के बाद से गुढ़ा इलाके में हंगामा मचा हुआ है।

# पहले मंदिर में माथा टेकने पहुंचे चोर फिर ज्वेलरी शॉप से 12 लाख के जेवर उड़ाए, अब सीधे हवालात में

सीकर, 9 सिंतबर (एजेंसियां)। जिले के अजीतगढ़ कस्बे में 1 सितंबर की रात ज्वेलरी शॉप से लाखों रुपए के जेवरात चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि चोरी करने से पहले दोनों आरोपी वीर हनुमान मंदिर में दर्शन करने भी गए थे। अब पुलिस उनसे चोरी का माल और वारदात के दौरान काम में ली गई गाड़ी की बरामदगी को लेकर पूछताछ कर रही है।

थाना प्रभारी रिया चौधरी ने बताया कि घटना अजीतगढ़ कस्बे के मुख्य मार्केट में 1 सितंबर की रात चोरी हुई थी। यहां कान्हा सोनी की ज्वेलरी शॉप के ताले तोड़कर चोर करीब 12 लाख के जेवरात चोरी कर ले गए थे। वारदात के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित की और अजीतगढ़ से दिल्ली रूट तक, दिल्ली के आसपास के टोल नाकों समेत करीब 350 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके आधार पर

पुलिस ने आरोपी अखलेश (37) को दिल्ली से और सुरजीत को धौलपुर से गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि अखलेश मूल रूप से भरतपुर का निवासी है लेकिन वर्तमान में दिल्ली में रहकर अवैध शराब बेचने का काम करता है। सुरजीत अक्सर उसके यहां आता-जाता था। दोनों ने मिलकर चोरी की साजिश रची और गाड़ी लेकर राजस्थान आए। दिन में कई जगह रैकी करने के बाद दोनों जयपुर ग्रामीण क्षेत्र स्थित वीर हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां दर्शन करने के बाद शाम तक रुके रहे। जैसे ही रात को मार्केट बंद हुआ और सड़कें सुनसान हुईं, दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया और फिर दिल्ली भाग गए, फिर बाद में सुरजीत धौलपुर लौट गया।

मामले में बड़ा खुलासा यह भी हुआ कि आरोपियों ने जिस गाड़ी का इस्तेमाल वारदात में किया, वह ट्रांसपोर्ट विभाग के रिकॉर्ड में स्क्रैप दर्ज है। गाड़ी के असली मालिक का भी कोई पता नहीं चल पाया है। साथ ही आने-जाने के दौरान आरोपियों ने हर टोल नाके पर नगद भुगतान किया, ताकि उनकी गाड़ी का कोई डिजिटल रिकॉर्ड तैयार न हो सके।

# सेना कमांडर ने "आत्मनिर्भर भारत" पर जोर दिया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, पीवीएसएम, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान ने हैदराबाद में अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और ज़ेन टेक्नोलॉजीज का दौरा किया।

सेना कमांडर ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूत करने और हैदराबाद को रक्षा प्रौद्योगिकी के केंद्र के रूप में स्थापित करने में उद्योगों की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रौद्योगिकी अवशोषण, उद्योग-अकादमिक-सैन्य सहयोग और नवाचार-संचालित समाधानों पर भारतीय सेना के जोर पर प्रकाश डाला। इस दौरे ने मजबूत उद्योग साझेदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। ज़ेन टेक्नोलॉजीज़ में, उन्होंने उन्नत रक्षा समाधानों की समीक्षा की, जिनमें काउंटर-ड्रोन सिस्टम, लोइटर म्यूनिशन, रिमोट-कंट्रोल्ड वेपन सिस्टम, कॉम्बैट ट्रेनिंग सिमुलेटर और कंटेनराइज्ड स्मॉल आर्म्स रेंज शामिल हैं। अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस में उन्हें यूएवी, ड्रोन, काउंटर-ड्रोन सिस्टम, मिसाइल, छोटे हथियार, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और गोला-बारूद निर्माण के बारे में जानकारी दी गई।

## हैदराबाद में 13-14 सितंबर को होगा एमएसएमई एक्सपो

**बीएनआई वैंटेज गोनैट 2025 में 20,000 से ज़्यादा आगंतुकों की उम्मीद**

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उद्यमियों, उद्योग जगत के नेताओं और व्यापार जगत के दिग्गजों को एक मंच पर लाने के लिए बीएनआई हैदराबाद द्वारा संयुक्त तेलुगु राज्यों का सबसे बड़ा एमएसएमई एक्सपो और सेमिनार 'बीएनआई वैंटेज गोनैट 2025' आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 13 और 14 सितंबर को शमशाबाद स्थित एसएस कन्वेंशन सेंटर में होगा। बीएनआई हैदराबाद, जो दुनिया का सबसे बड़ा बीएनआई क्षेत्र माना जाता है और 400 से अधिक उद्योगों में 4,000 से ज्यादा कारोबारियों का नेटवर्क है, अपने 13वें वर्ष में गोनैट का 5वां संस्करण आयोजित कर रहा है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम में भारत, मध्य पूर्व और पड़ोसी देशों से 20,000 से अधिक आगंतुकों के शामिल होने की उम्मीद है।

बीएनआई हैदराबाद की कार्यकारी निदेशक संजना शाह ने बताया कि यह मंच एमएसएमई को अपनी ताकत प्रदर्शित करने, मूल्यवान संबंध बनाने और नए अवसरों की खोज करने का अवसर प्रदान करता है। दो दिवसीय इस एक्सपो में कई चर्चित उद्यमियों जैसे राजीव तलरेजा, अंकुर वारिकू और कनिका टेकरीवाल के सत्र होंगे। इसके अलावा, बेकिंग, फोटोग्राफी, फैशन डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, इवेंट स्टाइलिंग, विज्ञापन और खाद्य नवाचार जैसे क्षेत्रों में अध्याय प्रतियोगिताओं और व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं के ज़रिए सदस्य अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

## भ्रष्टाचार और कुशासन- जनता के लिए अभिशाप

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सिटीजन फोरम तेलंगाना, जन सेवा संघ हैदराबाद और अभिप्राय, हैदराबाद ने तेलंगाना में शासन की खराब स्थिति पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार और कुशासन राज्य की प्रगति और जनता के कल्याण में सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरा है।

एसीबी तेलंगाना द्वारा दर्ज सैकड़ों मामले अदालतों में लंबित हैं। राजनीतिक दलों ने भ्रष्टाचार को लगभग एक गैर-मुद्दा बना दिया है, और विभिन्न स्तरों पर सरकारी अधिकारी बहुत कम जवाबदेही या नैतिक जिम्मेदारी दिखाते हैं।

विभिन्न विभागों की हेल्पलाइनें निष्क्रिय हैं। बहुप्रचारित सिटीजन चार्टर महज एक औपचारिकता साबित हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में, नागरिक मंच तेलंगाना और जन सेवा संघ हैदराबाद ने जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों, विधायकों, आईएएस, आईपीएस अधिकारियों और अन्य प्राधिकारियों को सैकड़ों पत्र लिखकर समस्याओं के समाधान की मांग की है, लेकिन इन अपीलों का जवाब नहीं मिला है।

नागरिक मंच तेलंगाना, जन सेवा संघ हैदराबाद और अभिप्राय हैदराबाद तेलंगाना सरकार से व्यापक जनहित में निर्णायक कार्रवाई करने और इन उपायों को लागू करने का आह्वान किया है। ये संगठन नागरिकों से सतर्क रहने, सामूहिक रूप से अपनी आवाज उठाने और शासन में जवाबदेही की मांग करने की भी अपील करते हैं। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना जैसे बड़े भ्रष्टाचार का आम लोगों पर उतना असर नहीं पड़ता जितना निचले सरकारी कार्यालयों में होने वाले छोटे-मोटे भ्रष्टाचार का पड़ता है। अवसर पर जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे, बिनीत सिंह, सीताराम ठाकुर, एस पी सिंह, मोहम्मद मुनव्वर, वीडी चौबे, मदन लाल रावल, एल एम चौधरी, दिनेश चंदन, श्रीनिवास यादव, सुबोध सिंह, सुमित चौबे, सुशील श्रीवास्तव, हरी सिंह, ए के मिश्रा, वी के सिंह आदि उपस्थित हुए।

## वैज्ञानिकों ने ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर से लड़ने वाले नए एजेंट किए विकसित

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) और आईआईएसईआर, कोलकाता के वैज्ञानिकों ने एक अभूतपूर्व सहयोग में नए चिकित्सीय एजेंट विकसित किए हैं, जो स्तन कैंसर के आक्रामक रूप, विशेष रूप से ट्रिपल-नेगेटिव प्रकार, से लड़ सकते हैं। ये एजेंट सूक्ष्म धातु यौगिक हैं, जो कैंसर कोशिकाओं में प्रवेश कर रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज (आरओएस) प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं।

अध्ययन के अनुसार, ये एजेंट कैंसर कोशिकाओं की सुरक्षा प्रणाली को निष्क्रिय कर देते हैं, जिससे कोशिकाएं दो तरीकों से नष्ट होती हैं। फेरोप्टोसिस, जिसमें कोशिकाएं अंदर से जंग खाकर नष्ट होती हैं और ऑटोफैजिक सेल डेथ, जिसमें कोशिकाएं स्वयं पचने और नष्ट होने के लिए प्रेरित होती हैं।

अलवाल वेंकन्टापुरम स्थित आगलेचा परिवार द्वारा आयोजित एक शाम सुंधा माताजी के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए सियारामजी महाराज। अवसर पर दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए आयोजक सीरवी समाज महिला मंडल उपाध्यक्षा इन्द्रादेवी-महेन्द्रसिंह आगलेचा, गोविन्दसिंह, श्यामसिंह, महावीर, मयंक, ललित आगलेचा, श्री बाबा रामदेव मित्र मंडल के सदस्य व भक्तगण।

## चैतन्यपुरी में पत्थरबाजी, एक घायल

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी में सोमवार रात अज्ञात लोगों के एक समूह ने सलीम नगर निवासी ट्रांसपोर्ट ऑटो चालक मोहम्मद आजम पर पत्थरों और धारदार हथियारों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के समय मोहम्मद आजम सड़क पर चल रहे थे, तभी हमलावरों ने उन्हें पकड़ लिया और थोड़ी बहस के बाद हमला कर दिया। गंभीर चोटें आने पर उन्हें तुरंत इलाज के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया। चैतन्यपुरी पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## टीजीएचआरसी ने मानवीय सेवा के लिए पुलिसकर्मी की सराहना की

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति शमीम अख्तर ने शहर में हाल ही में हुई भारी बारिश के दौरान हैदराबाद के सिटी आर्म्ड रिजर्व (सीएआर) के हेड कांस्टेबल श्रीधर वर्मा के अनुकरणीय मानवीय कार्य के लिए उन्हें एक प्रशंसा पत्र प्रदान किया। 4 सितंबर, 2025 को हैदराबाद में अभूतपूर्व बारिश हुई थी, जिसके कारण बंजारा हिल्स क्षेत्र के कुछ हिस्सों में कमर तक पानी भर गया था। इस अफरा-तफरी के बीच, अध्यक्ष के साथ तैनात पायलट-सह-एस्कॉर्ट सुरक्षा दल में तैनात कांस्टेबल श्रीधर वर्मा ने बंजारा हिल्स के रोड नंबर 3 स्थित एक बस स्टॉप पर अकेली फंसी 22 वर्षीय महिला नैनिका को देखा। ऑस्ट्रेलिया में एमबीए की छात्रा नैनिका बढ़ते बाढ़ के पानी में फंस गई थी। उसका फोन काम करना बंद कर दिया था और वह अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पा रही थी, इसलिए वह डरी हुई थी और हाइड्रोफोबिया (पानी का डर) से पीड़ित थी। तेज बहाव का सामना करते हुए, श्रीधर उसके पास पहुंचे, उसे अपनी पुलिस जैकेट दी, उसे दिलासा दिया और उसके परिवार से संपर्क कराया। कोई कैब सेवा उपलब्ध न होने और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर, श्रीधर ने दो घंटे से ज्यादा समय तक बाढ़ प्रभावित सड़कों पर चलने के बाद उसे वनस्थलीपुरम तक पहुंचाया। देर रात वह सुरक्षित अपने परिवार से मिल गई। इस कदम की मीडिया और सोशल मीडिया पर व्यापक प्रशंसा हुई। न्यायमूर्ति शमीम अख्तर ने उनकी सेवा की सराहना करते हुए कहा कि श्रीधर की करुणा और साहस ने पुलिसिंग और मानवाधिकारों की सच्ची भावना को प्रतिबिंबित किया और कर्तव्यनिष्ठा का एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया।

## प्रेमी युगल ने की आत्महत्या

**परिवार की असहमति से आहत होकर उठाया दर्दनाक कदम**

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां प्रेम संबंधों में बाधा आने से आहत एक युवा जोड़े ने अलग-अलग स्थानों पर आत्महत्या कर ली। मंचेरियल जिले के दांडेपल्ली मंडल के कोरविचलमा गांव निवासी अंजन्ना की बेटी डी. हितवर्षिनी (20) हैदराबाद के पास एक निजी कॉलेज में बी.टेक अंतिम वर्ष की छात्रा थी। छुट्टियों से लौटने के बाद उसने रविवार को बीबीनगर और घाटकेसर के बीच एक तेज रफ्तार ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस जांच में पता चला कि उसकी आखिरी कॉल उसी गांव के विनय बाबू (28) से हुई थी। जब पुलिस उससे पूछताछ के लिए पहुंची, तो मालूम हुआ कि उसने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस को विनय बाबू का एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें लिखा है, अगर इस जीवन में नहीं तो अगले जन्म में मैं अपनी प्रेमिका से शादी करूंगा। इससे उनके बीच गहरे रिश्ते की पुष्टि होती है। पुलिस को संदेह है कि दोनों परिवारों के विरोध के कारण ही उन्होंने यह कदम उठाया। इस मामले में रेलवे पुलिस हितवर्षिनी की मौत की जांच कर रही है, जबकि विनय बाबू की माँ की शिकायत पर मंचेरियल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

## खैरताबाद में बैरिकेड हटाए गए, यात्रियों को मिली राहत

### विनायक चतुर्थी उत्सव के बाद सुचारू हुआ यातायात

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद में विनायक चतुर्थी उत्सव के दौरान लगाए गए बैरिकेड्स मंगलवार को हटा दिए गए, जिससे सैकड़ों यात्रियों को बड़ी राहत मिली। 6 सितंबर को गणेश प्रतिमा विसर्जन पूरा होने के बावजूद, बैरिकेड्स अभी तक हटाए नहीं गए थे, जिससे व्यस्त सड़क पर यातायात बाधित था। पुलिस ने भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उत्सव स्थल पर बैरिकेड्स लगाए थे। विसर्जन के बाद इन्हें तुरंत न हटाए जाने के कारण यातायात की समस्याएँ बढ़ गई थीं। यात्रियों ने बैरिकेड्स हटाए जाने के बाद पुलिस की कार्रवाई को सराहा और कहा कि अब सड़क पर यातायात प्रवाह सुचारू रूप से चल रहा है।

## अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, नाइजीरियाई कार्टेल के 7 सदस्य गिरफ्तार

### ईगल फोर्स और गोवा पुलिस के संयुक्त अभियान में करोड़ों रुपये की मादक दवाएं जब्त

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूरोप और भारत से जुड़े नाइजीरियाई कार्टेल द्वारा संचालित बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया गया है। ईगल फोर्स और गोवा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सात नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार किए गए, जबकि करोड़ों रुपये मूल्य की कोकीन, एक्स्टसी, मेथामफेटामाइन, एलएसडी और एमडीएमए जैसी मादक दवाएं जब्त की गईं। जांच में पता चला कि मादक पदार्थ मुंबई और पुणे में कूरियर सेवाओं के माध्यम से भेजे जाते थे और स्थानीय वाहकों के जरिए गोवा और हैदराबाद में पहुंचाए जाते थे। अब तक 33 मादक पदार्थ से भरे पार्सल पकड़े गए हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग के जाल का भी खुलासा हुआ। कार्टेल के सदस्यों और उनके रिश्तेदारों के नाइजीरियाई खातों में 150 से अधिक बैंक लेन-देन पाए गए। गोवा और मुंबई में ड्रग सप्लाई में शामिल स्टेनली, सौरभ, लिवियो, वंश ठक्कर, चेतन मरमारिया और गंगन मल सहित कई लोग गिरफ्तार किए गए। जांच में यह भी पता चला कि हवाला ऑपरेटरों के ज़रिए धन को कपड़े और किराने के सामान में बदलकर वैध बनाया जाता था और नाइजीरिया भेजा जाता था। अकेले गोवा में साप्ताहिक हवाला कारोबार 21.7 करोड़ रुपये का था। कार्टेल के धन को सफेद करने में चेतन मामामिया, छगनलाल और दुर्गा राम प्रमुख खिलाड़ी थे। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह न केवल भारत में मादक पदार्थों की तस्करी करता था, बल्कि आय को नाइजीरिया भेजकर यूरोप और लैटिन अमेरिका में भी अपने नेटवर्क को बढ़ावा देता था। अंतर्राष्ट्रीय समन्वय और आगे की जांच जारी है।

# कवाल टाइगर रिजर्व में दुर्लभ लाल मशरूम की खोज

### तेलंगाना में पहली बार दर्ज हुई पर्पल पिनव्हील फंगस की उपस्थिति

मंचेरियल, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कवाल टाइगर रिजर्व (केटीआर) में वन्यजीव शोधकर्ता और हैदराबाद टाइगर कंजर्वेशन सोसाइटी के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. वेंकटेश अनगंधुला ने पर्पल पिनव्हील फंगस (मैरास्मियस हेमेटोसेफालस) खोजा है। यह तेलंगाना में इस दुर्लभ मशरूम का पहला रिकॉर्ड है। डॉ. वेंकटेश ने दो दिन पहले केटीआर में फंगल डेटा संग्रह सर्वेक्षण के दौरान इस छोटे लाल रंग के मशरूम को देखा। उन्होंने बताया कि यह खोज रिजर्व की पारिस्थितिक समृद्धि और यहां की विविध जैव संपदा का प्रमाण है।

यह मशरूम अपनी गहरे लाल से रक्त-लाल रंग की टोपी और पतले रेशेदार तने के लिए जाना जाता है। इससे पहले इसे ओडिशा, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी और असम में देखा गया था। अब कवाल में इसकी उपस्थिति ने यहां की जैव विविधता को और समृद्ध कर दिया है। बरसात के मौसम में पनपने वाला यह फंगस खाने योग्य तो नहीं है, लेकिन पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे जीवों का दस्तावेजीकरण भारत के संरक्षित वनों की अनदेखी विविधता को सामने लाने के लिए बेहद ज़रूरी है। मैरास्मियस वंश का पहली बार 1838 में स्वीडिश वैज्ञानिक एलियास मैग्नस फ्राइज़ ने वर्णन किया था। इसका नाम ग्रीक शब्द मैरास्मोस (अर्थात् 'मुरझाना') से लिया गया है, क्योंकि इस वंश के कई कवक सूखने के बाद नमी पाकर फिर से जीवित हो जाते हैं।

# यूरिया संकट गहराया, किसानों की रातें कतारों में गुजर रहीं

### सरकार के दावों के बावजूद लंबी लाइनें, कालाबाजारी और विरोध प्रदर्शन जारी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के बार-बार आश्वासन देने के बावजूद तेलंगाना के किसान यूरिया की किल्लत से जूझ रहे हैं। सूर्यपेट और नारायणपेट समेत कई जिलों में महिलाएं और बच्चे आधी रात से ही प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) व अन्य केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में खड़े हैं, लेकिन अक्सर खाली हाथ लौट रहे हैं। पिछले एक महीने से जारी इस संकट ने किसानों में गहरी नाराजगी और हताशा पैदा कर दी है। नारायणपेट ज़िले के मरिकल मंडल में महिलाओं और बच्चों ने भूखे-प्यासे पूरी रात इंतजार किया, वहीं मद्दुर में किसानों को पुलिस की निगरानी में टोकन देकर सीमित मात्रा में यूरिया दिया गया। कई जगह किसानों ने लाइन में अपनी जगह बनाए रखने के लिए चप्पलें रख दीं।

20 एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों को भी ज़रूरत से कम सिर्फ़ 45 किलो के दो बैग यूरिया मिले, जिससे फसल को नुकसान की आशंका बढ़ गई। वहीं, कालाबाजारी में 266.50 रुपये वाले यूरिया बैग 350-400 रुपये तक बेचे जाने की शिकायतें सामने आई हैं। सरकार का दावा है कि अगस्त में केंद्र के दबाव से अतिरिक्त 40,000 मीट्रिक टन यूरिया मिला और रोजाना 10,000 मीट्रिक टन आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। टोकन सिस्टम, रैतु वेदिका केंद्र और ईपीओएस मशीनों जैसे उपाय भी शुरू किए गए हैं। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने कहा कि वितरण बिना बाधा चला, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र नारायणपेट के कोसगी में भी किसानों ने आपूर्ति की कमी को लेकर प्रदर्शन किया। तकनीकी खामियों से बटाईदार किसान और बिना आधार वाले किसान सबसे ज़्यादा प्रभावित हो रहे हैं। विपक्ष बीआरएस ने कांग्रेस सरकार पर कुप्रबंधन और कालाबाजारी का आरोप लगाया है। पार्टी नेताओं ने किसानों के समर्थन में धरना और सड़क जाम किए। किसानों का कहना है कि अगर संकट जल्द नहीं सुलझा तो खरीफ फसलों की पैदावार में 10-15 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है।

## केयर हॉस्पिटल्स ने बुजुर्ग मरीज पर स्वदेशी माईक्लिप तकनीक से सफल प्रक्रिया की

**टीईईआर विधि से लीकी हार्ट वाल्व की समस्या का समाधान**

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित केयर हॉस्पिटल्स ने सोमवार को घोषणा की कि उसके सर्जनों ने गंभीर रूप से बीमार 76 वर्षीय मरीज पर स्वदेशी माईक्लिप (मेरिल) डिवाइस का उपयोग करते हुए ट्रांसकैथेटर एज-टू-एज रिपेयर (टीईईआर) प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की है। मरीज माइट्रल वाल्व रिगर्जिटेशन (लीकी हार्ट वाल्व) से पीड़ित था।

डॉक्टरों ने बताया कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सीओपीडी और गुर्दे की बीमारी से ग्रस्त बुजुर्ग मरीज में गंभीर माइट्रल रेगुर्गिटेशन (एमआर) और हाल ही में दिल का दौरा पड़ने की पुष्टि हुई थी। ऐसे मरीज के लिए सर्जरी संभव नहीं थी। केयर हॉस्पिटल्स के क्लिनिकल डायरेक्टर और कार्डियोलॉजी प्रमुख डॉ.वी सूर्य प्रकाश राव के नेतृत्व में टीम ने इकोकार्डियोग्राफिक मार्गदर्शन में दो क्लिप डालकर माइट्रल वाल्व को स्थिर किया, जिससे माइट्रल रिगर्जिटेशन में उल्लेखनीय कमी आई। डॉ. राव ने बताया कि स्वदेशी माईक्लिप तकनीक के उपयोग से यह न्यूनतम आक्रामक प्रक्रिया न केवल जीवन रक्षक साबित हुई, बल्कि मरीज के जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार लाया।

## प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

### नेपाल हिंसा- पूर्व...

पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी विदेश मंत्री आरजू राणा को उनके घर में घुसकर पीटा। प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। उनके सीने पर लात मारी। प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को नेपाली कांग्रेस के ऑफिस में आग लगा दी।

सुरक्षा बलों ने पीएम ओली को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया। उन्हें कहां ले जाया गया है, इसकी जानकारी नहीं है। प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफे के बाद प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन पर कब्जा कर लिया। प्रदर्शनकारी संसद से कुर्सी-टेबल लूटकर ले गए। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों के हथियार लूटे। प्रदर्शनकारियों ने नेपाली समाचार पत्र कांतिपुर के ऑफिस में आग लगा दी।

**नेपाली सेना बोली- देश की एकता बनाए रखें :**

नेपाल की सेना ने कहा कि देश की आजादी, एकता और लोगों की जान-माल की रक्षा हम हमेशा करते रहेंगे, चाहे हालात कितने भी मुश्किल हों। जेन जेड के आंदोलन की घटनाओं पर सेना नजर रख रही है। आंदोलन में लोगों और संपत्ति को हुए भारी नुकसान पर सेना को बहुत दुख है। मरने वालों की आत्मा को शांति मिले, इसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उनके परिवारों को सेना की संवेदना है। घायलों के जल्द ठीक होने की भी कामना है। सेना ने कहा कि नेपाल और लोगों की भलाई के लिए हम हमेशा तैयार हैं। हम जान-माल की पूरी हिफाजत करेंगे। इस मुश्किल समय में देश की पुरानी, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चीजों को बचाना सबका फर्ज है। इसलिए, सेना ने युवाओं और सारे देशवासियों से गुजारिश की है कि आपसी भाईचारा और एकता बनाए रखें।

**नक्खू जेल से फरार हुए 1500 कैदी :**

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के चेयरमैन रबि लामिछाने की रिहाई के बाद ललितपुर के नक्खू जेल से सभी कैदी बाहर निकल गए। इस जेल में लगभग 1500 कैदी बंद थे। लामिछाने की रिहाई के बाद पुलिस ने यहां से अपनी सुरक्षा चौकियों से हटने का फैसला किया, जिससे कैदियों को निकलने का मौका मिला गया। इससे इलाके में सुरक्षा खतरे की चिंता बढ़ गई है। अधिकारी हालात पर नजर रख रहे हैं। इतने सारे कैदियों के बाहर आने से जनता की सुरक्षा को बड़ा खतरा हो सकता है।

नेपाल में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने एक लेटर जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि सरकार को घुटनों पर ला दिया गया है। हम अब प्रदर्शनकारियों से शांत रहने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाने की अपील करते हैं। लेटर में कहा गया है कि यह देश अब हमारी लीडरशिप में आ गया है। सार्वजनिक संपत्ति को कोई नुकसान न पहुंचाएं। पीएम ओली ने इस्तीफा दे दिया है। हम अपना सुरक्षित भविष्य वाला नेपाल बना सकते हैं। हम सबकी एकता ही नए बदलाव की नींव रखेगी।

नेपाल में बीते 2 दिनों से जारी हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारत में नेपाल दूतावास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली में नेपाल का दूतावास बाराखंभा रोड पर स्थित है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रधानमंत्री के बाद नेपाल के राष्ट्रपति ने भी इस्तीफा दे दिया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। इससे कुछ देर पहले ही केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा देकर काठमांडू छोड़ दिया था।

**बालेन शाह को पीएम बनाने की मांग :**

नेपाल में आंदोलनकारी सोशल मीडिया के जरिए बालेन शाह को अगला पीएम बनाने की मांग कर रहे हैं। अभी वह काठमांडू में मेयर हैं। नेपाल में जारी हिंसक प्रदर्शनों की वजह से भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को नेपाल जाने से बचने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जब तक हालात नॉर्मल न हो जाए, नेपाल जाने से बचें। जो भारतीय नागरिक अभी नेपाल में हैं, उन्हें अपने मौजूदा ठिकाने पर ही रहना चाहिए। सड़कों पर न निकलें और पूरी सावधानी बरतें। साथ ही, नेपाल की लोकल अथॉरिटीज और काठमांडू में भारतीय दूतावास की सलाह का पालन करें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# कोहली-रोहित के रिटायरमेंट के बाद भारत का पहला टूर्नामेंट

## एशिया कप में गिल निभाएंगे विराट का रोल, क्या रोहित की तरह कामयाब होंगे सूर्या

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की जीत के साथ भारतीय क्रिकेट के सुनहरे युग का एक बड़ा अध्याय बंद हो गया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों ने इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। अब एशिया कप में पहली बार टीम इंडिया उनके बिना मैदान पर उतरेगी। शुभमन गिल पर कोहली की जगह रन बनाने का दबाव होगा, कप्तान सूर्यकुमार यादव को रोहित की कप्तानी का वारिस माना जाएगा और ऑलराउंडर अक्षर पटेल को जडेजा की जिम्मेदारी उठानी होगी।

दूसरी ओर पाकिस्तान ने भी बाबर आज़म और मोहम्मद रिज़वान को हटाकर नया दौर शुरू किया है। ऐसे में एशिया कप सिर्फ खिताब की लड़ाई नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की परीक्षा साबित होगा। क्या ये नए खिलाड़ी और कप्तान बड़े टूर्नामेंट में दिग्गजों को कामयाबी के साथ रिप्लेस कर पाएंगे। स्टोरी में आगे इसी की पड़ताल करेंगे।

**कोहली आखिरी टी-20 में प्लेयर ऑफ द मैच बने थे**

टीम इंडिया के टी-20 में दूसरे टॉप रन स्कोरर विराट कोहली ने 29 जून 2024 को सबसे छोटे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। इसी दिन भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर 17 साल बाद खिताब जीता था। कोहली को 76 रन की अहम पारी खेलने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला था।

विराट ने 2010 में भारत से टी-20 डेब्यू किया और 2012 से हर टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया। 3 बार वे टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर रहे। इतना ही नहीं 2014 और 2016 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। वे टी-20 एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास के टॉप रन स्कोरर भी रहे। टी-20 में विराट पर टॉप ऑर्डर में टीम को संभालने की जिम्मेदारी थी। आखिरी वर्ल्ड कप में ओपनिंग करते हुए उन्होंने इस जिम्मेदारी को संभाला।

**गिल ने अब तक सिर्फ 21 टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं**

टी-20 टीम में शुभमन गिल अब विराट कोहली की जिम्मेदारी संभालते नजर आएंगे। या तो वे बतौर ओपनर खेलेंगे या नंबर 3 पर बैटिंग करेंगे। शुभमन ने 2023 में इस फॉर्मेट से भारत के लिए डेब्यू किया, लेकिन उन्हें विराट की गैरमौजूदगी में ही प्लेइंग-11 में जगह मिल पाई। वे पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा नहीं बन पाए थे।

अब शुभमन एशिया कप में टीम के उप कप्तान बनाए गए हैं और उनका टॉप ऑर्डर में खेलना भी कन्फर्म ही है। शुभमन के सामने भी विराट की तरह मुश्किल परिस्थिति में टीम को संभालने और अहम मैचों में जीत दिलाने की चुनौती होगी। उन्होंने भारत के लिए अब तक 21 टी-20 में करीब 139 के स्ट्राइक रेट से 578 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 1 सेंचुरी और 3 फिफ्टी भी लगाई हैं।

**रोहित भारत के टॉप टी-20 रन स्कोरर**

विराट के साथ रोहित ने भी टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद संन्यास ले लिया। वे इस फॉर्मेट में दुनिया के टॉप रन स्कोरर बनने और भारत को 17 साल बाद वर्ल्ड कप जिताने के बाद रिटायर हुए। टी-20 में वे टीम इंडिया को लीड करने के साथ ओपनिंग करते हुए तेज शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी भी संभालते थे। रोहित ने 2007 में ही भारत से टी-20 डेब्यू कर लिया था। वे टीम इंडिया से बतौर प्लेयर और बतौर कप्तान वर्ल्ड कप जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी रहे। उन्होंने भारत से 9 वर्ल्ड कप खेले और टूर्नामेंट में टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। ओवरऑल टीम के लिए उन्होंने 159 मैच में करीब 141 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। इनमें 5 शतक और 32 हाफ सेंचुरी शामिल रहीं।

**सूर्या करेंगे रोहित की जगह कप्तानी**

टी-20 टीम में रोहित के बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। वहीं ओपनिंग पोजिशन को लेफ्ट हैंड बैटर अभिषेक शर्मा ने अपना बना लिया। सूर्या पहले से ही टी-20 टीम का हिस्सा थे, लेकिन अब वे कप्तानी में भी टीम को बेहतरीन लीड कर रहे हैं। सूर्या की कप्तानी में भारत ने अब 22 मैच खेले और 18 में जीत हासिल की।

सूर्या 3 या 4 नंबर पर बैटिंग करते हैं और टीम का स्कोरिंग रेट बढ़ाए रखते हैं। उनके नाम अब तक 83 मैचों में करीब 167 के स्ट्राइक रेट से 2598 रन हैं। इनमें 4 सेंचुरी और 21 फिफ्टी भी शामिल रहीं। दूसरी ओर ओपनिंग पोजिशन पर अभिषेक भी भारत को विस्फोट शुरुआत दिलाने में कामयाब रहे हैं। उनके नाम 17 मैचों में 193.84 के स्ट्राइक रेट से 535 रन हैं। इनमें 2 सेंचुरी और 2 ही फिफ्टी भी शामिल हैं। यानी कप्तानी में सूर्या और ओपनिंग में अभिषेक एशिया कप में रोहित की जिम्मेदारी संभालेंगे।

# सचिन सिवाच ने ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज को हराया

## विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

लिवरपूल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के लिवरपूल में 4 से 14 सितंबर तक चल रही विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भिवानी जिले के मिताथल गांव के अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड-16) में जगह बना ली है। शनिवार देर रात खेले गए राउंड-32 के मुकाबले में सचिन ने ऑस्ट्रेलिया के मुक्केबाज को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया।

कोच अनिल टेकराम ने बताया कि सचिन 60 किलोग्राम भारवर्ग में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राउंड-32 में सचिन का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा जिसमें उन्होंने बेहतरीन पंचों के दम पर विरोधी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। कोच ने उम्मीद जताई कि सचिन आगामी दौर में भी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए स्वर्ण पदक हासिल करेंगे। राउंड-16 का मुकाबला सचिन का कजाकिस्तान के मुक्केबाज से होगा।

# एशिया कप से पहले मोर्केल बोले-ऑलराउंडर्स अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प

## उन्हें बैटिंग-बॉलिंग दोनों पर मेहनत करने को कहता हूं, इससे मुश्किल हालात में टीम को फायदा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने कहा है कि शिवम दुबे जैसे ऑलराउंडर्स 2026 टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

मोर्केल का मानना है कि दुबे जैसे ऑलराउंडर, जो चार ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं, टीम को अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प देते हैं, जिससे मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम को फायदा मिलता है।

भारतीय टीम यूएई में एशिया कप खेलने के लिए गई है। टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से यूएई के खिलाफ करेगी।

**मोर्केल बोले- बैटिंग-बॉलिंग दोनों पर मेहनत करने को कहता हूं**

दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में टीम इंडिया के नेट सत्र के दौरान मोर्केल ने कहा, 'मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी चार ओवर गेंदबाजी कर सकें। मैं हमेशा ऑलराउंडरों को उनकी दोनों स्किल्स (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) पर मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हूं। कई बार खिलाड़ी प्रैक्टिस में एक स्किल पर ज्यादा ध्यान देते हैं और दूसरी को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन हम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।'

**गेंदबाजी विकल्पों का फायदा**

मोर्केल ने बताया कि अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प भारत को उन परिस्थितियों में सहारा दे सकते हैं, जब मुख्य गेंदबाज रन लुटा रहे हों। उन्होंने कहा, 'किसी दिन हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत पड़ सकती है, जो काम पूरा करे। उस

दिन की परिस्थितियां किसी खिलाड़ी के लिए ज्यादा अनुकूल हो सकती हैं। इसलिए हमें पेशेवर रवैया अपनाना होगा। यह जिम्मेदारी लेने और क्वालिटी काम करने की बात है, ताकि जब कप्तान सूर्यकुमार यादव आपको गेंद थमाए, तो आप तैयार हों।'

**एशिया कप में रणनीति अलग हो सकती है**

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने चार स्पेशलिस्ट स्पिनरों - कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा - के साथ सबको चौंकाया था।

मोर्केल ने संकेत दिया कि दुबई और अबू धाबी में होने वाले एशिया कप में रणनीति अलग हो सकती है, क्योंकि वहां की पिचों पर घास और ओस का प्रभाव हो सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें पिच को देखना होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के समय यहां काफी क्रिकेट खेला गया था। मुझे लगता है कि पिचों पर काफी घास है।

'पहला मैच शुरू होने से पहले हमें यह समझ आ जाएगा कि कौन सी रणनीति बेहतर होगी। अभी के लिए हम हर पहलू को कवर कर रहे हैं और मैच के दिन अंतिम फैसला लेंगे।'

**वाइट बॉल क्रिकेट के लिए कैसे तैयार होना, कुलदीप जानते हैं- मोर्केल**

मोर्केल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुलदीप यादव को कोई मैच न मिलने पर सहानुभूति जताई। उन्होंने कहा, 'कुलदीप एक बहुत ही पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड दौरे पर उन्हें मुश्किल से कोई गेम टाइम मिला, लेकिन इसके बावजूद वे मेहनत करते रहे। कुलदीप ने अपने करियर में ढेर सारे ओवर फेंके हैं। उन्हें पता है कि टी-20 और व्हाइट-बॉल क्रिकेट के लिए कैसे तैयार होना है।

उन्होंने आगे कहा, 'हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं, जो हमारे हाथ में है। जब हम प्रैक्टिस करते हैं तो हमारा ध्यान केंद्रित रहता है। हम लक्ष्य निर्धारित करते हैं और खिलाड़ियों को उन लक्ष्यों को हासिल करने की जिम्मेदारी दी जाती है।'

# सीएएफए नेशंस कप: *भारतीय फुटबॉल टीम ने ओमान को पेनाल्टी में हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता*

## कप्तान गुरप्रीत सिंह संधू ने बचाया गोल

हिसोर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम ने पहली बार खेले गए सीएएफए नेशंस कप में ओमान को 3-2 से पेनाल्टी शूटआउट में हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। फुटबॉल रैंकिंग में जहां ओमान 79वें नंबर पर है, वहीं भारत 133वें पायदान पर है।

ताजिकिस्तान के हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेले गए तीसरे स्थान के प्लेऑफ में मुकाबला 1-1 से बराबरी पर खत्म हुआ था।

मैच के 55वें मिनट में जमीअल अल यहमादी ने ओमान के लिए गोल दागा, लेकिन उदांता सिंह ने 80वें मिनट में शानदार हेडर से बराबरी का गोल किया। इसके बाद मुकाबला अतिरिक्त समय में चला गया। 96वें मिनट में ओमान के अली अल बुसेदी को रेड कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई। बावजूद इसके, भारत

देर तक दबदबा बनाने के बाद भी विजयी गोल नहीं कर पाया और मैच का फैसला पेनाल्टी से हुआ।

पेनाल्टी शूटआउट में भारत के लिए लालियानजुआला छांगते, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल किए। वहीं, अनवर अली का शॉट बचा लिया गया और उदांता चूक गए। ओमान की ओर से केवल थानी अल रुशैदी और मुहसन अल घस्सानी गोल कर पाए। भारतीय कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अल यहमादी का शॉट रोककर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

भारतीय टीम ने इसी के साथ किसी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में ओमान को पहली बार हराया है। दोनों टीम अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहीं थी जिससे उन्हें तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलने का मौका मिला।

# ऋषभ पंत भारत लौटे, बेंगलुरु में ट्रेनिंग करेंगे

## वेस्टइंडीज सीरीज से वापसी कर सकते हैं; इंग्लैंड दौरे में पैर फैक्चर हुआ था

बेंगलुरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड से भारत लौट आए हैं। वे जल्द ही बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग करेंगे।

27 साल के पंत को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में चोट लगी थी। इसके बाद से ही वे इंग्लैंड में लगातार अपना इलाज करवा रहे थे।

हालांकि उनकी फिटनेस रिपोर्ट अभी पूरी तरह सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि पंत की नजरें अक्टूबर में भारत की अगली सीरीज वेस्टइंडीज के खिलाफ से वापसी पर हैं।

अगर पंत तब तक फिट नहीं हुए, तो अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज से वे वापसी करेंगे।

पंत इंग्लैंड से सीधे मुंबई आए थे और पिछले कुछ दिनों में वहां डॉक्टरों से मिले। जांच के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें रिहैब के लिए बेंगलुरु जाने को कहा है। हालांकि अभी भी उनके पैर में पट्टी लगी हुई है।

पंत ने हाल की एक पोस्ट में लिखा, मैंने एक चीज समझी है, चाहे आपने पहले कितना भी दर्द झेला हो, अगर दोबारा चोट लगती है तो उतना ही दर्द होता है। फर्क बस इतना होता है कि आपकी सहनशक्ति बढ़ जाती है और आपको रिकवरी का प्रोसेस पता चल जाता है। इसलिए पॉजिटिव रहना ज़रूरी है। खुद को मोटिवेट करना बहुत मदद करता है। खुद पर भरोसा रखो और जिस दिशा में जीवन ले जाना चाहते हो, उसमें मेहनत करते रहो। क्योंकि जो आपको मार नहीं पाता, वो आपको और मजबूत बना देता है।

23 जुलाई को मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स की गेंद पंत के पैर पर लगी थी। उस समय पंत 37 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे और दर्द में रिटायर होकर पवेलियन लौट गए थे। लेकिन अगले दिन सबको चौंकाते हुए, पूरा पैर बांधकर वे दोबारा बैटिंग करने उतरे और टीम के लिए अहम रन बनाए। इसी दौरान उन्होंने अपना अर्धशतक (54 रन) भी पूरा किया था।

# विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं जैस्मीन

लिवरपूल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लंबोरिया ने शानदार अभियान जारी रखते हुए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जैस्मीन ने इसके साथ ही पहले पदक की ओर कदम बढ़ा लिए हैं। जैस्मीन ने जहां भारत को खुश होने का मौका दिया, वहीं, देश के दो अन्य मुक्केबाज हारकर बाहर हो गए।

तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप खेल रहीं जैस्मीन ने महिलाओं के 57 किलो वर्ग के अंतिम 16 में ब्राजील की दो बार की ओलंपियन जूसीलेन सेरकीरा रोमेउ को 5-0 से हराया। दोनों के बीच जुलाई में अस्ताना टूर्नामेंट में भी स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला हुआ था जिसमे जैस्मीन विजयी रही थीं। अब जैस्मीन विश्व चैंपियनशिप पदक से एक जीत दूर हैं। उनका सामना क्वार्टर फाइनल में एशियाई अंडर

22 चैंपियन उजबेकिस्तान की कुमोराबोनू मामाजोनोवा से होगा।

पुरुष वर्ग में अबिनाश जामवाल ने 65 किलो वर्ग में मैक्सिको के हुगो बैरोन को 5-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं सनामाचा चानू (70 किलो) और साक्षी चौधरी (54 किलो) दोनों अंतिम 16 में हारकर बाहर हो गईं। चानू को कजाखस्तान की नताल्या बोगदानोवा ने हराया, जबकि साक्षी को पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता और दो बार विश्व चैम्पियनशिप के पदक जीत चुकी तुर्की की हतीस अकबास ने मात दी।

# अनन्या और दिव्यांशी की जोड़ी का दमदार प्रदर्शन

## स्टार कंटेंडर में अंडर-15 युगल खिताब जीता

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वैंगकी और ल्यु झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता।

कड़े मुकाबले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। दबाव को झेलने और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोडियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई।

इससे पहले सेमीफाइनल में इस जोड़ी ने हमवतन रियाना भूटा और अंकोलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) से हराया था। रियाना और

अंकोलिका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पीबी अभिनंद और ऋत्विक गुप्ता ने क्रमशः अंडर-19 और अंडर-15 बालक एकल वर्ग में रजत पदक जीते। अभिनंद जापान के इवैडा शुंटो के खिलाफ सीधे गेम में 0-3 (6-11, 7-11, 8-11) से हार गए जबकि ऋत्विक को भी खिताबी मुकाबले में कोरिया के ली सेयुंगसू के खिलाफ 0-3 (8-11, 5-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर-19 मिश्रित युगल में अभिनंद और सिंड्रेला दास की जोड़ी जबकि अंडर-15 बालक युगल में ऋत्विक और साहिल रावत की जोड़ी ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल छह पदक जीते।

# एशिया कप 2025 से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी उस्मान शिनवारी ने लिया संन्यास, अचानक फैसला लेकर दिया झटका

इस्लामाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 का आगाज आज से होने वाला है। इसके पहले एक पाकिस्तानी खिलाड़ी ने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। इस प्लेयर का नाम उस्मान शिनवारी है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 2013 में डेब्यू किया था और अब उन्होंने 12 साल बाद अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट करियर को विराम देने का फैसला किया है। अचानक से उन्होंने अपने पाकिस्तानी फैंस को

तगड़ा झटका दे दिया है।

लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने पाकिस्तान के लिए अपना पहला मैच दिसंबर 2013 में खेला था। इसके बाद उन्होंने 34 मैचों में पाक का नेतृत्व किया। पिछले 6 साल से उन्हें टीम में जगह नहीं मिल रही थी। उन्होंने अपना आखिरी मैच अक्टूबर 2019 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। उन्हें इसके बाद टीम से बाहर कर दिया गया। उन्होंने वापसी की कई कोशिश की लेकिन उन्हें अपने देश के लिए खेलने का चांस नहीं मिला।

उस्मान शिनवारी ने पाकिस्तान के लिए 17 वनडे मैचों में हिस्सा लिया और वो 34 विकेट झटकने में सफल रहे। इसी बीच उनकी इकोनॉमी मात्र 4.94 की रही। वनडे में उन्होंने 2 बार फाइव विकेट हॉल अपने नाम किया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय में शिनवारी ने 16 मैचों में पाकिस्तान का नेतृत्व किया और उन्होंने 13 विकेट झटके। इसी बीच उनकी इकोनॉमी 8.31 की रही। उस्मान को अपने देश के लिए सिर्फ ही टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला, जहां उन्होंने एक विकेट लिया था।

# केकेआर को आईपीएल चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर का खुलासा

## टीम और मैनेजमेंट पर लगाए 'गंभीर' आरोप!

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर ने अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 का चैंपियन बनाया था, बावजूद इसके फ्रैंचाइजी ने अय्यर को आईपीएल 2025 के लिए रिटेन नहीं किया था। इसको लेकर केकेआर पर काफी सवाल भी उठे थे। उससे पहले श्रेयस अय्यर ने आईपीएल 2020 में अपनी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया था। वहीं अब केकेआर के साथ अपने रिश्ते को लेकर अय्यर बड़ा खुलासा करते हुए बातों ही बातों में केकेआर पर गंभीर आरोप लगाया है। श्रेयस अय्यर ने बताया कि "एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर मैं बहुत कुछ देता हूं। पंजाब किंग्स ने मुझे कोच, मैनेजमेंट और खिलाड़ियों से पूरा

सहयोग दिया, जिसकी मुझे जरूरत भी थी। जिससे मैं मैनेजमेंट की मीटिंग्स में बैठ पाया और मैदान के अंदर-बाहर फैसले ले पाया। वहीं केकेआर में मैं बातचीत का हिस्सा तो रहता था, लेकिन मैं पूरी तरह से इसमें शामिल नहीं था। मुझे इस पद तक पहुंचने में कड़ी मेहनत करनी पड़ी है।"

ऑस्ट्रेलिया ए के साथ होने वाली वनडे सीरीज में श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया, जिसको लेकर अय्यर ने कहा "मैं केवल नियंत्रण में रह सकता हूं और अपने कौशल पर काम करता रहूंगा। जब मौका आएगा तो मैं उसको अच्छे से लूंगा।"

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रूपये में खरीदा था। जिसके बाद अय्यर आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। आईपीएल 2025 में अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी के साथ-साथ कमाल की कप्तानी भी की थी। जिसके चलते पंजाब किंग्स की टीम लंबे समय के बाद फाइनल तक पहुंची थी। इस सीजन अय्यर ने 600 से ज्यादा रन भी बनाए थे।

# राजा नरसिम्हा ने तेलंगाना में 34 डे केयर कैंसर केंद्रों का शुभारंभ किया

संगारेड्डी, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने मंगलवार को संगारेड्डी मेडिकल कॉलेज से तेलंगाना भर के 34 सरकारी सामान्य अस्पतालों में स्थापित जिला डे केयर कैंसर केंद्रों (डीसीसीसी) का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने देश भर में कैंसर के मामलों में खतरनाक वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, "तेलंगाना में हर साल 55,000 से ज़्यादा नए मामले सामने आते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगले पाँच वर्षों में, हम हर साल 65,000 से ज़्यादा मामले देख सकते हैं।"

राजा नरसिम्हा ने कहा, "इस स्थिति को देखते हुए, हम कैंसर की रोकथाम को प्राथमिकता दे रहे हैं और रोगियों के शीघ्र निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम आगे बढ़ने के लिए प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट नोरी दत्तात्रेय से परामर्श कर रहे हैं। वर्तमान में, हम एमएनजे और एनआईएमएस अस्पतालों में कैंसर रोगियों का उपचार कर रहे हैं।"

मंत्री ने बताया कि जैसे-जैसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है, एमएनजे और एनआईएमएस अस्पतालों पर मरीजों की मांग बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, मरीजों के लिए इलाज के लिए हैदराबाद जाना भी बोझिल होता जा रहा है। इस स्थिति को देखते हुए, राज्य सरकार ने विभिन्न स्थानों के मरीजों के लिए उपचार के विकल्प बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके परिणामस्वरूप, सरकार ने प्रत्येक जिले में डे केयर कैंसर केंद्र स्थापित किए हैं और आज कुल 34 केंद्रों का शुभारंभ किया है। राजा नरसिम्हा ने बताया कि ये केंद्र कैंसर की जांच, निदान, कीमोथेरेपी और उपशामक देखभाल सहित कई तरह की सेवाएं प्रदान करते हैं। मंत्री ने बताया कि कीमोथेरेपी की आवश्यकता वाले मरीज सुबह आ सकते हैं और शाम तक घर लौट सकते हैं।

आवश्यकता पड़ने पर, एमएनजे और एनआईएमएस के वरिष्ठ चिकित्सक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए डे केयर केंद्रों का दौरा करते हैं। सरकार ने अंतिम चरण के कैंसर रोगियों को आवश्यक उपशामक देखभाल प्रदान करने के लिए इन केंद्रों की स्थापना की है। उन्होंने आगे कहा कि 2030 तक, पूरे तेलंगाना राज्य में व्यापक कैंसर उपचार सुनिश्चित करने के लिए पूर्ववर्ती जिला मुख्यालयों में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र स्थापित किए जाएँगे।

# उच्च न्यायालय ने ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के परिणाम रद्द किए

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक उल्लेखनीय निर्णय में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) को ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मैन्युअल रूप से पुनर्मूल्यांकन करने और आठ सप्ताह के भीतर परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया। अदालत ने आगाह किया कि ऐसा न करने पर पूरी परीक्षा प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी और नए सिरे से परीक्षाएँ आयोजित करनी पड़ेंगी।

हालाँकि टीजीपीएससी ने ग्रुप-1 पदों के लिए 563 रिक्तियों की घोषणा की थी, लेकिन मूल्यांकन में अनियमितताओं का दावा करने वाली याचिकाओं के बाद अप्रैल 2025 में भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी।

अभ्यर्थियों ने पारदर्शिता संबंधी चिंताओं को उजागर किया, जैसे कि तेलुगु माध्यम के पेपरों के लिए गैर-तेलुगु मूल्यांकनकर्ताओं की नियुक्ति और मॉडरेशन के लिए विशिष्ट दिशानिर्देशों का अभाव। अदालत ने तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) को सभी उत्तर पुस्तिकाओं का नए सिरे से पुनर्मूल्यांकन करने का आदेश दिया है। पुनर्मूल्यांकन में संजय बनाम उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग मामले में स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करना होगा, जैसा कि अदालत ने निर्देश दिया था। न्यायाधीश ने ज़ोर देकर कहा कि उपलब्ध 563 पदों को केवल कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद ही भरा जा सकता है।

अदालत ने किसी भी तरह की गड़बड़ी के प्रति "ज़ीरो टॉलरेंस" नीति की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर फिर से कोई अनियमितता पाई गई, तो मुख्य परीक्षा दोबारा लेने का आदेश दिया जाएगा। आदेश मिलने के बाद, टीएसपीएससी को पूरी प्रक्रिया को अंतिम रूप देने और नियुक्ति पत्र जारी करने के लिए आठ महीने का समय दिया गया है।

पिछले एक साल में भर्ती प्रक्रिया में कई बदलाव हुए हैं। दिसंबर 2023 में सरकार बदलने के बाद, कांग्रेस प्रशासन ने ग्रुप-1 के पदों की संख्या बढ़ाकर 563 कर दी और फरवरी 2024 में एक नई अधिसूचना जारी की।

प्रारंभिक परीक्षा 9 जून, 2024 को हुई, जिसमें रिकॉर्ड 3,02,000 उम्मीदवार शामिल हुए। मुख्य परीक्षा 21 से 27 अक्टूबर, 2024 के बीच हुई, जिसमें कुल 21,093 उम्मीदवारों ने भाग लिया। परिणाम मार्च 2025 में घोषित किए गए और प्रमाणपत्र सत्यापन अप्रैल में हुआ। इस मुद्दे पर गहन सुनवाई के बाद, अदालत ने पुनर्मूल्यांकन का आदेश दिया।

# केटीआर ने ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के नतीजों पर उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने टीएसपीएससी ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के नतीजों पर तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है और इसे मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के लिए एक बड़ा झटका बताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले ने आखिरकार उन बेरोजगार युवाओं को न्याय दिलाया है जो अनियमितताओं के खिलाफ लगातार लड़ रहे हैं। मंगलवार को यहां अपने बयान में, रामा राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ग्रुप-1 परीक्षाओं में कदाचार के ठोस सबूतों के साथ छात्रों की बार-बार अपील के बावजूद, टीएसपीएससी अड़ियल रवैया अपनाता रहा और बिना किसी सावधानी के आगे बढ़ा। उन्होंने कहा, "बेरोजगारों की चिंताओं का समाधान करने के बजाय, सरकार ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की और बल प्रयोग भी किया। उच्च न्यायालय का फैसला वाकई सराहनीय है, क्योंकि यह नौकरी चाहने वालों के प्रयासों को मान्यता देता है।" बीआरएस नेता ने कहा कि परीक्षा केंद्रों के आवंटन से लेकर हॉल टिकट वितरण और परिणामों में हेराफेरी तक के मुद्दों को संबोधित करने वाले इस फैसले ने सरकार की विफलताओं को उजागर किया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "रेवंत रेड्डी, जिन्होंने जल्दबाजी और अनुचित तरीके से परीक्षाएँ आयोजित करके छात्रों के भविष्य को खतरे में डाला, को इस फैसले के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।"

केटीआर ने कहा कि उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने कांग्रेस को ग्रुप-1 के प्रतिष्ठित पदों को बेचने से रोक दिया है। उन्होंने सरकार पर चुनाव से पहले और बाद में किए गए खोखले वादों से बेरोज़गार युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया, जिससे अंततः आवश्यक परीक्षाएँ आयोजित करने में विफलता मिली।

उन्होंने मुख्यमंत्री से माफ़ी मांगने और अगले आठ महीनों के भीतर ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा का पुनर्मूल्यांकन या पुनर्प्रशासन करने के न्यायालय के आदेशों का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "आगे की अपीलों पर समय बर्बाद न करें। फैसले को पूरी तरह से लागू करें और युवाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करें।" केटी रामाराव ने छात्रों के प्रति अपनी पार्टी के समर्थन की पुष्टि की और इस बात पर ज़ोर दिया कि यह फैसला अन्याय के खिलाफ उनकी निरंतर लड़ाई में एक सफलता है।


पावरग्रिड POWERGRID

विज्ञापन सं: प्रशिक्षुता/2025-26/01

प्रशिक्षुता अधिनियम, 1961 के अधीन प्रशिक्षुओं की नियुक्ति

पावरग्रिड कॉर्पोरेशन कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक महारत्न उद्यम, द्वारा प्रशिक्षुता अधिनियम, 1961 के प्रावधानों और बाद के संशोधनों के अधीन **एक वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षुता** हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। विस्तृत विज्ञापन/अधिसूचना कंपनी की वेबसाइट www.powergrid.in में करियर खंड में उपलब्ध है।

**आवेदन कैसे करें:**

**चरण 1:-**

अपेक्षित योग्यता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों को सबसे पहले स्वयं को वेबसाइट https://apprenticeshipindia.gov.in अथवा https://nats.education.gov.in/ पर, जो भी मान्य है, में पंजीकृत करना होगा।

**चरण 2:-**

ऊपर वर्णित पोर्टल में पंजीकरण के बाद, इच्छुक पात्र अभ्यर्थी पावरग्रिड वेबसाइट www.powergrid.in के करियर खंड में प्रशिक्षुओं की नियुक्ति हेतु दिए गए विवरण के अनुरूप ऑनलाइन आवेदन-पत्र प्रस्तुत करेंगे।

- राज्य-वार और ट्रेड-वार प्रशिक्षण स्लॉट्स के संबंध में पावरग्रिड के क्षेत्रों / स्थापनाओं द्वारा जारी विस्तृत विज्ञापन देखें।
- राज्य और ट्रेड के विकल्प के आधार पर अपेक्षित दस्तावेजों के साथ आवेदन-पत्र प्रस्तुत करें।

**महत्वपूर्ण:**

जिन अभ्यर्थियों ने एनएपीएस / एनएटीएस प्रशिक्षुता पोर्टल में आवेदन किया है उन्हें अपना आवेदन-पत्र ऊपर वर्णित पावरग्रिड वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन प्रस्तुत करना अपेक्षित है। केवल पावरग्रिड वेबसाइट पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों को स्वीकार किया जाएगा और नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा।

| | |
|---|---|
| ऑनलाइन आवेदन खुलने की तिथि | 15.09.2025 |
| ऑनलाइन आवेदन बंद होने की तिथि | 06.10.2025 |

**कृपया नोट कर लें कि पावरग्रिड में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि पूरी होने के बाद, प्रशिक्षु का संगठन में किसी भी रोज़गार हेतु, कोई दावा नहीं होगा।**

आवेदन हेतु क्यूआर कोड स्कैन करें

SR-I/PR/APPRENTICE-01/ADVT-05/2025-26/SANKET

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

क्षेत्रीय कार्यालय: दक्षिण क्षेत्र पारेषण प्रणाली-I, क्षेत्रीय मुख्यालय 6-8/32 एवं 395ई, कवाडीगुडा मेन रोड, सिकंदराबाद, तेलंगाना-500080

पंजीकृत कार्या.: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016

निगमित कार्या.: "सौदामिनी", प्लॉट सं.-2, सेक्टर-29, गुरूगांव-122001, (हरियाणा)

वेबसाईट: www.powergrid.in सीआईएन: L40101DL1989GOI038121

एक महारत्न पीएसयू


# इंदिराम्मा आवास और राशन कार्डों की अधिक मांग : जुपल्ली

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन एवं आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि इंदिराम्मा आवासों और नए राशन कार्डों की मंज़ूरी के लिए जनता की ओर से काफ़ी माँग है।मंगलवार को गांधी भवन में एक आमने-सामने के कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने उपस्थित लोगों से आवेदन एकत्र किए। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने बताया कि धरणी मुद्दों और पासबुक से संबंधित आवेदनों में वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे कहा, "मैंने अधिकारियों को आमने-सामने के कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों का जल्द से जल्द निपटारा करने का निर्देश दिया है।" ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के परिणामों के संबंध में उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार न्यायालय के फैसले का सम्मान करेगी और कोई भी उचित कदम उठाने से पहले उस पर सावधानीपूर्वक विचार करेगी।

जुपल्ली कृष्ण राव ने पिछले एक दशक में ग्रुप-1 परीक्षा आयोजित नहीं करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की भी आलोचना की और कहा कि बीआरएस पार्टी को इस मामले पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, "हमने आबकारी विभाग के अधिकारियों को चेरलापल्ली स्थित दवा निर्माण केंद्र मामले की जाँच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। उस रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।"

# बिजली के खंभे टूटे, खेतों में सिंचाई ठप, जनरेटर पर निर्भर किसान

राजन्ना-सिरसिल्ला, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूरिया की कमी से परेशान किसानों के सामने अब बिजली आपूर्ति की समस्या खड़ी हो गई है। गंभीरावपेट मंडल के मल्लारेड्डीपेट के बाहरी इलाके में नाले में आई बाढ़ से कई बिजली खंभे टूट गए और तार क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे खेतों में बिजली सप्लाई बंद हो गई।

बाढ़ घटे कई दिन बीत जाने के बावजूद मरम्मत कार्य शुरू नहीं होने से किसान मजबूरन निजी ऑपरेटरों से जनरेटर किराए पर लेकर अपनी फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि अतिरिक्त खर्च उनके लिए बड़ी चिंता का कारण बन गया है। उन्होंने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तुरंत बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की।

# जीएचएमसी ने जियागुडा बूचड़खाने के आधुनिकीकरण के आदेश दिए

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने आज कारवान स्थित जियागुडा बूचड़खाने के आधुनिकीकरण और बेहतर स्वच्छता सुविधाओं की आवश्यकता पर बल दिया। आयुक्त ने क्षेत्रीय आयुक्त (खैरताबाद) अनुराग जयंती, मुख्य अभियंता (रखरखाव) सहदेव रत्नाकर, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्दुल वकील और अन्य अधिकारियों के साथ कारवान क्षेत्र के जियागुडा कमेला (बूचड़खाने) का विस्तृत निरीक्षण किया और बूचड़खाने के संचालन को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। कर्णन ने मौजूदा बुनियादी ढांचे की समीक्षा की और इसके प्रभावी संचालन के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की। कर्णन ने जीएचएमसी परियोजना इंजीनियरों को आधुनिकीकरण कार्यों में तेजी लाने, समकालीन मानकों के अनुरूप बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और निगरानी तंत्र को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। जन स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों पर जोर देते हुए, उन्होंने स्वच्छता प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए परिसर से मलबे और निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) कचरे को तत्काल हटाने का भी आदेश दिया।

## एमबीबीएस/बीडीएस प्रवेश के लिए काउंसलिंग अधिसूचना जारी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग और प्रमाणपत्र सत्यापन की अधिसूचना जारी कर दी है। विश्वविद्यालय ने बताया कि अभ्यर्थियों को 9 से 11 सितंबर तक वारंगल स्थित केएनआरयूएचएस में शारीरिक रूप से उपस्थित होकर अपने दस्तावेज़ों का सत्यापन कराना होगा।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार, तेलंगाना सरकार के कर्मचारी, अखिल भारतीय सेवाओं के तेलंगाना कैडर से जुड़े अधिकारी, रक्षा कर्मी/पूर्व सैनिक, केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों के सदस्य तथा राज्य सरकार के अधीन निगमों/एजेंसियों में कार्यरत कर्मचारी जिनकी सेवा अवधि के दौरान बच्चे ने तेलंगाना से बाहर पढ़ाई की है, वे भी काउंसलिंग के लिए पात्र होंगे।

## केटीआर पर मुकदमा चलाने के लिए एसीबी को मंजूरी का इंतजार

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फॉर्मूला ई-कार रेस मामले में एक बड़ा मोड़ तब आया जब तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पूर्व मंत्री केटी रामाराव, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार और अधिकारियों बीएलएन रेड्डी, किशन राव और एफईओ पर मुकदमा चलाने के लिए राज्य सरकार से मंजूरी मांगी है। एसीबी ने तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को अपनी रिपोर्ट पहले ही सौंप दी है, जिन्होंने कथित तौर पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मंजूरी दे दी है। हालांकि, अब अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर निर्भर है। सूत्रों ने कहा कि सरकार की अनुमति मिलते ही एसीबी 'आरोप पत्र' दाखिल करने के लिए तैयार है। जांचकर्ता केटीआर से चार बार और अरविंद कुमार से पांच बार पूछताछ कर चुके हैं। जांच रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि रेस के संचालन में भारी भ्रष्टाचार हुआ था, जिसमें लेन-देन के स्पष्ट सबूत हैं।


यूनियन बैंक Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय - विशाखपट्टणम

यूनियन बैंक भवन, पुराने इनाडु के पास ,प्रथम तल, सीतम्मधारा-530013, विशाखपट्टणम

फोन न:-0891-2546701

ईमेल: operations.vizag@unionbankofindia.bank

एमपनेलमेंट के लिये सूचना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक अग्रणी राष्ट्रीयकृत बैंक, अपनी शाखाओं एवं कार्यालयों के लिए बर्गलर अलार्म सिस्टम, फ़ाइर अलार्म सिस्टम ऑटो डायलर के साथ, सीसीटीवी, टाइम लॉक इत्यादि के इन्स्टालेशन/रखरखाव के लिए व्यवसाय संघ/विक्रेताओं को एमपनेलमेंट करना चाहती है। यह आंध्र-प्रदेश, विशाखपट्टणम क्षेत्र के सभी शाखाओं एवं कार्यालयों के लिए प्रयोज्य है। इच्छुक व्यवसाय संघ/ विक्रेता आवेदन पत्र हमारी वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in; or http:/eprocure.gov.in; से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। यूनियन बैंक बिना कोई कारण बताए आवेदन पत्र अस्वीकार करने का अधिकार रखता है।

10 सितंबर, 2025 — उप महा प्रबंधक


## आंध्र प्रदेश ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

अमरावती, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश राज्य ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 10.5 प्रतिशत की प्रभावशाली जीएसडीपी वृद्धि दर्ज की है, जो राष्ट्रीय औसत 8.8 प्रतिशत से अधिक है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने दोहरे अंकों की वृद्धि पर संतोष व्यक्त किया और राज्य की लंबी तटरेखा और प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के साथ विशाल क्षमता को रेखांकित करते हुए, वर्ष के लिए 17.1 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा। योजना विभाग के अधिकारियों के अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र में सबसे अधिक 11.91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, इसके बाद सेवा (10.70 प्रतिशत) और कृषि (9.60 प्रतिशत) क्षेत्र का स्थान रहा। कृषि में, मछली पकड़ने और जलीय कृषि में 14.52 प्रतिशत (32,110 करोड़ रुपये) की वृद्धि हुई, मांस उत्पादन में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और अंडा उत्पादन 62,157 लाख से बढ़कर 67,450 लाख हो गया। उद्योगों में, खनन और उत्खनन राजस्व 43.54 प्रतिशत (10,686 करोड़ रुपये) हो गया, विनिर्माण 9.93 प्रतिशत (40,515 करोड़ रुपये) और निर्माण 9.57 प्रतिशत (31,550 करोड़ रुपये) बढ़ा। सेवा क्षेत्र में, व्यापार, होटल और रेस्तरां 17.92 प्रतिशत (25,702 करोड़ रुपये), रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं में 11.70 प्रतिशत (34,324 करोड़ रुपये) और पर्यटन 17.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आगामी तिमाहियों में और अधिक वृद्धि हासिल करने के लिए क्षेत्रों की निगरानी तेज करने के निर्देश दिए।


सर्वे भवन्तु सुखिनः | Regd. No. 160/98 | मानव सेवा-माधव सेवा

अग्रवाल समाज तेलंगाना

301, तीसरा माला, राघव रत्ना टॉवर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद

Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com Website : www.agarwalsamajtelangana.com

VENKATESHWARA GROUP

DEC INFRASTRUCTURE & PROJECTS (INDIA) PVT LTD

Presents

अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025

सोमवार दि. 22 सितम्बर 2025

महाराजा श्री अग्रसेनजी 5149 वाँ जयन्ती समारोह

क्लासिक कनवेंशन 3, शमशाबाद

के अन्तर्गत

मुख्य अतिथि: श्रीमती वरलक्ष्मी धीरज, Telangana BJP State Mahila Spokesperson

महिला उत्सव

बुधवार दि. 10-9-2025 प्रातः 11 से 5 बजे तक

स्थान : क्लासिक गार्डन, सिकन्दराबाद

निर्णायक सांस्कृतिक कमेटी: श्रीमती नित्या पारीक, Ex Distrcit President Mahila Morcha Golcondazila, State Spokesperson Mahila Morcha Telangana

DRESS CODE: Audience - Sky Blue, Office Bearers - Baby Pink

ATTRACTIONS: Fashion Show Best Designer Award | Stalls For Women | Entrepreneur | Photo Booth | Lucky Draw | Best Decorated Stall | Prizes & Surprises Galore

SEQUENCE OF EVENTS: Maharaja Agrasen Ji Pooja 11:00 am to 11:30 am | Cultural Performances 11:30 am to 12:30 am | Formal Segment 12:30 pm to 1:15 pm | Tambola Fun 2:45 pm to 3:30 pm

चेयरमैन: रितु अग्रवाल 9848812751 | वाईस चेयरमैन: डिम्पल अग्रवाल 9032044112, आरती अग्रवाल 9290894544, रजनी अग्रवाल 9704069836, अनु केडिया 8125216111

बैडमिंटन प्रतियोगिता: रविवार, दि. 14 सितम्बर 2025 प्रातः 9:00 बजे से, स्थान : कोटला विजय भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम, यूसुफ गुडा

वृक्षारोपण 15 व 16 सितम्बर 2025 | गोसेवा 21 सितम्बर 2025 | चैस प्रतियोगिता 21 सितम्बर 2025

सोमवार दि. 22-9-2025 जयंती समारोह कार्यक्रम | प्रातः 10-00 बजे महाराज अग्रसेनजी की प्रतिमा को माल्यार्पण अग्रसेन चौक | सायं 6-00 बजे मंचीय कार्यक्रम क्लासिक कन्वेंशन-3 | रात्रि 9-00 बजे कवि सम्मेलन संचालक : डॉ. कुमार विश्वास क्लासिक कन्वेंशन-3 | रात्रि 10-00 बजे से डांडिया धूम अदिति कन्वेंशन

अध्यक्ष: अनिरुद्ध गुप्ता | उपाध्यक्ष: रुपेश अग्रवाल | मानद मंत्री: विकास केशान | सह-मंत्री एवं जयंती प्रधान संयोजक: डॉ. सीमा जैन | कोषाध्यक्ष: अचल गुप्ता | निवर्तमान अध्यक्ष: मनीष अग्रवाल

MPL STEEL PIPES Issi par hai bharosa | Precision | ARISTA JEWELS Supported by: Ssaraf Investment & Fitness


Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.